শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 255 | गुवाहाटी | मंगलवार, 11 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम विस अध्यक्ष ने बीटीसी के विधान परिषद भवन का किया दौरा — पेज 3
विदेश जाने वालों को उपराष्ट्रपति की सलाह – राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़ जाएं — पेज 4
राजनैतिक स्वार्थ के लिए आरक्षण नियमों में की गई अनदेखी : मायावती — पेज 5
पंजाब की कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं : डीजीपी — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जो गलतियां नहीं करता, वह प्रायः कुछ नहीं कर पाता।
- ए.जे.फेल्प्स

सूई की नोक के बराबर जमीन अब कोई ले नहीं सकता : अमित शाह

किबिथू/इटानगर। केंद्रीय मंत्री अमित साह दो दिवसीय अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के किबिथू इलाके में *वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम* की शुरुआत की। सरकार की कोशिश है कि इस प्रोग्राम के जरिए सीमावर्ती गांवों में रहने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार आए। किबिथू में लोगों के साथ जनसंपर्क कर रहे अमित साह ने कहा कि वो युग बीत चुका है, जब कोई भारत की धरती पर कब्जा करता था। आज के समय कोई भी इसकी (भारत) सीमा पर आंख उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता है। अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांव किबिथू में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए शाह ने कहा कि सेना और आईटीबीपी कर्मियों की वीरता यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी भारत की एक इंच जमीन का भी अतिक्रमण नहीं कर सकता है। उन्होंने पूर्वोत्तर में किए गए बुनियादी ढांचे और अन्य विकास कार्यों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में विकास करना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। अमित शाह ने कहा कि वह जमाना चला गया, जब कोई भी हमारी जमीन पर कब्जा कर सकता था। अब सूई की नोक के बराबर भी जमीन पर कब्जा नहीं किया जा सकता है। साल 1962 के युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले किबिथू के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि इस क्षेत्र के लोग संसाधनों की कमी के बावजूद अदम्य भावना से लड़े थे। शाह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में कोई भी *नमस्ते* नहीं कहता है, क्योंकि लोग एक दूसरे को *जय हिंद* कहते हैं, जो हमारे दिलों को देशभक्ति -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त, विकास हमारी प्राथमिकता : गृहमंत्री

इटानगर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में उग्रवाद को समाप्त कर दिया है और वह क्षेत्र में शांति और तेज विकास लाई है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने अपने दो कार्यकाल में दिखा दिया है कि वह पूर्वोत्तर के लिए क्या कर सकती है जो पिछली सरकारों द्वारा दशकों तक नहीं किया जा सका। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर के 70 फीसदी इलाकों से सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) कानून -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा के 50 साल पुराने विवाद की सुनवाई जुलाई में

नई दिल्ली। असम-मेघालय के बीच चल रहे विवाद को लेकर मेघालय सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से जुलाई में सुनवाई की जाएगी। इस याचिका में असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों द्वारा समझौते विज्ञापन पर रोक लगाने को लेकर उच्च न्यायालय को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कहा गया कि इस मामले पर जुलाई में सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि इस याचिका को शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री द्वारा सोमवार को गलत तरीके से सूचीबद्ध किया गया है। हम इसे जुलाई में रखेंगे। बता दें कि राज्य सरकार की ओर से मेघालय हाईकोर्ट के 8 दिसंबर, 2022 -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह की डिब्रूगढ़ में जनसभा आज

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्य के डिब्रूगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। शर्मा ने सोमवार को डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर शाह की अगवानी की और उसके बाद शाह पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश रवाना हो गए। शर्मा ने ट्वीट किया कि आज डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर उनका (शाह) स्वागत करना खुशी की बात थी। वह आज अरुणाचल प्रदेश जाएंगे और कल डिब्रूगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करने के अलावा असम में भाजपा के एक जिला कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कालिता के साथ मिलकर सभा की तैयारियों की भी समीक्षा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शर्मा के अलावा केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और रामेश्वर तेली भी सभा में मौजूद रहेंगे। शाह इस यात्रा के दौरान ऊपरी असम के लिए भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय का भूमिपूजन भी करेंगे।

मस्क भी पीएम मोदी के मुरीद

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स रखने वाले ट्विटर बॉस एलोन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फॉलो करना शुरू कर दिया है, जिन्हें 87.7 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। दुनिया के दूसरे सबसे रईस शख्स मस्क, जिन्होंने पिछले साल अक्तूबर में ट्विटर का अधिग्रहण किया। मस्क स्वयं 195 व्यक्तियों को ट्विटर पर फॉलो करते हैं, जिनमें से एक पीएम मोदी भी हैं। टेस्ला के सीईओ द्वारा फॉलो किए जाने वाले लोगों की सूची का एक स्क्रीनशॉट *नरेंद्र मोदी* नाम भी नजर आ रहा है। वास्तव में, पीएम मोदी ट्विटर पर मस्क द्वारा फॉलो किए जाने वाले कुछ राजनीतिक नेताओं में से एक हैं। अरबपति कारोबारी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी फॉलो करते हैं, जिन्हें मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट पर सबसे -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली में सात जिंदा ग्रेनेड मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली के होलंबी कलां इलाके में कम से कम सात देशी हथगोले मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। दिल्ली पुलिस को यहां से करीब 7 देशी जिंदा ग्रेनेड मिले हैं। ये हथगोले किन मंसूबों के तहत रखे गए थे, फिलहाल इस एंगल की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि मामले की शुरूआती जांच जारी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमारी टीम ने होलंबी कलां इलाके में सात-आठ देशी हथगोले बरामद किए और इस संबंध में कुछ संदिग्धों -शेष पृष्ठ दो पर

अस्पतालों में कोरोना प्रबंधन की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को झज्जर स्थित एम्स और दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कोरोना प्रबंधन के लिए अस्पताल के बुनियादी ढांचे की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए मॉक ड्रिल की समीक्षा की। आरएमएल अस्पताल के दौरे के दौरान, डॉ. मांडविया ने विभागाध्यक्षों और कर्मचारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत की। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

भारत दुनिया का विश्वगुरु : यूक्रेन की उप विदेशमंत्री

नई दिल्ली। यूक्रेन की प्रथम उप विदेश मंत्री एमिन जापारोवा ने सोमवार को विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा से द्विपक्षीय संपर्क और सहयोग को आगे बढ़ाने के बारे में चर्चा की तथा आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। यूक्रेन की प्रथम उप विदेश मंत्री एमिन जापारोवा चार दिवसीय यात्रा पर भारत आई हैं। यूक्रेन की उप विदेश मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि एक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में भारत वास्तव में दुनिया का -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा आम आदमी पार्टी को मिला सीपीआई(एम), एनसीपी और टीएमसी का गया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे दिया है। बता दें कि 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलना पार्टी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एनसीपी), सीपीआई (एम) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीन लिया है। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद, आरएलडी) को राज्य पार्टी का दर्जा वापस ले लिया है। इसके अलावा रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को पश्चिम बंगाल में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता दी गई। मेघालय में वॉइस ऑफ द पीपुल पार्टी को राज्य स्तरीय पार्टी के रूप में मान्यता मिली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को नगालैंड में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता मिली। त्रिपुरा में टिपरा मोथा पार्टी को एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता दी गई है। बीआरएस को आंध्र प्रदेश में एक राज्य पार्टी के -शेष पृष्ठ दो पर

हमारा कश्मीर स्विट्जरलैंड से भी अच्छा : गडकरी

जम्मू-कश्मीर। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आज जम्मू-कश्मीर में हैं। जम्मू-कश्मीर में चल रहे विभिन्न परियोजनाओं का आज उन्होंने निरीक्षण किया। वे सबसे पहले जोजिला टनल देखने पहुंचे थे। शाम में उन्होंने मीडिया को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम जम्मू-कश्मीर की सड़कों को अमेरिका के बराबर बनाने जा रहे हैं। अपने बयान में गडकरी ने कहा कि अगले 3-4 साल में जम्मू-कश्मीर के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को अमेरिका के बराबर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इतना अच्छा सड़क नेटवर्क बनाएंगे, इस काम को लेकर हम कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही गडकरी ने कहा कि भारत और दुनिया भर से लोग स्विट्जरलैंड जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा कश्मीर स्विट्जरलैंड से भी अच्छा है। उपराज्यपाल जी ने 13.5 एकड़ जगह की पहचानकर कर -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार कैबिनेट में शिक्षा नियमावली 2023 पर मुहर

पटना। बिहार कैबिनेट की बैठक में 6 एजेंडों पर मुहर लगी है। साथ ही बैठक में सरकार ने शिक्षकों को बड़ी खुशखबरी दी है। सबसे महत्वपूर्ण एजेंडे में शिक्षा नियमावली 2023 लागू करने पर मुहर लगी है। बिहार कैबिनेट ने बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियुक्ति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई और सेवाशर्त नियमावली 2023 को मंजूरी दे दी है। इस नियमावली में शिक्षक नियोजन का अधिकार पंचायतों व नगर निकायों से वापस ले लिया गया है। पूरी शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी, त्रुटिरहित बनाने के -शेष पृष्ठ दो पर

मालेगांव विस्फोट : एटीएस अधिकारी के खिलाफ जमानती वारंट

मुंबई। मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष अदालत ने सुनवाई के दौरान गवाही के लिए पेश नहीं होने पर एटीएस अधिकारी के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते के एक अधिकारी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया। एक वकील ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एटीएस अधिकारी मालेगांव विस्फोट मामले में गवाह था। जिसे विशेष एनआईए न्यायाधीश एके लाहोटी के समक्ष अपनी गवाही दर्ज करने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह गवाही के लिए अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए। वकील ने यह भी बताया कि यह दूसरी बार था जब जब एटीएस अधिकारी अदालत की तारीख पर गवाही के लिए नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

कलकत्ता विश्वविद्यालय में राज्यपाल गो बैक के नारे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस सोमवार को अचानक कलकत्ता विश्वविद्यालय पहुंच गए। राज्यपाल के यहां आने की खबर न तो पुलिस को थी और न ही विश्वविद्यालय के अधिकारियों को थी। राज्यपाल के राज्य के कुलपतियों को पत्र लिखे जाने और शिक्षा विभाग से विवाद के बीच यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह राज्यपाल सीवी आनंद बोस अचानक कलकत्ता विश्वविद्यालय पहुंच गए। सूत्रों के मुताबिक जब राज्यपाल विश्वविद्यालय पहुंचे, तब तक कुलपति विश्वविद्यालय नहीं पहुंचे थे। राज्यपाल के करीब सात मिनट राज्यपाल के इंतजार के बाद कुलपति विश्वविद्यालय पहुंचे। इसके बाद राज्यपाल ने कुलपति और कुल -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में फिर भड़की हिंसा, इंटरनेट बंद

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ समेत देश के तीन राज्य हिंसा की चपेट में हैं। जमशेदपुर में महावीरी झंडे के अपमान को लेकर दो समुदायों में झड़प हो गई। वहीं, हरियाणा के सोनीपत में धर्मस्थल में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में हिंदू युवक की मौत के बाद हिंसा भड़क उठी है। घटनास्थल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। झारखंड में जमशेदपुर जिले के कदमा शास्त्री नगर ब्लॉक 3 में महावीरी झंडा के अपमान को लेकर हिंसा भड़क उठी। माहौल बिगड़ने के बाद क्षेत्र में धारा 144 लगा दिया गया। इंटरनेट सेवा को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गय। बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। बताया जाता है कि महावीरी झंडे के अपमान को लेकर रविवार शाम दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर पथराव करना शुरू कर दिया, जिससे भगदड़ मच गई। उपद्रवियों ने दो दोपहिया वाहन समेत पांच दुकानों में आग लगा दी। इस दौरान समुदाय विशेष की ओर से तीन राउंड फायरिंग भी की गई। भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। शास्त्री नगर ब्लॉक संख्या-2 के मस्जिद समेत आसपास के इलाकों से 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। हरियाणा के सोनीपत जिले के सांदल कलां गांव में समुदाय विशेष के लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

बीस-तीस वर्ष में भारत विश्वगुरु होगा : भागवत

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आगामी 20 से 30 वर्षों में भारत विश्वगुरु बनने जा रहा है और इसके लिए हमें आज से ही सक्रियता दिखाते हुए कार्य करना होगा। मुंबई में प्रभादेवी में स्थित रवींद्र नाट्य मंदिर में रविवार देर शाम को प्रसिद्ध उद्योगपति और विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष अशोक चौगुले के अमृत महोत्सव का कार्यक्रम विवेक व्यासपीठ ने आयोजित किया था। इस अवसर पर अशोक राव का अभिष्टचिंतन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बांग्लादेश, नेपाल और भूटान को मेथनॉल निर्यात करेगा असम

गुवाहाटी। असम सरकार राज्य में 15,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए एक औद्योगिक समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी। हम 15,000 रुपए के निवेश के लिए एक औद्योगिक समूह के साथ एक नया समझौता कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के राज्य के दौरे के बाद हम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। यह दावा करते हुए कि बुनियादी ताकत के कारण अधिक औद्योगिक समूह निवेश के लिए राज्य में आ रहे हैं, मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक समूह उन स्थानों पर आते हैं जिनके पास भुगतान क्षमता होती है। असम की बढ़ती जीडीपी के साथ, उद्योग राज्य में आ रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हमने राज्य की औद्योगिक नीति को भी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया है। हम क्षेत्र के लिए एक अनुकूल औद्योगिक नीति के लिए भी केंद्र का अनुसरण कर रहे हैं, जो पहले की नीतियों से काफी अलग होगी। पहले 100 से 200 करोड़ रुपए के निवेश को ध्यान में रखकर नीतियां बनाई जाती थीं। हम इसे बड़ा बनाने के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के 700 टीपीडी मेथनॉल प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली 14 अप्रैल को सुरसजाई स्टेडियम में एक समारोह से करेंगे। पिछले एक दशक में असम में सार्वजनिक क्षेत्र में कोई बड़ा निवेश नहीं हुआ। एपीएल राज्य सरकार का एक बड़ा निवेश है। पिछले दो या तीन सालों में हमारा पहला बड़ा निवेश एनआरएल में हुआ है। हमने एनआरएल में हिस्सेदारी बढ़ाकर 26 फीसदी की। अगला निवेश एपीएल है कि मुख्यमंत्री ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा चौथा बड़ा निवेश 4,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना होगी। इतने वर्षों के बाद, सरकार ने राज्य के औद्योगीकरण विकास में निवेश करना शुरू किया। इन सभी परियोजनाओं में, हमारे पास भागीदार के रूप में केंद्रीय पीएसयू हैं। उन्होंने आगे कहा कि एनएलसी और ऑयल जैसे सेंट्रल पीएसयू पार्टनर के तौर पर हमारे साथ हैं। हम केंद्र सरकार के सहयोग से पैसा लगा रहे हैं। हमने यूपी के घाटमपुर पावर प्रोजेक्ट में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का भी फैसला किया है। हम लगभग 100 करोड़ रुपए के निवेश से 20 प्रतिशत शेयर खरीदेंगे और परियोजना से 400 मेगावाट बिजली के हकदार होंगे। नामरूप संयंत्र से, मेथनॉल विभिन्न राज्यों और कई अन्य पड़ोसी देशों को निर्यात किया जाएगा। इस परियोजना में असम सरकार का 51 प्रतिशत और ओआईएल का 49 प्रतिशत निवेश है। अप्रैल के मध्य से, राज्य बांग्लादेश, भूटान और नेपाल को मेथनॉल का निर्यात शुरू कर देगा। प्रधानमंत्री मोदी 14 अप्रैल को ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में राज्य द्वारा संचालित एपीएल के मेथनॉल संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। निर्यात किए, जाने वाले मेथनॉल की मात्रा का पता समझौते पर हस्ताक्षर के बाद ही लगाया जा सकता है। हालांकि, हमें मेथेनॉल के लिए बांग्लादेश से पर्याप्त मांग मिल रही है। फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस का उपयोग करके मेथनॉल संयंत्र स्थापित करने वाली देश की पहली कंपनी एपीएल असम सरकार का एक उपक्रम है, जिसमें कंपनी के 51 फीसदी शेयर असम सरकार के पास हैं और 49 फीसदी शेयर ऑयल इंडिया लिमिटेड (ऑयल) के पास हैं। वर्तमान में, नामरूप में स्थित 100 टीपीडी मेथनॉल और 125 टीपीडी फॉर्मेलिन संयंत्र कंपनी के अधीन पूरी तरह कार्यात्मक हैं। एपीएल ने 3 अक्टूबर, 2017 को नामरूप में 500 टीपीडी मेथनॉल प्लांट और बोंगाईगांव जिले के बोइतामारी में 200 टीपीडी फॉर्मेलिन प्लांट की स्थापना के लिए 1,709 करोड़ रुपए की परियोजना लागत पर एक विस्तार कार्यक्रम शुरू किया। नामरूप में 500 टीपीडी मेथनॉल प्लांट को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है और असम में गैस क्षेत्रों से ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई लीन प्राकृतिक गैस (मीथेन में 99 फीसदी) के साथ कच्चे मेथनॉल उत्पादन के लिए ट्रायल रन आयोजित किए गए हैं और असम गैस द्वारा परिवहन किया गया है। कंपनी लिमिटेड (एजीसीएल), एक अन्य राज्य पीएसयू कि एपीएल के अध्यक्ष, बिकुल चंद्र डेका ने कहा। डेका ने कहा कि 200 टीपीडी फॉर्मेलिन परियोजना इस साल नवंबर में चालू होने की उम्मीद है, जिसके लिए 500 टीपीडी मेथनॉल संयंत्र से उत्पादित मेथनॉल फीडस्टॉक होगा।

दोषपूर्ण प्रीपेड मीटर

सीएम ने एपीडीसीएल को नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का दिया निर्देश

गुवाहाटी। असामान्य रूप से उच्च मासिक बिजली बिल और दोषपूर्ण प्रीपेड मीटर की शिकायतों के बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को कहा कि वह असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) को एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश देंगे, जहां उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनी जा सकें। दायर की और मुद्दों को संबोधित किया। शिकायत होने पर प्री-पेड मीटर का परीक्षण किया जा सकता है। पहले पोस्टपेड मीटर सिस्टम में मासिक बिल औसत लेकर तैयार किए जाते थे। हालांकि, अब मैं एपीडीसीएल को एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दूंगा जहां लोग शिकायत दर्ज करा सकें और प्री-पेड मीटरों की दोबारा जांच भी कर सकें। वैसे भी, ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री-पेड मीटर पहले ही लगाए जा चुके हैं। कुछ शिकायतें होंगी लेकिन एपीडीसीएल के कर्मचारी उपभोक्ताओं के घरों में जा सकते हैं और स्मार्ट मीटरों की मरम्मत कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी-कभी यांत्रिक समायोजन की आवश्यकता होती है और शिकायतें दर्ज की जानी चाहिए ताकि एपीडीसीएल मुद्दों का समाधान कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में, एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण हुआ था, जिसमें संकेत दिया गया था कि असम में बिजली उपभोक्ता सबसे अधिक संतुष्ट हैं। इस बीच, प्रीपेड बिल-भुगतान प्रणाली में बदलाव के बाद मासिक बिजली शुल्क में कथित असामान्य वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए, स्नातक इंजीनियरों के एक मंच ने एपीडीसीएल से पारंपरिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल मीटर (घूर्णन एल्यूमीनियम के साथ) को बदलने की प्रक्रिया के रूप में अपना रुख स्पष्ट करने का आग्रह किया है। (डिस्क) से लेकर एलसीडी या एलईडी डिस्प्ले वाले इलेक्ट्रॉनिक (डिजिटल/स्मार्ट) मीटर को किसी भी कीमत पर अधिक ऊर्जा खपत (मासिक बिल बढ़ाने के लिए) रिकॉर्ड नहीं करना चाहिए। ऑल असम इंजीनियर्स एसोसिएशन (एएईए), ऊर्जा हानि को कम करने के उद्देश्य से दुनिया भर के कई देशों द्वारा पसंद की जाने वाली नई तकनीक का समर्थन करते हुए, एपीडीसीएल से उपभोक्ताओं को नए प्रीपेड सिस्टम जैसे सेल फोन या डीटीएच रिचार्ज के बारे में बताने का आग्रह करता है।

आग में एक घर जलकर राख

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत देरगांव के ब्रह्मपुत्र क्षेत्र में सोगुरी धेमाजी गांव में अचानक लगी आग में एक घर और अनाज रखने वाला एक कमरा जलकर राख हो गया। आग बीती देर रात लगी थी। आग अनिल ताये नामक व्यक्ति के घर में लगी थी। घर के कमरों में एक के बाद एक धूं-धूंकर जलने लगे, जिसके चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया है। हादसे के सोने के आभूषण सहित लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। गांव में मिसिंग आर्टिस्ट एसोसिएशन का केंद्रीय अधिवेशन चल रहा था। सम्मेलन के सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ही गांव में लगी आग लग गयी। जिसके चलते पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भारत-पाकिस्तान सीमा से हेरोइन व हथियार बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पाकिस्तान ने एक बार फिर से भारतीय सीमा में हेरोइन व हथियार गिराए हैं। बीएसएफ के जवानों ने बीती रात फिरोजपुर बार्डर क्षेत्र से तीन पैकेट हेरोइन के बरामद किए हैं। बीएसएफ के जवान फिरोजपुर सरहद पर गश्त कर रहे थे। तभी उनकी नजर खेतों में पड़े एक पीले रंग के पैकेट पर पड़ी, जिसे टेप से लपेटा गया था। जवानों ने उसके बाद आसपास के एरिया में सर्च करना शुरू कर दिया। जवानों को दो और पैकेट मिले। जब्त की गई हेरोइन का भार करीब तीन किलो के आसपास आंका गया है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन 21 करोड़ रुपए बताई जा रही है। दूसरी तरफ बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर बॉर्डर के रावी दरिया के पास एक राइफल व कारतूस लावारिस हालत में जब्त किए हैं। भारतीय सरहद पर सुरक्षा के मद्देनजर कमजोर हिस्सों को समतल किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा कड़ी की जा सके। इसी दौरान जवानों को रावी के पास जगह समतल करते समय एक राइफल व कारतूस मिले, जिन्हें जब्त करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कुकुरमारा में दो हजार लीटर देसी शराब पकड़ी

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के कुकुरमारा-बढ़ंती पीडब्ल्यूडी मार्ग पर बीती मध्य रात्रि को अभियान चलाते हुए कुकुरमारा पुलिस ने लगभग दो हजार लीटर देसी शराब (चुलाई) पकड़ी है। इस दौरान पुलिस को देखकर शराब कारोबारी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। बरामद शराब को पुलिस कुकुरमारा थाने ले गई और थाने के पीछे शराब को नष्ट किया गया। पुलिस अधिकारी विचित्र कलिता ने कहा कि कुकुरमारा में शराब के खिलाफ अभियान बिहू के समय तक जारी रहेगा।

मिजोरम रेल कनेक्टिविटी में सबसे ऊंचे ब्रिज स्तंभ का निर्माण पूरा

गुवाहाटी (हिंस)। भारत सरकार के सभी विकासात्मक एजेंडे में पूर्वोत्तर क्षेत्र का एक विशेष स्थान है। भारतीय रेल कई नई रेलवे लाइन परियोजनाओं को क्रियान्वित कर पूर्वोत्तर के राज्यों के रूपांतरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्य की राजधानियों को जोड़ने के लिए नई रेल लाइनों का निर्माण राजधानी संपर्क परियोजनाओं के तहत किया जा रहा है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए भैरबी-साइरंग नई रेल लाइन परियोजना ऐसी ही एक परियोजना है, जिसके जल्द ही पूर्ण होने की संभावना है। इसके पूरा होने पर देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेषकर मिजोरम में संचार और वाणिज्य के मामले में एक नए युग की शुरुआत करेगी। भैरबी-साइरंग परियोजना का लक्ष्य पूर्वोत्तर भारत में अतिरिक्त 51.38 किमी रेलवे ट्रैक बिछाना है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया कि पूसीरे ने साइरंग स्टेशन के पहुंच पर इस परियोजना के सबसे ऊंचे स्तंभ यानी पुल संख्या 196 के स्तंभ पी-4 के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। इस स्तंभ की ऊंचाई 104 मीटर है, जो कुतुबमीनार से 42 मीटर ऊंचा है। यह 12 मीटर बाहरी व्यास का एक खोखला स्तंभ है, जिसकी दीवार की मोटाई 75 सेंटीमीटर से 50 सेंटीमीटर तक है। स्थलाकृतिक बाधा के कारण, यह स्तंभ एक नदी की धारा के बीच में स्थित है। बहती धारा के भीतर इस स्तंभ का नींव निर्माण एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इस धारा को मोड़ कर और अतिरिक्त पाइलिंग मशीनों को तैनात करके पूरा किया गया। इस स्तंभ को अनोखे प्रकार के डिजाइन से स्थापित किया गया है, जिसमें 4.5 मीटर × 8.5 मीटर के चार मुहानों के साथ पाइल कैप बनाया गया।

पृष्ठ एक का शेष

सूई की नोक ...

से भर देता है। अरुणाचलवासियों के इसी रवैये के कारण चीन जो उस पर कब्जा करने आया था, उसे पीछे हटना पड़ा। शाह ने कहा कि पहले सीमावर्ती क्षेत्रों से लौटने वाले लोग कहते थे कि वे भारत के आखिरी गांव में आ गए हैं, लेकिन मोदी सरकार ने इस कहानी को बदल दिया है और अब लोग कह रहे हैं कि वे भारत के पहले गांव में गए हैं। उधर अपने दो दिवसीय अरुणाचल दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंजाओ जिला के किबिथु में *वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम* का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि *वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम* के लिए आज महत्वपूर्ण दिन है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों में रोजगार व विकास सुनिश्चित करने के साथ पलायन रोकने के लिए की है। ट्वीट के माध्यम से गृहमंत्री शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार और पलायन रोकने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जीवंत गांव कार्यक्रम शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के बीच सड़क संपर्क के लिए विशेष रूप से 2500 करोड़ रुपए सहित 4800 करोड़ रुपए के केंद्रीय योगदान के साथ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को मंजूरी दी है। यह कार्यक्रम चिह्नित सीमावर्ती गांवों के लोगों के जीवनस्तर में सुधार लाने में मदद करेगा। साथ ही उन्हें अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इससे पलायन रुकेगा और सीमा की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी। अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 ब्लॉकों में 2967 गांवों को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के लिए चुना गया है।

पूर्वोत्तर में उग्रवाद ...

(अफ्सपा) हटा दिया गया है और वह दिन दूर नहीं जब बाकी क्षेत्र से भी इस कानून को हटा लिया जाएगा। अधिकार कार्यकर्ता अफ्सपा के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, जो अशांत क्षेत्रों में अभियान चला रहे सुरक्षा बलों को संरक्षण देता है। अधिकार कार्यकर्ता इस कानून को एक कठोर कानून बताते हुए इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में सभी विवाद सुलझाए जा रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों में 8,000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में 66 प्रतिशत कम हिंसा और नागरिकों की 88 फीसदी कम मौतें हुई हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवाद सुलझने के कगार पर है, जबकि विद्रोही समूहों के साथ कई शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिनमें ब्रू और बोडो समुदायों के समूह भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता है और वह इस संबंध में कई पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि सीमा बुनियादी ढांचे का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता है। हमने सीमा के पास सड़कें बनाई हैं, सीमा पर बाड़ लगाई हैं, सीमा चौकियां बनाई हैं और फ्लड लाइट लगाई हैं।

असम-मेघालय सीमा...

वाले आदेश को चुनौती दी थी। इसमें सीमा विवाद के निपटारे के लिए दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के द्वारा साइन किए गए एमओयू पर रोक लगा दी गई थी। इससे पहले राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश का विरोध भी किया था। इसे लेकर कहा गया था कि दोनों राज्यों के बीच सीमाओं में बदलाव और क्षेत्रों के आदान-प्रदान से संबंधित मुद्दों को राजनीतिक रूप से तय किया गया। याचिका में कहा गया है कि दोनों राज्यों की तरफ से साइन किया गया एमओयू निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सीमाओं का सीमांकन करने के लिए राज्यों के बीच एक संप्रभु अधिनियम है। बता दें कि ये समझौता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में किया गया था। इस दौरान छह क्षेत्रों के संबंध में बकाया सीमा विवादों का निपटारा किया गया था। इसके बाद ही पूरा मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। फिर मेघालय हाईकोर्ट की एकल पीठ ने समझौते के तहत सीमाओं में बदलाव या फिर सीमा चौकियों के निर्माण पर पिछले साल 9 दिसंबर को रोक लगा दी थी। बाद में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसके कारण याचिकाकर्ताओं ने शीर्ष अदालत में अपील दायर की। दोनों राज्यों के बीच चल रहा सीमा विवाद 50 साल पुराना है। इन राज्यों के बीच की सीमा करीब 884.9 किलोमीटर लंबी है। साल 1972 में मेघालय को असम से अलग कर नए राज्य का दर्जा मिला था। लेकिन नए राज्य ने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी थी, जिससे 12 सीमावर्ती स्थानों को लेकर विवाद पैदा हो गया था।

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा ...

रूप में मान्यता दी गई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी की दर्जा मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं। सबको बहुत बहुत बधाई। देश के करोड़ों लोगों ने हमें यहां तक पहुंचाया है। लोगों को हमसे बहुत उम्मीद है। आज लोगों ने हमें ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी है। बता दें कि इस साल कर्नाटक और मिजोरम में विधानसभा चुनाव हैं। बता दें कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कर्नाटक में जोर-शोर से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। पिछले साल 2022 दिसंबर में गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव में भी आप ने अच्छा प्रदर्शन किया था। जहां पार्टी को करीब 12 प्रतिशत वोट मिले थे। आम आदमी पार्टी की दो राज्यों में सरकार है। पंजाब में 2022 में विधान सभा के चुनाव हुए थे, जहां पार्टी ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई थी। फरवरी 2020 में भी केंद्र शासित प्रदेश व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पार्टी ने कब्जा जमा लिया था। इसी साल दिल्ली एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी ने पहली बार अपना मेयर बनाकर इतिहास रच दिया।

मस्क भी पीएम...

अधिक फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति के रूप में पीछे छोड़ दिया था। सितंबर 2015 में संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर, प्रधानमंत्री ने मस्क से मुलाकात की थी। मस्क ने पीएम मोदी को फॉलो किए जाने की बात जल्द ही ट्विटर पर वायरल हो गया। राहुल गांधी और कांग्रेस पर तंज कसते हुए ट्विटर यूजर मोंटी राणा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पार्टी *ये मोदी-मस्क का रिश्ता क्या कहलाता है* पूछना शुरू नहीं करेगी? इस बीच, ट्विटर फॉलोअर्स के संदर्भ में मस्क और ओबामा नंबर 3 पर जस्टिन बीबर, 4 पर कैटी पेरी और 5 पर रिहाना से आगे हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो (6), टेलर स्विफ्ट (7), लेडी गागा (9), और यूट्यूब (10) टॉप 10 में भी हैं।

हमारा कश्मीर स्विट्जरलैंड ...

दी है। हम बहुत जगहों पर सड़क किनारे सुविधाएं, हैंडलूम, हस्तकला, पश्मीना का मार्केट हो उसके लिए दुकानें डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारियों को अधिक से अधिक स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की बात कही है। जोजिला टनल के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने बताया कि 38 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। सोनमर्ग में बन रहे जोजिला सुरंग को लेकर गडकरी ने कहा कि एक साल के अभ्यास, परामर्श और शोध के बाद हमने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में हमने जिस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया है उससे टनल को बनाने में 5000 करोड़ तक कम खर्च हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि इस टनल के बनने से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन में 2-3 गुना वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। टनल का 38 फीसदी काम पूरा हो चुका है। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि हम सही मायने में कश्मीर से कन्याकुमारी तक कनेक्टिविटी हासिल करेंगे। जोजिला सुरंग में पूरे जोरों पर निर्माण के साथ, भारत 2026 तक एशिया की सबसे लंबी सुरंग प्राप्त करने के लिए तैयार है।

बिहार कैबिनेट में ...

उद्देश्य से केंद्रीयकृत एवं निष्पक्ष आयोग से करवाने की रूपरेखा तैयार की गई है। पुरानी शिक्षक नियुक्ति नियमावली के तहत 9222 नियोजन इकाइयां थीं, जबकि नई नियमावली में नियोजन इकाइयों की संख्या जिलों की संख्या के बराबर अर्थात 38 रह जाएगी। सरकार नियुक्ति के लिए आयोग बनाएगी। वहीं अब अभ्यर्थियों को उसी आयोग में केवल एक आवेदन करना होगा। इसी में वे स्कूलों में पदस्थापन का विकल्प रखेंगे, जबकि पहले एक अभ्यर्थी कई नियोजन इकाइयों में आवेदन करने को मजबूर होता था। महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2023 बनाई है। तीन महीनों के इंतजार के बाद नई नियमावली को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इसी के आधार पर सातवें चरण में शिक्षकों की भर्ती होगी। नई नियमावली में शिक्षकों के ट्रांसफर का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

मालेगांव विस्फोट : एटीएस...

पहुंचा। यह देखते हुए विशेष अदालत ने एटीएस अधिकारी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया। हालांकि वकील ने एटीएस अधिकारी का पक्ष रखते हुए बताया कि एटीएस अधिकारी का घर जिस इलाके में है वहां कानून व्यवस्था की स्थिति है। इसी कारण वह गवाही के लिए अदालत में पेश नहीं हो सके। गौरतलब है कि मुंबई से करीब 100 किलोमीटर दूर उत्तरी महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल में बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इस मामले में अब तक 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है, हालांकि इनमें से 34 ने पाला बदल लिया है। इस मामले के आरोपियों में भाजपा लोकसभा सदस्य प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, शुदाकर द्विवेदी, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल हैं। ये सभी जमानत पर बाहर हैं।

कलकत्ता विश्वविद्यालय ...

सचिव के साथ बैठक की। राज्यपाल के राज्य के कुलपतियों को पत्र लिखे जाने के बाद और शिक्षा विभाग से विवाद के बीच यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच, राज्यपाल के पहुंचने पर विश्वविद्यालय परिसर में उनके खिलाफ गो बैक के नारे लगे और छात्र चुनाव की मांग की।

झारखंड, छत्तीसगढ़ और...

पर हमला करने का मामला सामने आया है। यह हमला रात को उस समय किया गया, जब लोग रमजान की नमाज अदा कर रहे थे। बताया जाता है कि नमाजियों पर 15 से 20 हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया। पुलिस ने 19 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल, इलाके में तनाव का माहौल है। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में दो बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद को लेकर दो समुदाय आमने-सामने आ गए। इस दौरान एक हिंदू युवक की हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। समुदाय विशेष के लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक घायल हो गए। पुलिस ने गांव को छावनी में तब्दील कर दिया है। आसपास के जिलों से भी पुलिस फोर्स बुलाई गई है। इसी मामले को लेकर विहिप ने आज राज्यव्यापी बंद बुलाया है।

बीस-तीस वर्ष ...

करते हुए मोहन भागवत ने विहिप के उपाध्यक्ष अशोक चौगुले को समर्पित नेता बताया। डॉ. भागवत ने कहा कि सत्य हमारे व्यवहार से झलकना चाहिए और अशोकराव जी ने अपने व्यवहार में सत्य को उतारा है। उन्होंने कहा कि भारत का बड़ा होना विश्व की आवश्यकता है और उसके लिए अशोकजी प्रेरणादायी जीवन का अनुकरण करना होगा। अशोकराव चौगुले अमृत महोत्सव समिति के अध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरीजी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 40 वर्षों में हिंदुओं के पुनरुत्थान में अशोकजी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और यह जो दिखाई दे रहा है वह हिमनग का छोटा सा शिखर है जब कि उनका खूब सारा कार्य शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। इस अवसर पर दो अंग्रेजी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। उनका संपादन करनेवाले अरविंद सिंह और इस कार्यक्रम के आर्ट डायरेक्टर गोपी कुकड़े का सरसंघचालक के हाथों सम्मान किया गया। अशोकराव चौगुले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने द्वारा किए गए संघकार्य का स्मरण किया और संघ, विश्व हिंदू परिषद तथा राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभव साझा किया। पद्मश्री ब्रम्हेशानंद आचार्य स्वामी ने उन्हें हजारों का पालनकर्ता बताते हुए गोमंतक में उनके हिंदुत्व के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के आरंभ में सरसंघचालक ने अशोकराव चौगुले और सुधा चौगुले को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद पवार ने किया। इस अवसर पर मंगलप्रभात लोढ़ा, दिलीप करंबेकर, मिलिंद परांडे, श्रीपाद नाईक उपस्थित थे।

दिल्ली में सात ...

को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि हथगोले के स्रोत और अन्य जानकारी का पता लगाने के लिए संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि, इससे पहले जनवरी 2023 में भी दिल्ली पुलिस को एक घर से हैंड ग्रेनेड मिले थे। ये मौका गणतंत्र दिवस का था, जब पुलिस को ये रिकवरी हुई थी। इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

अस्पतालों में कोरोना ...

डॉक्टरों, नर्सों, सुरक्षा और स्वच्छता सेवाओं के प्रमुखों के सुझावों को सुना। मंगलवार को भी देश भर के अस्पतालो में कोरोना प्रबंधन की समीक्षा के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों को सतर्क रहने और कोरोना प्रबंधन के लिए पूरी तैयारी रखने की सलाह दी। उन्होंने किसी भी तरह की लापरवाही के प्रति आगाह किया है और सभी से कोरोना उपयुक्त व्यवहार का पालन करने का आग्रह किया है। डॉ. मांडविया ने राज्यों से आईएलआई एवं एसएआरआई मामलों के रुझानों की निगरानी करके उभरते हुए हॉटस्पॉट की पहचान करने और कोरोना, इन्फ्लुएंजा के परीक्षण के लिए पर्याप्त नमूने भेजने का भी आग्रह किया है। इसके साथ पॉजिटिव नमूनों के संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग को बढ़ाने पर भी जोर दिया।

भारत दुनिया का विश्वगुरु...

विश्वगुरु है। मूल्यों और न्याय के लिए लड़ते हुए हमने यूक्रेन में यही महसूस किया है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने जापारोवा के साथ बैठक पर ट्वीट में कहा कि यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमिन जापारोवा का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। हमने अपने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि हमने आगे बढ़ते हुए द्विपक्षीय संपर्क और सहयोग के बारे में चर्चा की। वहीं, जापारोवा ने अपने ट्वीट में कहा कि विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा से नयी दिल्ली में चर्चा की और बिना उकसावे के आक्रमण से निटपने के यूक्रेन के प्रयासों की जानकारी दी। इससे पहले, भारत आने पर यूक्रेन की प्रथम उप विदेश मंत्री ने ट्वीट में कहा कि भारत की यात्रा पर आकर प्रसन्न हूं जो ऐसी धरती है जिसने अनेक संतों, साधुओं और गुरूओं को जन्म दिया। ज्ञात हो कि यूक्रेन की विदेश मामलों की प्रथम उप मंत्री एमीन जापारोवा 12 अप्रैल तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा था कि जापारोवा और वर्मा के बीच बातचीत में दोनों पक्षों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के साथ यूक्रेन की मौजूदा स्थिति और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किए जाने की उम्मीद है। जापारोवा का विदेश राज्य मंत्री एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। वे उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री से भी मुलाकात करेंगी। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ही यूक्रेन के नेता वोलोदिमीर जेलेंस्की से कई बार बात की है। हालांकि, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा नहीं की है। भारत का कहना है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत यूक्रेन के साथ मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध और बहुमुखी सहयोग साझा करता है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा था कि कूटनीतिक संबंध स्थापित करने के पिछले 30 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग ने व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और रक्षा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह यात्रा आपसी समझ और हितों को आगे बढ़ाने का एक अवसर होगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

विषय भोग में ना फँसे, मन माया लख चाल।
समय नीति से काम ले, भजन बने हर हाल॥ 27॥

शब्दार्थ : (विषय भोग) इंद्रिय-सुख (चाल) गति (हर हाल) हर समय, प्रत्येक काल।

भाष्य : गृहस्थ संत मन-माया की चाल को देखकर अपने को संभाल कर रखते है, विषय-भोग में नहीं फंसते हैं। जितेंद्रिय हो कर समय-काल के अनुसार इंद्रिय-संबंध का कार्य करते हैं, जिससे प्रत्येक समय महाप्रभु का भजन होता रहता है।

जग जीवन जल पीन है, बूड़ मरे किस दोष।
मरयादा जग नियम है, पालक जन हरि होष॥ 28॥

शब्दार्थ : (जल पीन) जल-ध्वनि (दोष) त्रुटि (होष) ज्ञान।

भाष्य : संसार का जीवन जल-ध्वनि या बुदबुदे के समान है। इसमें डूबकर मर जाने पर किसका दोष है अर्थात अज्ञानी जीव क्षणभंगुर संसार-सागर में डूबकर मर जाते हैं। संरक्षक परमप्रभु का ज्ञान कर, संसार-व्यवहार चलाने के लिए इसके नियम-मर्यादा का पालन करना चाहिए। विषय-भोग में फंसकर दुर्लभ मानव-जीवन को नष्ट नहीं करना चाहिए।

असम विस अध्यक्ष ने बीटीसी के विधान परिषद भवन का किया दौरा

असम विधानसभा का शीतकालीन सत्र कोकराझाड़ में होगा : विश्वजीत दैमारी

कोकराझाड़ (हिंस)। असम विधानसभा का शीतकालीन सत्र कोकराझाड़ में होगा। असम विधानसभा का शीतकालीन सत्र कोकराझाड़ में बीटीआर विधान परिषद भवन में आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने आज कोकराझाड़ में होने वाले सत्र के लिए दोपहर बाद बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के विधान परिषद भवन का दौरा किया। असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने मीडिया से बाचतीच करते हुए कहा कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र नवंबर-दिसंबर महीने में कोकराझाड़ में होगा। शीतकालीन सत्र एक सप्ताह तक चलेगा। मंत्रियों और विधायकों को ठहरने के लिए कोकराझाड़ में अच्छी व्यवस्था है। जिनके घर में कमरा है, वे मंत्री विधायक को भी अतिथि के रूप में रख सकते हैं। असम विधानसभा के सदस्यों को स्थानीय कला और संस्कृति के बारे में जानकारी दी जाएगी। मंत्री और विधायक इस क्षेत्र के साथ भूटान की भी यात्रा कर सकते हैं। स्थानीय लोगों को विधानसभा की कार्यप्रणाली देखने का मौका दिया जाएगा। मुख्यमंत्री और विधायक सभी यहां एक सप्ताह तक रहेंगे। उल्लेखनीय है कि बीटीसी विधान परिषद भवन के दौरे के अंत में विश्वजीत दैमारी ने बीटीसी विधान परिषद के अध्यक्ष कातीराम बोड़ो और बीटीसी सचिवालय के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भी एक बैठक की।

असम में बांग्लादेशी एजेंट गिरफ्तार

गुवाहाटी। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि असम पुलिस ने कछार जिले से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर लोगों को अवैध रूप से देश में लाने के लिए एक एजेंट के रूप में काम कर रहा था। रविवार रात गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान यासीन अराफात उर्फ मसूद हसन के रूप में हुई है। कछार जिले के पुलिस अधीक्षक नुमल महतो ने आईएएनएस को बताया कि स्पेशल ब्रांच ने एक दिन पहले गुवाहाटी में कई अवैध बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस को उनसे पूछताछ के बाद ही यासीन के बारे में पता चला। गिरफ्तार बांग्लादेशियों ने बताया कि यासीन उन्हें मेघालय में दावकी बॉर्डर के रास्ते भारत लाया था। पुलिस को पता चला कि यासीन अवैध रूप से बांग्लादेश से भी दावकी सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। वह इलाके में सीमा रक्षक के रूप में जाना जाता है। वह असम के नागांव जिले में एक नए नाम मसूद हसन के तहत रह रहा था और उसने जाली पैन और आधार कार्ड बनाए थे। विशेष शाखा ने उसके बारे में पूछताछ करने के लिए तुरंत नगांव पुलिस से संपर्क किया। पुलिस को पता चला कि यासीन मूल रूप से बांग्लादेश के सिलहट जिले का रहने वाला है। भारत आने के बाद उसने फर्जी दस्तावेज हासिल किए और नागांव के कछुआ इलाके में रह रहा था। मोबाइल फोन को ट्रेस कर पुलिस को सूचना मिली कि यासीन कछार के गुमरा इलाके में है। इसके बाद कछार पुलिस के साथ विशेष शाखा की एक टीम ने उसे इलाके के एक घर से गिरफ्तार किया।

आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने वाले तीन जुआरी गिरफ्तार

चिरांग (असम) (हिंस)। पुलिस ने चिरांग जिला के बिजनी में बीती रात छापा मारकर आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने वाले तीन जुआरियों को पकड़ा है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किये गए जुआरियों की पहचान दीपक मजूमदार (35) निवासी लारुगांव, भाटीपाड़ा, अमजद अली (27) निवासी लौक्रिगुड़ी और निकुंज दास (57) निवासी आमगुरी कॉलोनी के रूप में की गई है। पुलिस ने इनके पास से 10 हजार 80 रुपये नकद, दो मोबाइल हैंडसेट और कुछ टिकट जब्त किए हैं। पुलिस जब्त सामान के साथ गिरफ्तार तीन लोगों को बिजनी थाने ले गई। इस संबंध में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

रंगाली बिहू को लेकर होजाई में सभा आयोजित

होजाई (विभास)। अंकुर संघ के प्रांगण में दो दिवसीय रंगाली बिहू के आयोजन को लेकर नरेन शर्मा की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें आपसी विचार-विमर्श करने के पश्चात सर्वसम्मति से 16 व 17 अप्रैल को रंगाली बिहू का आयोजन करने का निर्णय लेने के साथ-साथ एक समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष नव कुमार बरकटकी को, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. समशुल हक को, सचिव आराधना शर्मा को, संयुक्त सचिव रीजू बरठाकुर और श्री सुरेंद्र बरकटकी को, सह-सचिव रेनू बोरा व अंजुमा शर्मा को, कोषाध्यक्ष विपूलचंद्र शर्मा को लेकर कई उप समितियों का गठन किया गया। सभा में दो दिवसीय बिहू के दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें महिलाओं के लिए पीठा पान प्रतियोगिता, बिहू नृत्य के अलावा सबसे आकर्षण का केंद्र होगा नयी पीढ़ी द्वारा अपने बुजुर्गों का सामान। सभा के पहले बीते वर्ष के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उक्त सभा में अनूप कुमार बरठाकुर सहित कई विशिष्ट जन उपस्थित थे। अध्यक्ष नवकुमार बरकटकी ने स्थानीय लोगों से अनुरोध किया है की दो दिवसीय बिहू के कार्यक्रम में पधार कर बिहु की शोभा बढ़ाएं व कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग करें।

बाघबर में सात व्यापारिक प्रतिष्ठान आग में जलकर राख

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत बाघबर इलाके में अचानक लगी आग के दौरान सात दुकानें जलकर राख हो गईं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि बीती मध्य रात्रि को बाघबर में अचानक आग लग गई। आग में सात दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। बाघबर हाई स्कूल के सामने स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों में अचानक आग लग गई। व्यापारियों ने बताया कि आग में 40 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई है। आग सबसे पहले एक चाय की दुकान से लगी। उधर, सिलेंडर फटने से आग की तीव्रता और बढ़ गई। हालांकि, सूचना पाकर मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सत्र भूमि समस्या निगरानी आयोग के अध्यक्ष ने किया कई सत्रों का निरीक्षण

नागरबेड़ा (विभास)। असम सत्र भूमि समस्या निगरानी आयोग ने आज कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के कई सत्रों का दौरा कर कई सत्रों का निरीक्षण किया। साथ ही सत्रोंओं की पूरी समस्याओं का जायजा भी लिया। आयोग के अध्यक्ष और विधायक प्रदीप हजारिका के नेतृत्व में आयोग के सदस्यों ने छमरिया सत्र, मालीबाड़ी सत्र, मालचा सत्र आदि सहित कई अन्य सत्रों का निरीक्षण किया। असम सत्र भूमि समस्या निगरानी आयोग की टीम ने नगरबेड़ा के मालचा सत्र पहुंचकर सत्र के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सत्रों में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र के समाजसेवी प्रबोध पाठक और रविलोचन ठाकुरिया उपस्थित थे। जिन्होंने मालचा सत्र का इतिहास के बारे में व्याख्यान भी किया। बैठक में आयोग से सत्रों की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग भी की गई। इससे जुड़े कई अन्य समस्याओं पर चर्चा हुई। आयोग के अध्यक्ष और विधायक प्रदीप हजारिका ने अपने भाषण में कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में सत्रोंओं की जमीन पर लोगों के एक वर्ग ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया है और कई सत्रों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य के प्रत्येक सत्र की अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराकर सत्रों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदीप हजारिका ने इस कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त की। बैठक में बोको विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ज्योतिप्रसाद दास, आयोग के सलाहकार एमपी शर्मा और अतुल दास, नगरबेड़ा राजस्व चक्राधिकारी वनश्री मालाकार, कामरूप जिले के जनसंपर्क अधिकारी, नागरबेड़ा महकमा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, सचिव भावेश तालुकदार और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इंटिरियर्स सॉल्यूशन के मोबाइल एप्प व वेबसाइट में जुड़े नए आयाम

गुवाहाटी। तेजी से डिजिटल की ओर अग्रसर हो रहे असम सहित पूर्वोत्तर के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इंटिरियर्स सॉल्यूशन (आईएस) नामक मोबाइल एप्प व वेबसाइट में कई नए आयाम जोड़े गए हैं। इसकी विधिवत घोषणा यहां आयोजित रंगारंग समारोह में की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा के आह्वान पर प्री-रंगाली बिहू कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, एवं असम के वीर योद्धाओं एवं महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित संरक्षकों व सलाहकारों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सलाहकारों द्वारा इंटिरियर्स सॉल्यूशन (आईएस) नामक मोबाइल एप्प व वेबसाइट में जुड़े नए आयाम की घोषणा करते हुए औपचारिक रूप से लांच किया। इंटिरियर्स सॉल्यूशन के सलाहकार मंडली में आर्किटेक्ट अमिताभ शर्मा, अरुप कुमार दास, बुद्धिन बरठाकुर, देवाशीष चक्रवर्ती, एचके राजखोवा, पंकज फूकन, रितुल शर्मा, संतोष बंका, इंजीनियर जेएन खटनायर, इंटेयिर डिजाइनर आशीष अग्रवाल, बासोबी बोस, किशन अग्रवाल, बिल्डर दीपज्योति बरुवा, गोविंद खेतान, कैलाश चंद लोहिया, कमल कुमार जैन, मनोज जालान, पीके शर्मा, रितेश बावरी, संजय खेतावत, सुशील पंसारी सहित कई सलाहकार शामिल थे। इंटिरियर्स सॉल्यूशन के संस्थापक सिद्धार्थ नवलगड़िया व संदीप अग्रवाल ने बताया कि मोबाइल एप्प की बढ़ती लोकप्रियता, लोगों की मांग एवं आम जनता की सुविधा को देखते हुए एप्प व वेबसाइट में कई अन्य श्रेणियों को जोड़ा गया है, जिससे इंटिरियर्स सॉल्यूशन वृहद रूप ले चुका है। पहले जहां इंटिरियर्स सॉल्यूशन के एप्प व वेबसाइट में घर के भीतर की आंतरिक साज-सज्जा संबंधी जानकारी उपलब्ध थी। मगर अब एक्सट्रिरियर से जुड़ी श्रेणियों को भी शामिल किया गया है। इनमें सीमेंट, टीएमटी बार, सीमेंट फाइबर बोर्ड, एलुमिनिमय डोर एंड विंडोज, आरकिटेक्ट, इंटिरियर डिजाइनर्स, वास्तु कंसलटेंट, बिल्डर्स, रियल स्टेट एजेंट, स्टार्टअप आदि शामिल हैं। इस अवसर पर आईआईए असम शाखा, एरिडा आदि के योगदानो सहित असम के युवा स्टार्टअपो का अभिनंदन किया गया। उन्होंने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि किसी भी तरह के घर दफतर सहित निर्माण कार्य के लिए लोगों को जगह जगह भटकना पड़ता था। लोगों की इस समस्या से मुक्त करने के उद्देश्य से एक वर्ष पूर्व इंटिरियर्स सॉल्यूशन का मोबाइल एप्प व वेबसाइट लांच किया गया था। आम जनता से मिले आपार समर्थन तथा उनकी सलाह का सम्मान करते हुए इंटिरियर्स सॉल्यूशन में यह नए आयाम जोड़े गए, ताकि लोगों को एक क्लिक पर बाहरी एवं आंतरिक निर्माण व साज-सज्जा से जुड़ी सभी वस्तुएं उपलब्ध हो सकें। इंटिरियर्स सॉल्यूशन मोबाइल एप्प अब गुगल प्लेस्टोर व एप्पल के आईओएस प्लेटफॉर्म में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है, जो पूरी तरह निःशुल्क है। उन्होंने बताया कि इंटिरियर्स सॉल्यूशन नामक मोबाइल एप्प पूर्वोत्तर का पहला इंटिरियर व एक्सटिरियर प्रोडक्टस वेबसाइट तथा मोबाइल एप्प है, जिसके जरिए ग्राहकों को निर्माण से संबंधित सामग्री हेतु कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। कम शब्दों में कहें तो मोबाइल फोन पर एक क्लिक करने पर सभी जानकारी घर बैठे हासिल व जरूरत अनुसार ऑर्डर किए जा सकते हैं। सपने आपके जिसे हकीकत में इंटिरियर्स सॉल्यूशन तब्दील करेगा।

फेमिना मिस इंडिया : 15 अप्रैल को होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए इंफाल पहुंचीं सुंदरियां

इंफाल। 59वीं फेमिना मिस इंडिया-2023 की कुल 30 प्रतियोगी 15 अप्रैल को होने वाले *ग्रैंड फिनाले* के लिए शुक्रवार को इंफाल पहुंचीं। ग्रैंड फिनाले इंफाल के खुमान लंपक इंडोर स्टेडियम में होगा। बीर टिकेंद्रजीत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न संगठनों, विशेषकर महिला संगठनों के नेताओं ने प्रतियोगियों का स्वागत किया। उन्होंने उपहार के तौर पर उन्हें पारंपरिक कपड़े भी सौंपे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि 59वां फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले आगंतुकों के लिए मणिपुर के लोगों के गर्मजोशी भरे आतिथ्य को प्रदर्शित करने का एक और अवसर होगा। सिंह ने यह भी ट्वीट किया: फेमिना मिस इंडिया के सभी प्रतियोगियों का भारत के गहना, संस्कृति की भूमि, मणिपुर में हार्दिक स्वागत करते हुए यहां ग्रैंड फिनाले हो रहा है, मुझे आशा है कि आप अपने प्रवास का आनंद लेंगे और प्रस्थान पर मणिपुर की सद्भावना, मित्रता और गर्मजोशीपूर्ण आतिथ्य का संदेश लेकर जाएंगे। यह पहली बार है जब यह आयोजन मणिपुर और पूर्वोत्तर में आयोजित किया जाएगा।

नगरबेड़ा में नई अंग्रेजी माध्यम के *स्टार अकादमी* का उद्घाटन

नगरबेड़ा। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा के मंडलपाड़ा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के वादे के साथ *स्टार अकादमी* नामक एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल का उद्घाटन किया गया। जन्म से नगरबेड़ा मंडलपाड़ा निवासी और अब गुवाहाटी निवासी रौशन अली की पहल पर स्थापित इस स्कूल का आज नगरबेड़ा क्षेत्रीय महकमा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी ने औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य बाहारूल इस्लाम की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में स्कूल के उप-प्रधानाचार्य धर्मेंद्र तालुकदार, नगरबेड़ा क्षेत्रीय महकमा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर नूर आलम, अमजाद हुसैन, नगरबेड़ा विक्रम साराभाई विज्ञान अकादमी के प्रबंध निदेशक आदि मौजूद रहे। बैठक में अब्दुल जलील ने स्कूल के कई शिक्षकों और शिक्षिकाओं के साथ शैक्षणिक पहलू पर बोलते हुए उम्मीद जताई कि नई निर्मित *स्टार अकादमी* क्षेत्र के बच्चों को उचित शिक्षा प्रदान करने में विशेष भूमिका निभाएगी। शुभारंभ कार्यक्रम को स्कूल के प्रबंध निदेशक रौशन अली और प्रिंसिपल बाहरूल इस्लाम और उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तालुकदार ने भी संबोधित किया। संबोधन कार्यक्रम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के वादे के साथ शैक्षिक मोर्चे पर आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर स्थापित स्कूल को आगे ले जाने के लिए वे माता-पिता और जनता का सहयोग चाहते हैं। बैठक में स्कूल के समन्वयक नाजिम हिकमत अली अहमेद, बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अब्दुस सलाम, प्रोफेसर गणेश दास, प्रोफेसर आतवार रहमान, सेवानिवृत्त शिक्षक दीपेन मेधी, हेडमास्टर अशरफ आली, लिबर्टी कॉमर्स संस्थान के प्रबंध निदेशक काजोम अली भी उपस्थित थे। इसके अलावा स्कूल के प्रधानाध्यापक आबुल काशेम, वन विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी इस्मम हुसैन, शिक्षक अमजाद हुसैन, सामाजिक कार्यकर्ता नूर इस्लाम, नजीर उद्दीन अहमेद, रफिकुल हक, पूर्ण कलिता, राजीव चौधरी आदि सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित थे।

गौहाटी उच्च न्यायालय की महारजत जयंती

गोसाईगांव में आयोजित हुए कई कार्यक्रम

कोकराझाड़ (हिंस)। गौहाटी उच्च न्यायालय के गौरवशाली 75वें वर्ष के अवसर पर गुवाहाटी समेत राज्य के सभी जिला न्यायालय के साथ ही आज गोसाईगांव में महकमा न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्लेटिनम जुबली पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गौहाटी उच्च न्यायालय की प्लेटिनम जुबली के क्रम में आज दोपहर को अधिवक्ता संघ, तारणी संघ और ग्राम सुरक्षा बल ने विशाल रैली निकालकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। रैली को औपचारिक रूप से जिला अतिरिक्त सत्र न्यायिक मजिस्ट्रेट जयदेव कोच ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो गोसाईगांव के हाब्रुबिल से शुरू हुई और एनएच-31 के पद्मबिल से होते हुए फिर से हाब्रुबिल स्थित उप-विभागीय न्यायिक न्यायालय पहुंचकर समाप्त हुई। दिन के अन्य कार्यक्रमों के बीच सेमिनार और कानूनी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। अधिवक्ता जीतेंद्र प्रसाद ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यशाला में कोकराझाड़ की सहायक आयुक्त रीना तृष्णा हालोई ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में गोसाईगांव महकमा अध्यक्ष अर्णयक सैकिया ने चीन, जर्मनी, अफगानिस्तान आदि देशों का हवाला देते हुए सामाजिक परिवर्तन के लिए कानून के नियमों पर प्रकाश डाला। पूर्व न्यायिक मजिस्ट्रेट और गौहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायिक मजिस्ट्रेट सरफराज नवाज ने बाल विवाह पर अपने विचार रखे। गौहाटी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अमन ववादूद ने इस अवसर पर बाल श्रम के संबंध में अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर ने बताया कि कैसे उन्होंने काम किया और संविधान को तैयार करने में भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यपालिका पर अपने विचार रखे। गौहाटी उच्च न्यायालय की महारजत जयंती पर गोसाईगांव न्यायिक न्यायालय की उत्सव समिति के संयोजक मुखलेसर रहमान, गोसाईगांव लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुस सलाम, सचिव दिलीप पौड़ेल, गोसाईगांव बार एसोसिएशन के सह-सचिव मफिजुर रहमान आदि उपस्थित थे।

विदेश जाने वालों को उपराष्ट्रपति की सलाह- राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़ जाएं

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को सलाह देते हुए कहा है कि जब भी देश के बाहर जाएं, राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़कर जाएं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व होम्योपैथिक दिवस 2023 पर वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या कभी आपने देखा है कि विदेश से कोई गण्यमान्य व्यक्ति हमारे यहां आया हो और उसने कभी अपने देश के बारे में बुरी बात कही हो? कभी नहीं! चिंतन का विषय है कि हमारे कुछ लोग ऐसा क्यों करते हैं? उल्लेखनीय है कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी लंदन में भारत के संबंध में दिए अपने बयान को लेकर राजनीतिक सवालों के घेरे में हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अमृत काल में हम सब को संकल्प लेना चाहिए कि हम भारत और भारतीयता पर गर्व करेंगे। अपने शरीर को स्वस्थ रखेंगे तथा देश और विदेश में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाएंगे। इस पर कोई आंच नहीं आने देंगे। विश्व होम्योपैथिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि हर साल 10 अप्रैल को डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। विश्व होम्योपैथिक दिवस-2023 की थीम सार्थक और सटीक-होम्योपरिवारः एक स्वास्थ्य, एक परिवार है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल केवल चिकित्सा उपचार के बारे में

नहीं है, इसमें व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ और एक समुदाय का सामाजिक और आर्थिक वातावरण शामिल है। उन्होंने कहा कि जी-20 अध्यक्षता में भारत का आदर्श वाक्य एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है। स्वास्थ्य के बिना कोई भविष्य नहीं हो सकता है। विश्व और जन कल्याण के लिय स्वस्थ रहना अनिवार्य है। हमारे ऋषि-मुनि कह गए हैं, 'पहला सुख निरोगी काया! उन्होंने आगे कहा कि हम अपने वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य योद्धाओं पर गर्व क्यों नहीं कर सकते? हम अपने नवाचारों की तारीफ क्यों नहीं कर सकते? हमें खुद पर विश्वास होना चाहिए। खुद के टैलेंट पर विश्वास होना चाहिए और यही हमारी राष्ट्रीय संस्कृति होनी चाहिए। धनखड़ ने कहा कि अजीब लगता है, जब पतंग और दीया जैसी चीजें भी बाहर से आती हैं। जो चीज यहाँ बन सकती है, क्या वो बाहर से आनी चाहिए? हमारी प्रतिभा में कहाँ कमी है? देश के व्यापारियों-उद्योगपतियों से आह्वान करूँगा कि आर्थिक राष्ट्रवाद के विचार को बढ़ावा दें।

विवेक अग्निहोत्री ने दिल्ली हाई कोर्ट में बिना शर्त मांगी माफी, अवमानना मामले में बरी

अजय कुमार

नई दिल्ली। फिल्म निमार्ता विवेक अग्निहोत्री सोमवार को अवमानना के एक मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में पेश हुए और बिना शर्त माफी मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल की अध्यक्षता वाली बेंच विवेक अग्निहोत्री को भविष्य में सतर्क रहने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ट्विटर कई सारे दुखों का स्त्रोत है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले के दूसरे सह-आरोपी एस रंगनाथन की उपस्थिति के बारे में पूछा। तब रंगनाथन के वकील जे साईं दीपक ने कहा कि कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने का आदेश नहीं दिया था। तब कोर्ट ने रंगनाथन को 24 मई को पेश होने का आदेश

दिया। 16 मार्च को विवेक अग्निहोत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

उन्होंने कहा था कि उन्हें बुखार है। तब कोर्ट ने उन्हें 14 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया। 6 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने विवेक अग्निहोत्री को तलब किया था। दरअसल, हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस मुरलीधर की बेंच से गौतम नवलखा को राहत का आदेश देने के बाद विवेक अग्निहोत्री ने जस्टिस मुरलीधर पर पक्षपात का आरोप लगाया था। उसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 2018 में विवेक अग्निहोत्री और आनंद रंगनाथन के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की थी।

अकोला हादसाः प्रत्येक मृतक के आश्रित को 4 लाख रुपये की मदद और घायलों का मुफ्त इलाज कराएगी सरकार

- हादसे की होगी उच्चस्तरीय जांच

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि अकोला जिले में स्थित पारसगांव में मंदिर के शेड पर पेड़ गिरने की घटना में मारे गए लोगों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही घटना की उच्चस्तरीय जांच भी करायी जाएगी। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह घटना बहुत ही पीड़ादायक है। सरकार इस घटना में पीड़ितों के साथ है। देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये दिए जाएंगे। 40 से 60 प्रतिशत घायल प्रत्येक व्यक्ति को 74 हजार रुपये दिए जाएंगे। 60 प्रतिशत से अधिक विकलांग व्यक्तियों को 2 लाख 50 हजार रुपये की सहायता दी जायेगी। साथ ही इस घटना में

घायलों को एक सप्ताह से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की स्थिति में 16 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी और एक सप्ताह से कम समय तक अस्पताल में भर्ती होने वाले घायलों को 5,400 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। फडणवीस ने कहा कि वे लगातार जिलाधिकारी के संपर्क में हैं और घायलों का अच्छे अस्पताल में इलाज करवाने का निर्देश दिया गया है। इस हादसे में घायल हुए सभी लोगों के इलाज का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के अकोला जिले में रविवार को देर रात बारिश के दौरान एक मंदिर के शेड पर नीम का पेड़ गिर जाने की घटना में सोमवार सुबह तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 35 घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय ग्रासरूट इनोवेशन पुरस्कार प्रदान किए

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) में एनआईएफ के 11वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय ग्रासरूट इनोवेशन इनोवेशन और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने आरबीसीसी के पास स्पोर्ट्स ग्राउंड में फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (फाइन) -2023 का भी उद्घाटन किया। पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जमीनी स्तर पर नागरिकों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित नवोन्मेषी समाधानों के साथ आने और अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं के अनुसार देश की सेवा करने की क्षमता है। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ) ऐसे इनोवेटर्स को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि एनआईएफ ने देश के 625 से अधिक जिलों से 32,5000 से अधिक तकनीकी विचारों, नवाचारों और पारंपरिक ज्ञान प्रथाओं का एक डेटाबेस तैयार किया है। उन्हें यह जानकर भी खुशी हुई कि एनआईएफ ने अपने विभिन्न पुरस्कार समारोहों में

1093 जमीनी नवप्रवर्तकों और स्कूली छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हम न केवल इनोवेटर्स की उपलब्धियों बल्कि रचनात्मकता, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की भावना का जश्न मना रहे हैं। हम अपने आसपास हर दूसरे दिन छोटे-छोटे अविष्कार होते हुए देख सकते हैं। हमें बस उस क्रिएटिविटी और इनोवेशन को समझना और प्रोत्साहित करना है जो पहले से ही हर जगह मौजूद है। राष्ट्रपति ने कहा कि रचनात्मकता को समर्थन देने और बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण पहलू बच्चों और युवाओं को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना है। चुनौतीपूर्ण समस्याओं के समाधान खोजने के लिए जिज्ञासा और पूछताछ की भावना आवश्यक है। हमारे बच्चों को बड़ा होकर समाधान प्रदाता बनना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे नागरिकों में देश की सेवा करने का जज्बा होना चाहिए। उन्हें देश में उत्पन्न होने वाली समस्याओं और मुद्दों को समझने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें हल करने में योगदान देने के लिए जिम्मेदार महसूस करना चाहिए, भले ही वह छोटे पैमाने पर हो। उन्होंने नवप्रवर्तकों, उद्यमियों, पारंपरिक ज्ञान धारकों और उद्योग के प्रतिनिधियों से पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ समाधान खोजने और इस दिशा में नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि फाइन एक अनूठा प्रयास है जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देता है और नागरिकों को उद्यमिता शुरू करने और भारत और विदेशों में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता की भावना और चुनौतीपूर्ण समस्याओं का समाधान खोजने के उत्साह को प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया जाना चाहिए। लोग https://nif.org.in/fine2023 पर अपना पंजीकरण कराकर 10 से 13 अप्रैल के बीच नवाचारों की प्रदर्शनी देख सकते हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद में सील एरिया के मुद्दे पर 14 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद में सील एरिया का मुद्दा मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष उठाया। मुस्लिम पक्ष की ओर से चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने उठाते हुए आज ही सुनवाई की मांग की गई। मुस्लिम पक्ष के वकील ने परिसर में वजू के लिए पर्याप्त व्यवस्था की मांग वाली अर्जी पर आज ही सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में आने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है लेकिन वजू की ठीक व्यवस्था नहीं हो पाई है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि 14 अप्रैल को ही सुनवाई हो सकेगी। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की ओर से वकील हुजैफा अहमदी ने 6 अप्रैल को कोर्ट से हलफनामा दाखिल करके कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एरिया सील कर

दिया गया है। पीछे बाथरूम हैं, उन्हें भी सील कर दिया गया है। तब चीफ जस्टिस ने कहा था कि ये मामला 21 अप्रैल के लिए लिस्टेड है, हम उसी दिन सुनवाई करेंगे। तब अहमदी ने कहा था कि रमजान के महीने को देखते हुए इस मामले पर सुनवाई की जाए। 21 अप्रैल से पहले की तारीख हो तो बेहतर होगा। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि आप हस्तक्षेप याचिका दाखिल कीजिए, हम 14 अप्रैल को सुनवाई करेंगे।

जंग के बीच दिल्ली पहुंची यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमीन झापरोवा

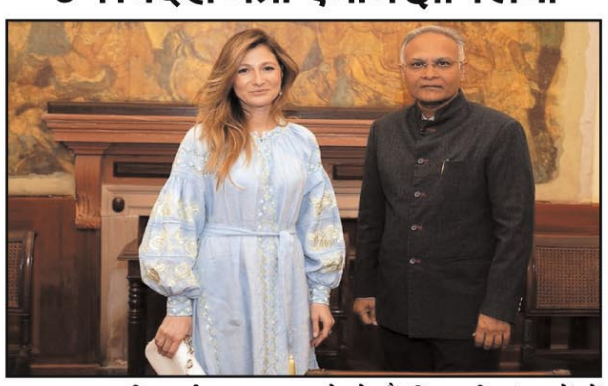

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमीन झापरोवा ने विदेश मंत्रालय में सचिव-पश्चिम पद पर तैनात संजय वर्मा से मुलाकात की। झापरोवा सोमवार को चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंची हैं। यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमीन झापरोवा दिल्ली में विदेश मंत्रालय पहुंचीं, जहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा और सैन्य जरूरतों को पूरा करने में विविधता और व्यावहारिकता लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रूस ने हमारी निर्भरता का गलत लाभ उठाया था। आगे उन्होंने कहा, हम भारत को दूसरे देशों के साथ आर्थिक संबंधों के बारे में निर्देश देने की स्थिति में नहीं हैं। हम केवल यह सोचते हैं कि सभी संसाधनों में विविधता लाना महत्वपूर्ण है, न केवल ऊर्जा, बल्कि सैन्य संसाधन भी। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में नेतृत्वकर्ता के तौर पर देखा जा रहा है और उन्हें आशा है कि भारत वैश्विक मसलों पर हस्तक्षेप करेगा। भारत एक विश्वगुरु है। हमारा युद्ध नाटो व अमेरिका से किसी भी तरह जुड़ा नहीं है। यह युद्ध न्याय को लेकर है। समरकंद में प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन संकट पर स्पष्ट कह चुके हैं कि युद्ध कोई समाधान नहीं हो सकता और सभी मसले कूटनीति और वार्ता के जरिए सुलझाने चाहिए। भारत किसी भी शांति प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है।

लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री का हंगामा, एआई-111 विमान दिल्ली लौटा

- केबिन क्रू के साथ मारपीट करने वाले यात्री को दिल्ली पुलिस के हवाले किया गया

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया से एक अशिष्ट यात्री को उतार दिया गया है। एयर इंडिया का यह विमान दिल्ली-लंदन की उड़ान पर था, जो यात्री को उतारने के लिए वापस दिल्ली लौटा था। सूत्रों ने सोमवार को दी जानकारी में बताया कि दिल्ली से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-111 में एक यात्री ने जमकर उत्पात मचाया। यात्री ने केबिन क्रू के साथ मारपीट भी की, जिसके बाद विमान को दिल्ली लौटना पड़ा। इस विमान में करीब 225 यात्री सवार थे। जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया के

इस विमान को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर लैंड करा दिया गया है। विमान के लैंडिंग के बाद क्रू ने केस दर्ज कराया, जिसके बाद यात्री को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इसके बाद विमान ने लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट के लिए फिर उड़ान भरी। इस घटना की विस्तृत जानकारी के संबंध में एयर इंडिया के बयान की प्रतीक्षा है।

करोड़ों रुपये खर्च कर जासूसी सॉफ्टवेयर खरीद रही है केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार जासूसी सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मोदी सरकार नेताओं, पत्रकारों व विपक्षी नेताओं पर निगरानी रखना चाहती है। कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पेगासस जब बदनाम हो गया तो मोदी सरकार नया स्पाईवेयर मार्केट में ढूंढ रही है। ये नया स्पाईवेयर पेगासस का विकल्प है। केन्द्र सरकार अब नया स्पाईवेयर

को खरीदने के लिए 986 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी को किसी पर भरोसा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के नेताओं के साथ-साथ अपनी पार्टी के नेताओं की भी जासूसी कराई है। खेड़ा ने कहा कि कॉग्नाइट एक स्पाईवेयर है। यह पेगासस की तरह ही काम करता है। मोदी सरकार इसे खरीदने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार से पूछना चाहती है कि किस मंत्रालय को इस कॉग्नाइट सॉफ्टवेयर को खरीदने का काम दिया गया है? मोदी सरकार इसे खरीदने के लिए कितना खर्च कर रही है? सरकार देश को बताए कि इस सॉफ्टवेयर को किस आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है?

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने किया सेना के पूर्वी मुख्यालय का दौरा, कमान प्रमुख कलिता से मिले

कोलकाता, (हि.स.)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फोर्ट विलियम में पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता से मुलाकात की और सुरक्षा के मुद्दों पर बातचीत की। इससे पहले जनरल अनिल चौहान शनिवार को उत्तर बंगाल में वायु सेना स्टेशन हाशीमार पहुंचे थे और जीओसी, त्रिशक्ति के साथ अग्रिम क्षेत्र का दौरा किया था। जानकारी के मुताबिक इस दौरान जनरल चौहान वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिले और उनसे बातचीत की। उन्होंने राइजिंग सन कमांड को उनके उच्च मनोबल और पेशेवर दक्षता के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि भारत-चीन तनातनी के बीच, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को

जीओसी, त्रिशक्ति के साथ अग्रिम क्षेत्र का दौरा किया था। इससे पहले वे शनिवार को उत्तर बंगाल में वायु सेना स्टेशन हाशीमार पहुंचे थे। इस दौरान सीडीएस ने बुनियादी ढांचे की प्रगति की समीक्षा की थी। क्षेत्र में विकास और परिचालन और रसद तैयारियों का जायजा लिया था। सीडीएस ने दूरदराज के इलाकों में तैनात सैनिकों के साथ व्यापक बातचीत की और उनके उच्च मनोबल और पेशेवराना अंदाज की सराहना की। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि इसके बाद सीडीएस ने सुकना में त्रिशक्ति कोर के मुख्यालय का दौरा किया, जहां उन्हें सिक्किम में उत्तरी सीमाओं पर परिचालन स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। सीडीएस ने पूर्वी सिक्किम में हाल ही में हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की आपात स्थिति के समय नागरिक प्रशासन और स्थानीय आबादी की सहायता के लिए बल संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए गठन की सराहना की। उन्होंने फॉर्मेशन से कठिन प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने और हर समय सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सैनिकों को सूचना प्रौद्योगिकी के नवीनतम रुझानों, उभरते साइबर खतरों और जवाबी उपायों से अवगत रहना चाहिए और इनकी चुनौतियों से निपटने के लिए भी हर वक्त तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली में अब जमकर सताएगी गर्मी, 37 डिग्री तक पारा पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी में बारिश से हुई गुलाबी ठंड के बाद अब दिल्ली में गर्मी सताने लगी है। पिछले दो दिन से दोपहर के वक्त तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और तापमान नए रिकॉर्ड बनाने लगा है। हालांकि, रात के वक्त हल्की ठंड चल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अब गर्मी का सितम देखने को मिलेगा और आने वाले दिनों में पारा बढ़ेगा। हालांकि रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आर्द्रता 21 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच रही। पिछले कई दिनों में अधिकतम तापमान में ये भारी बढ़त है। आज के मौसम की बात करें तो सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 16 डिग्री

सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मगंलवार को भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

बुधवार को न्यूनतम तापमान एक पाइंट बढ़कर 17 डिग्री पहुंच सकता है। इस तरह से हफ्ते के अंत तक यानी शनिवार तक न्यूनतम तापमान बढ़कर 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। लेकिन इस पूरे हफ्ते आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा की बात करें तो यहां के न्यूनतम तापमान में दिल्ली के मुकाबले भारी बढ़त देखी जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। शनिवार तक ये बढ़कर 23 और 38 डिग्री हो सकता है। 11 से 13 अप्रैल को दिन के वक्त तेज हवाएं चल सकती हैं। आज यहां न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। जो शनिवार तक 18 और 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, पूछा कौन से बिजनेसमैन से मिलने जाते हैं विदेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद के बयान को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया है कि आखिर वो कौन से बिजनेसमैन हैं, जिनसे वह मिलते हैं। रवि शंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने पिछले नौ सालों की विकास यात्रा में भारत के लिए एक भी अच्छा शब्द नहीं बोला। इसी के साथ उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी एंटी इंडिया बिजनेसमेन के इशारे पर चल रहे हैं। सवालों की बौछार करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि क्या राहुल गांधी ने बोफोर्स केस के खिलाफ कुछ कहा? क्या उन्होंने क्वात्रोची को जिस प्रकार से भगाया गया, उस पर कुछ कहा? नेशनल हेराल्ड केस, जिसमें वो खुद बेल पर हैं, उस पर उनका क्या कहना है? राहुल गांधी का आखर एजेंडा है क्या? उल्लेखनीय है कि गुलाम नबी आजाद ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि वह विदेश जाकर अवांछित कारोबारियों से मिलते हैं।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ धोखधड़ी का केस

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के कांग्रेस विधायक की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ नोएडा के एक थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर एक व्यक्ति के साथ 50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। अब पुलिस मध्यप्रदेश के कांग्रेस विधायक को ढूंढ रही है। छतरपुर जिले के कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी (पज्जन भाई) के खिलाफ नोएडा के आकाश इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी के आकाश शर्मा ने एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आकाश शर्मा ने कहा है कि आलोक चतुर्वेदी ने कम दाम में बिल्डिंग मटेरियल देने का वादा किया था। इसके एवज में आकाश शर्मा ने 50 लाख रुपए भी ले लिए थे। आलोक चतुर्वेदी खजुराहो मिनरल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। आकाश शर्मा ने खजुराहो मिनरल के खाते में 50 लाख रुपए की रकम 2019 में डाली थी। शर्मा का कहना है कि विधायक ने मुझसे कहा था कि मार्केट से सस्ती दर पर मटीरियल उपलब्ध करा दूंगा। लेकिन आज तक मुझे मटीरियल नहीं मिला। जब मैंने पैसे मांगे, तो जान से मारने की धमकी दी गई। थाना जेवर में यह प्रकरण दर्ज कराया गया है। 2018 में चुनाव से पहले दिए शपथ के मुताबिक आलोक चतुर्वेदी पार्टनरशिप फर्म खजुराहो मिनिरल्स में 25 फीसदी हिस्से के मालिक हैं, जबकि लिमिटेड लाइबिलिटी फर्म खजुराहो मिनिरल्स में 15 फीसदी हिस्सा है। इसके साथ ही पार्टनरशिप फर्म बुंदेलखंड ग्रेनाइट में अविभाजित हिन्दू परिवार के मुखिया के बतौर 10 फीसदी हिस्सेदारी भी है। इस फर्म में उनकी पत्नी की 15 फीसदी हिस्सेदारी है। कांग्रेस प्रत्याशी ने कई कंपनियों के शेयर भी खरीदे हुए हैं। इनके पास 161.15 लाख कीमत के 16150 शेयर हैं। वहीं एचयूएफ के मुखिया के बतौर 58.95 लाख रुपए कीमत के 7500 शेयक कई कंपनी के खरीदे हुए हैं।

उप्र ताइक्वांडो को ओलंपिक संघ की मिली मान्यता, 23 को बैठक कर प्रचार-प्रसार की बनाएंगे रणनीति

लखनऊ, (हि.स.)। भारत में वर्ल्ड ताइक्वांडो (डब्ल्यूटी) से अधिकृत एक मात्र संस्था इंडिया ताइक्वांडो की उत्तर प्रदेश इकाई का गठन कर लिया गया है। कोरियन मार्शल आर्ट को उत्तर प्रदेश में बढ़ावा देने के लिए नवगठित उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो का अध्यक्ष पूर्व अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी व पैरा ताइक्वांडो कोच डॉ. सैयद रफत जुबैर रिजवी को बनाया गया है। इस संस्था के महासचिव रजत आदित्य दीक्षित होंगे। उप्र ओलंपिक संघ से मान्यता मिलने के बाद ताइक्वांडो संघ ने 23 अप्रैल को बैठक करने का निर्णय लिया है, जिसमें ट्रेनिंग और सेमिनार आदि किये जाने पर विस्तृत चर्चा होगी। गठन के बाद उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो के अध्यक्ष डॉ.सैयद रफत ने बताया कि अब उत्तर प्रदेश के ताइक्वांडो खिलाड़ियों को सीधे अंतरराष्ट्रीय स्तर खेलने का और प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वर्तमान में इंडिया ताइक्वांडो ही एक मात्र संस्था है, जो वर्ल्ड ताइक्वांडो से अधिकृत है। इसकी यूपी इकाई उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा भी मान्यता प्रदान कर दी गयी है। अब प्रदेश में ताइक्वांडो को तेज गति से बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जायेगा।

इस बारे में योजना बनाने के लिए आगामी 23 अप्रैल को कानपुर में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो की बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस बैठक में आने वाले समय की योजनाओं, नई प्रतियोगिताओ, ट्रेनिंग सेमिनार और विभिन्न संस्थाओं (भारतीय खेल प्राधिकरण व यूपी खेल निदेशालय) से समन्वय पर चर्चा की जायगी, जिससे इतने वर्षों से जो खिलाड़ी अधिकृत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं (ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप. एशियन गेम्स व एशियन चैंपियनशिप) में नहीं खेल पा रहे हैं, उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर मिल सके। यह बैठक उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो के महासचिव रजत आदित्य दीक्षित के नेतृत्व में होगी, जिसमें समस्त जिला संघों को आमंत्रित किया गया है। रजत आदित्य दीक्षित वर्तमान में कानपुर ओलंपिक संघ के सचिव हैं।

दिल्ली रोड बंद करने के विरोध में व्यापारियों ने फूंका पुतला

मेरठ, (हि.स.)। रैपिड रेल निर्माण के चलते दिल्ली रोड का व्यापार ठप होने के विरोध में सोमवार को व्यापारियों ने पुतला दहन किया। व्यापारियों ने कहा कि उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है, इसलिए व्यापारी आंदोलन करने पर मजबूर हैं। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश पंजीकृत के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के नेतृत्व में सोमवार को व्यापारियों ने फुटबॉल चौक पर प्रदर्शन किया। इस्के बाद रैपिड रेल अधिकारियों पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए पुतला दहन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली रोड पर रैपिड रेल परियोजना के कारण 90 प्रतिशत से अधिक दुकानें बंदी के कगार पर है। पीड़ित व्यापारी अपनी मांगों के लिए रेल प्रशासन और मेरठ प्रशासन से लगातार गुहार लगा रहे हैं, परंतु पीड़ितों की सुनवाई नहीं हो पा रही है व्यापारियों ने अपनी मांगों को लेकर रविवार को सांकेतकि धरना दिया था। इसके बाद भी रैपिड रेल परियोजना के अधिकारी व्यापारियों की कोई बात नहीं मान रहे। व्यापारियों ने कहा कि दल्ली रोड बंद ना किया जाए। अधिग्रहण होने वाली दुकानों का जमीन, बिल्डिंग, फर्नीचर आदि का अधिग्रहण से पूर्व सर्किल रेट का 5 गुना मुआवजा दिया जाए। जो दुकानदार विस्थापित होंगे किराएदार या मकान मालिक, उन्हें एक करोड़ रुपए विस्थापन का मुआवजा दिया जाए, जिससे वह अन्य क्षेत्र में जाकर अपना व्यापार चालू कर सकें। व्यापारियों को बिजली के बिल, जीएसटी, बैंक का ब्याज, लेबर की तनख्वाह, दुकानों का किराया, हाउस टैक्स, घर का खर्चा, बच्चों की पढ़ाई का मुआवजा रैपिड रेल परियोजना चालू होने की दिनांक से समाप्त होने की दिनांक तक एक लाख रुपए प्रतिमाह दिया जाए। व्यापारियों ने मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

छात्रवृत्ति घोटाले की नए सिरे से जांच करेगी एसआईटी

लखनऊ, (हि.स.)। छात्रवृत्ति घोटाले को लेकर हजरतगंज थाना में दर्ज मामले की जांच नए सिरे विशेष जांच दल (एसआईटी) शुरू करेगी। इसके लिए उन्होंने थाना में दर्ज मामले की रिपोर्ट तलब की है। हालांकि अभी तक कार्रवाई को लेकर अधिकारिक बयान नहीं आया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में छात्रवृत्ति मामले में सौ करोड़ से अधिक के छात्रवृत्ति घोटाले का पदार्फाश किया था। उनकी रिपोर्ट पर हजरतगंज थाना में 18 नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। मुकदमें में 10 संस्थानों एवं फिनो बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों को आरोपी बनाए गए। आरोपित लखनऊ, हरदोई, फरुर्खाबाद, बाराबंकी, गाजीपुर व बदायूं के हैं। सयुंक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था उपेंद्र अग्रवाल ने इस मामले को गंभीरता से लेते विवेचना के लिए रविवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया। इस दल में क्राइम ब्रांच के तीन इंस्पेक्टर शामिल हैं। जेसीपी स्वयं इस केस की निगरानी करेंगे। ईडी ने भी जांच तेज करते हुए धोखाधड़ी में शामिल लोगों की कुंडली खंगालना शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि यूपी के 10 शिक्षण संस्थानों में फर्जी दस्तावेजों के सहारे सौ करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति मामले में ईडी ने 17 फरवरी को छह शहरों में छापेमारी की थी। जांच में पाया कि बच्चों से बुजुर्ग और संस्थान के कर्मचारियों के नाम पर खाते खोलकर छात्रवृत्ति हड़पी गई थी। इसके लिए दो मेल आईडी से तीन हजार खातें खोले गए है। जांच टीम अब उन खाता धारकों से भी सम्पर्क करेगी।

मुख्यमंत्री की पहल पर बोकारो के होनहार अंकित को मिला कोचिंग संस्थान में नामांकन

रांची, (हि.स.)। बोकारो के छात्र अंकित कुमार का उच्च शिक्षा ग्रहण करने का सपना अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल के बाद साकार होने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद बोकारो के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने होनहार छात्र अंकित का कोचिंग संस्थान में नामांकन करा दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद बोकारो के उपायुक्त ने अंकित का नामांकन कोचिंग संस्थान में करा दिया। यही नहीं अंकित को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। अब उसके पढ़ाई में कोई रोड़ा नहीं है। वहीं दूसरी ओर अंकित की माता बिराजू देवी को डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास भी स्वीकृत कर दिया है। प्रखंड कार्यालय से उन्हें आवास स्वीकृति का पत्र भी उपलब्ध करा दिया गया है। अब वह स्वयं सरकार से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर अपना आवास निर्माण करा सकती है। दरअसल, मुख्यमंत्री को जानकारी मिली कि बोकारो निवासी अंकित कुमार ने मैट्रिक परीक्षा 2022 में करीब 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से वह आगे की पढ़ाई करने में असमर्थ है। अंकित के पिता शारीरिक रूप से कमजोर हैं और मजदूरी करने वाली मां का एक वाहन दुर्घटना में हाथ -पैर टूट गया था, जिससे पूरे परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। छात्र की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने उपायुक्त बोकारो को मामले की जांच कर अंकित की पढ़ाई के लिए हरसंभव सरकारी सहायता पहुंचाने एवं अंकित के परिवार को जरूरी सभी योजनाओं से जोड़कर लाभ पहुंचा कर सूचित करने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री ने छात्र को भेजे एक संदेश में कहा कि अंकित, अब आप खूब मन लगाकर पढ़ो और खूब आगे बढ़ो। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। मैंने पहले भी कहा है हमारी सरकार में गरीबी को कभी किसी बच्चे की पढ़ाई में रुकावट का कारण बनने नहीं दिया जायेगा। इसलिए आज प्री और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप में भी 2-3 गुना वृद्धि कर झारखण्ड के लाखों बच्चों को लाभ दिया जा रहा है।

बिहार में कानून का राज स्थापित होना चाहिए, हिंसा राज्य के हित में नहीं: शहनवाज हुसैन

भागलपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन सोमवार को भागलपुर पहुंचे और उन्होंने बिहार में हुए हिंसा को लेकर महागठबंधन की सरकार पर जमकर प्रहार किया। शहनवाज हुसैन ने कहा कि हिंसा बिहार के हित में कहीं से सही नहीं है। बिहार में कानून का राज स्थापित होना चाहिए। तनाव कहीं भी हो तो सरकार को तुरंत एक्टिव होना चाहिए और उस पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री शहनवाज ने कहा कि लोगों को हिंसा से दूर रहना चाहिए। 1989 के भागलपुर दंगों को याद दिलाते हुए कहा कि भागलपुर के लोग जानते हैं हिंसा कितना नुकसानदायक है। इसलिए सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बनाकर लोगों को समाज में एकता का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास। इसी राह पर अगर बिहार सरकार चले तो कहीं कोई तनाव नहीं होगा। उन्होंने महागठबंधन की सरकार को लेकर कहा कि जब भाजपा हुकूमत में थी तो नीतीश कुमार को यह पार्टी अच्छी लगती थी। लेकिन जब भाजपा से अलग हुई है तो वह बुरी हो गई। यह कहीं से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार मीठा मीठा गप गप और तीता तीता थू थू करने वाली सरकार है।

राजनैतिक स्वार्थ के लिए आरक्षण नियमों में की गई अनदेखी : मायावती

– अतीक की पत्नी, परिवार के किसी भी सदस्य को बसपा नहीं देगी टिकट

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में वार्ता के दौरान भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के ध्यान में रखते हुए भाजपा के इशारे पर निकाय चुनाव में सीटों का आरक्षण किया गया है, जिससे दलितों का नुकसान हो। राजनैतिक स्वार्थ साधने के लिए आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई है। बसपा सुप्रिमो ने कहा कि काफी लम्बे समय के इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश में यह चुनाव होने की तारीखों का ऐलान हुआ है। जिसका पार्टी स्वागत करती है। मैं कहना चाहती हूं कि बसपा ने यह चुनाव पूरी तैयारी और दमदारी के साथ लड़ने का फैसला लिया है। यह भी उम्मीद करती हो कि राज्य सरकार और निकाय चुनाव से संबंधित अधिकारी यह चुनाव पूरे तौर से फ्री एंड फेयर कराये। नगर निगम का भी चुनाव इवीएम से न कराके इसे भी सीधे तौर पर बैलेट पेपर से ही कराएं। उन्होंने कहा कि सर्वविदित है कि विरोधी पार्टियों में भी विशेषकर भाजपा के लोग सपा की तरह ही, इस चुनाव में किस प्रकार हथकंडे और हर प्रकार के जोड़तोड़ करने में ही लगे हुए हैं। भाजपा की मुस्लिम समाज के प्रति नकरात्मक सोच का ही यह परिणाम है कि इनकी सरकार में भी वे लोग लगभग उतने ही गरीब, पिछड़े त्रस्त एवं जान-माल और मजहब आदि के मामले में भी अपने आपको वैसा ही असुरक्षित महसूस करते है, जितने वे कांग्रेस पार्टी के राज में थे।

अतीक की पत्नी, परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं मिलेगा मेयर का टिकट – मायावती ने यह भी साफ कर दिया है कि प्रयागराज में पिछलें दिनों उमेश पाल की हुई हत्या के मामले में अतीक अहमद, उसकी पत्नी शाइस्ता परवीन और बेटों का नाम सामने आया है। मीडिया से जानकरी मिली है कि शाइस्ता परवीन फरार होने पर अब स्थिति बदल गई है। अब पार्टी अतीक की पत्नी और न ही इनके परिवार के अन्य किसी भी सदस्य को मेयर का टिकट नहीं देगी। इसके साथ उन्हें पार्टी में रखने और न रखे का सवाल है तो उनके पुलिस के गिरफ्त में आते ही, जो भी इस केस को लेकर उनके बारे तथ्य सामने आएंगे तब इसका भी जल्द ही फैसला कर दिया जाएगा। क्योंकि हमारी पार्टी कानून से ऊपर नहीं। कानून का पूरा सम्मान करती है।

मुख्तार अंसारी स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश हुए, 19 को होगी सुनवाई

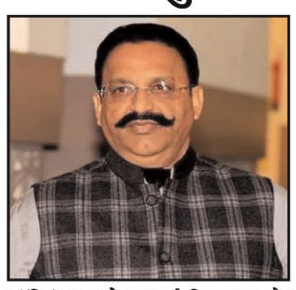

लखनऊ, (हि.स.)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में सोमवार को मुख्तार अंसारी की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेशी हुई है। आरोप तय न होने पर 19 अप्रैल को मुख्तार से जुड़े मामले की सुनवाई फिर से होगी। बांदा जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी को कड़ी सुरक्षा में लखनऊ लाया गया। इस दौरान न्यायालय परिसर में भी सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। मुख्तार अंसारी ट्रैक सूट पहने थे। आरोप तय न होने पर उसे वापस बांदा जेल के लिए पुलिस रवाना हो गई। उल्लेखनीय है कि ईडी ने मुख्तार अंसारी पर मार्च 2021 में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। इसके बाद नवम्बर 2021 में बांदा जेल जाकर अफसरों ने उसका बयान भी लिया था। टीम ने मुख्तार के अलावा उसके भाई अफजल, दो बेटों सहित अन्य लोगों से पूछताछ कर चुकी है।

पाठ्यक्रमों में बदलाव के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

वाराणसी, (हि.स.)। पाठ्यक्रमों में बदलाव के विरोध में सोमवार को साझा संस्कृति मंच और शिक्षा का अधिकार अभियान से जुड़े सामाजिक कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्बोधित अपनी मांगों का ज्ञापन भी जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अफसर को सौंपा। प्रदर्शन में शामिल सामाजिक कार्यकताओं ने बिहार के नालंदा जिले में उपद्रवी तत्वों द्वारा मदरसे को जलाए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और उनके खिलाफ कार्यवाही की मांग की। प्रदर्शन में शामिल वक्ताओं ने कहा कि इतिहास और साहित्य दोनों विद्यार्थी के व्यक्तित्व के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। इसमें अनावश्यक परिवर्तन से युवा दिग्भ्रमित होंगे। महाकवि सूर्यकांत निराला को पाठ्यक्रम से हटाकर गुलशन नंदा और मधुशाला पढ़ाने के पीछे शिक्षाविदों का क्या मंतव्य है, यह समझ के परे है। प्रदर्शन में फादर आनंद, डॉ आरिफ, सतीश सिंह, महेंद्र राठौर, मनोज यादव, धनंजय, वल्लभ, इंदु, विकास सिंह,अनूप श्रमिक आदि शामिल रहे।

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह व सेराज अहमद कोर्ट से बरी

मेदिनीनगर, (हि.स.)। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन और मतदान बाधित करने के एक मामले में पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह और सेराज अहमद को एमपी एमएलए कोर्ट के स्पेशल मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने बरी कर दिया। दरअसल, 3 फरवरी 2005 को मतदान केंद्र संख्या 126 कलसटर सेंटर 15 झूरा में मतदान को बाधित करने के आरोप में गिरिनाथ सिंह व सेराज अहमद के विरुद्ध गढ़वा थाना में पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट युगल किशोर गुप्ता ने केस दर्ज कराया था। यह मामला एमपी एमएलए कोर्ट के स्पेशल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चल रहा था।सोमवार को एमपी एमएलए कोर्ट के स्पेशल मजिस्ट्रेट सतीश कुमार मुंडा ने दोनों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुनवाई के दौरान इस मामले में अभियोजन की ओर से चार लोगों की गवाही कराई गई थी। कोर्ट ने माना कि अभियोजन आरोप साबित करने में असफल रहा।

भाजपा संगठन का जिलाध्यक्ष ने किया विस्तार

अररिया (हि.स.)। अररिया भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने भाजपा अररिया जिला इकाई का संगठन विस्तार करते हुए सोमवार को नामों की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया की अनुमति से जिलाध्यक्ष ने संगठन का विस्तार करते हुए 32 मंडल अध्यक्ष, 7 जिला मोर्चा समेत 8 उपाध्यक्ष,7 मंत्री, 3 महामंत्री समेत जिला इकाई में शामिल 20 नामों की घोषणा की। जिला इकाई में प्रताप नारायण मंडल,कृष्ण कुमार सेनानी और राकेश विश्वास को महामंत्री बनाया गया है। जबकि आठ जिला उपाध्यक्ष में सुधीर भगत, नवीन यादव, उमानंद राय, सीतेश ठाकुर, बिजली सिंह, उदय शंकर यादव, अंजुलता झा, समीर मिश्रा को जिम्मेवारी सौंपी गई है। कोषाध्यक्ष रोहित यादव को बनाया गया है। मंत्री के रूप में विजय विश्वास, नीलिमा साह, वीणा देवी, कलवी देवी, कलानंद सिंह,आभा देवी और रूबी देवी का मनोनयन किया गया है। वहीं कार्यालय मंत्री के रूप में नीरज कुमार को जगह संगठन में दिया गया है। जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने जिला के सात मोर्चा अध्यक्ष की भी नामों की घोषणा की।अनुसूचित जाति मोर्चा का जिलाध्यक्ष गंगा ऋषिदेव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिम्मेवारी चंद्रशेखर मुर्मू, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेवारी मो.याकूब, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में राजेश चंद्र झा, अति पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में दिलीप पटेल,युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष के रूप में आकाश राज और महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में चांदनी सिंह के नाम की घोषणा की गई है। इसके अलावे भाजपा जिलाध्यक्ष ने 32 मंडल अध्यक्ष के नामों की घोषणा की।

सपा 14 अप्रैल से करेगी 'देश बचाओ-देश बनाओ' पदयात्रा का शुभारम्भ

-गोरखपुर में पदयात्रा का होगा समापन

प्रयागराज, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी द्वारा संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वीं जयंती पर 14 अप्रैल को देश बनाओ-देश बचाओ पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसका शुभारम्भ पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव यात्रा को झंडी दिखाकरकरेंगे। उक्त पदयात्रा प्रयागराज से शुरू होगी और प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, अम्बेडकर नगर, फैजाबाद बस्ती, संतकबीर नगर होते हुए गोरखपुर पहुंचकर समाप्त होगी। सपा प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने बताया कि सपा के जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार पप्पूलाल निषाद, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन एवं यात्रा के संयोजक अभिषेक यादव की मौजूदगी में सोमवार को सपा के जिला कार्यालय में पद यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक में चर्चा की गई। अभिषेक यादव के अनुसार आगामी 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे सपा के जिला कार्यालय जार्जटाउन से पदंयात्रा शुरू होगी जो बालसन चौराहा, विश्वविद्यालय, लल्ला चुंगी, कैंट, तेलियरगंज होते हुए फाफामऊ जाएगी। जहां रात्रि विश्राम के उपरांत अगले दिन सुबह प्रतापगढ़ के लिए रवाना होगी। इस मौके पर जिला महासचिव राम सुमेर पाल, रविन्द्र यादव एडवोकेट, प्रभात यादव, संतलाल वर्मा, आर.एन यादव, नाटे चौधरी, अखिलेश गुप्ता, आशुतोष तिवारी, सचिन श्रीवास्तव, कुलदीप यादव आदि मौजूद रहे।

भाजपा के सचिवालय घेरो आंदोलन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े प्रबंध, कई चौराहों पर बेरीकेडिंग

रांची, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य की सत्तारूढ़ हेमंत सरकार की कार्यशैली के विरोध में और भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर 11 अप्रैल को सचिवालय का घेराव करेगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। भाजपा के आंदोलन को देखते हुए रांची पुलिस ने सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम किये है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को भाजपा नेता और कार्यकर्ता सुबह प्रभात तारा मैदान में एकत्र होंगे और जुलूस की शक्ल में सचिवालय घेरने के लिए आगे बढ़ेंगे। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को सचिवालय की ओर कूच करने से रोकने के लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बैरिकेडिंग की गयी है। सोमवार को डीआईजी अनुप बिरथरे, डीसी राहुल सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने शहर में सुरक्षा के इंतजामों का जायजा लिया। अधिकारियों ने प्रभात तारा मैदान, अलग-अलग चौक-चौराहों पर लगे बैरिकेडिंग का निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं को लेकर डीसी ने बताया कि विधि व्यवस्था सामान्य रखने और ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जवानों को तैनात किया गया है। उन्हें निर्देश दिये गये हैं कि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर में 20 इंस्पेक्टर और 250 दरोगा के अलावा लगभग तीन हजार अतिरिक्त जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में कहीं किसी प्रकार की चूक ना हो, इसका भी खास ख्याल रखा गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मुख्यमंत्री आवास और प्रोजेक्ट बिल्डिंग पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। राजभवन के समीप भी अतिरिक्त पुलिस के जवानों की तैनाती की जायेगी। एहतियात के तौर पर अन्य जगहों पर भी पुलिस जवान तैनात किये जाएंगे।

देश-प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर उभरेगा बखरी का उजान बाबा स्थान : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को यहां कहा है कि बेगूसराय का उजान बाबा स्थान बखरी देश और प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर उभरेगा। पौराणिक चन्द्रभागा नदी के तट पर अवस्थित यह स्थल स्वस्थ प्राण वायु देने के साथ ही आम लोगों के आस्था का केन्द्र भी है, इसका सम्यक विकास किया जाएगा। अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के पांच दिवसीय प्रवास के दौरान उजान बाबा स्थान पहुंचे गिरिराज सिंह ने कहा कि फिलहाल सांसद निधि से उजान बाबा स्थान में मुक्ति धाम का निर्माण तथा आम लोगों की सुविधा के लिए कम्युनिटी हाल बनाया जाएगा। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों तक स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने के साथ ही उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कृत संकल्पित है। इस अवसर पर बखरी नगर परिषद वार्ड संख्या-26 से नव निर्वाचित पार्षद चंदन चौरसिया, वार्ड संख्या-16 के पार्षद लक्ष्मी देवी, सलौना निवासी पूर्व पंसस अधिवक्ता राजकुमारी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली। जिनका गिरिराज सिंह, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा एवं स्थानीय भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान रेल यात्री संघ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि क्षेत्र की महत्ता और कमाऊ स्टेशन होने के बाबजूद रेलवे द्वारा सलौना की लगातार उपेक्षा की जाती रही है। यहां से थ्रू गुजरने वाले 12523/24 एनजेपी-नई दिल्ली एक्सप्रैस, 19601/02 एनजेपी-उदयपुर तथा 12407/08 एनजेपी-अमृतसर कर्मभूमि एक्सप्रेस के ठहराव की सख्त जरूरत है। तभी इस क्षेत्र का समुचित विकास होगा और लोग सीधे बड़े शहरों से जुड़ सकेंगें। संघ ने कटिहार से पटना भाया सलौना-हसनपुर-रोसड़ा ट्रेन चलाने की भी की।

संपादकीय

भाजपा का भी परिवारवाद

भाजपा के जन्मदिवस पर पार्टीजनों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर 'वंशवाद' या 'परिवारवाद' का मुद्दा उठाया था। उसके मद्देनजर कांग्रेस और कई विपक्षी दलों पर राजनीतिक प्रहार भी किए थे। संयोग था कि उसी दिन पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी को भाजपा की सदस्यता दी गई। एक और कांग्रेसी चेहरा भाजपा में शामिल हुआ। अनिल सनातन ईसाई हैं और केरल में ईसाइयों की आबादी करीब 20 फीसदी है। एके एंटनी केरल के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। हालांकि हिन्दुओं की आबादी करीब 55 फीसदी है, लेकिन केरल के हिन्दूवादी अभी तक भाजपाई या संघी नहीं हो पाए हैं, लिहाजा उस राज्य में भाजपा की स्थिति आज भी नगण्य है। संभव है कि भाजपा अनिल एंटनी को 'ईसाई नेता' के तौर पर पेश करे और उस समुदाय की स्वीकृति पाने की कोशिश करे, लेकिन अनिल कोई जनाधार वाले नेता नहीं हैं। उनके राजनीतिक करियर की भी शुरुआत है। 'ईसाई नेता' के तौर पर उनकी चुनावी परख अभी होनी है। भाजपा का चुनावी गणित यह भी है कि कुछ अल्पसंख्यक धड़ों को भी पार्टी के साथ जोड़ा जाए। हालांकि आरएसएस लंबे वक्त से केरल में सक्रिय रहा है, लेकिन वहां के हिन्दुओं को आत्मा के स्तर पर वह न तो जोड़ पाया है और न ही भगवान श्रीराम, कृष्ण और महादेव आदि के प्रति कोई दैवीय आकर्षण, आध्यात्मिक आस्थाएं पैदा कर पाया है। हालांकि केरल के हिन्दूवादी भगवान विष्णु और गणेश के अवतार-भगवानों की आराधना करते हैं। शानदार समारोह मनाते हैं, लेकिन वोट या तो वाममोर्चे को अथवा कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे को ही देते रहे हैं। इसका तार्किक, आध्यात्मिक अथवा वैचारिक जवाब हम नहीं दे पाएंगे। वर्ष 2004 के चुनाव से पहले पीसी थॉमस केरल कांग्रेस से अलग होने वाले समूह के साथ भाजपा-एनडीए से जुड़े थे। उन्होंने वाम और कांग्रेसी मोर्चों के उम्मीदवारों को पराजित कर लोकसभा चुनाव जीता था, लेकिन 2006 में सर्वोच्च अदालत ने उनका चुनाव रद्द कर दिया था, क्योंकि उन्होंने धर्म के आधार पर जनादेश मांगा था। केरल में भाजपा के कुछ विधायक तो चुने गए हैं, लेकिन ऐसा कोई कद्दावर नेता नहीं है, जिसके नेतृत्व में आम चुनाव लड़ा जा सके। बहरहाल मुद्दा परिवारवाद का था। अनिल एंटनी भी इसी जमात का नया चेहरा हैं, बेशक पिता-पुत्र अलग-अलग राजनीतिक दलों में हैं। प्रधानमंत्री मोदी अथवा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता 'वंशवाद' और 'परिवारवाद' की अलग-अलग परिभाषाएं देकर अपने 'परिवारवाद' को पेशेवर करार देते रहे हैं, लेकिन विजयराजे सिंधिया, राजनाथ सिंह, कल्याण सिंह, वेदप्रकाश गोयल, सीपीएन सिंह, जितेन्द्र प्रसाद, यशवंत सिन्हा, प्रेम कुमार धूमल, अमित शाह, मदनलाल खुराना, अखिलेश कुमार सिंह, साहिब सिंह वर्मा आदि भाजपा और अन्य नेताओं की लंबी सूची है, जिनके पुत्र-पुत्री आज भाजपा के ख्यात नेता-सांसद-विधायक हैं। यह परिवारवाद नहीं है, तो क्या है? बेशक कांग्रेस और गांधी परिवार वाली स्थिति नहीं है। इन नेताओं का एकाधिकार या वर्चस्व नहीं है, लेकिन हकीकत यह है कि बच्चों को राजनीति में पांव जमाने का मौका पिता के जरिए ही मिला। यदि यह परिवारवाद नहीं होता, तो आम आदमी की तरह इन चेहरों को भी धक्के खाने पड़ते।

भाजपा अनिल एंटनी को 'ईसाई नेता' के तौर पर पेश करे और उस समुदाय की स्वीकृति पाने की कोशिश करे, लेकिन अनिल कोई जनाधार वाले नेता नहीं हैं। उनके राजनीतिक करियर की भी शुरुआत है। 'ईसाई नेता' के तौर पर उनकी चुनावी परख अभी होनी है। भाजपा का चुनावी गणित यह भी है कि कुछ अल्पसंख्यक धड़ों को भी पार्टी के साथ जोड़ा जाए। हालांकि आरएसएस लंबे वक्त से केरल में सक्रिय रहा है, लेकिन वहां के हिन्दुओं को आत्मा के स्तर पर वह न तो जोड़ पाया है और न ही भगवान श्रीराम, कृष्ण और महादेव आदि के प्रति कोई दैवीय आकर्षण, आध्यात्मिक आस्थाएं पैदा कर पाया है। हालांकि केरल के हिन्दूवादी भगवान विष्णु और गणेश के अवतार-भगवानों की आराधना करते हैं। शानदार समारोह मनाते हैं, लेकिन वोट या तो वाममोर्चे को अथवा कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे को ही देते रहे हैं।

कुछ अलग

पाकिस्तान को डराने के लिए

सफलता से जीना और जीने में सफल होना दो अलग-अलग विचारधाराएं हैं। इसलिए जीने के लिए अब काम से ज्यादा नाम चाहिए। चलने वाला सिक्का चाहिए और सिक्के को चलाने वाला कोई तो चाहिए। अपने देश में 'कोई तो है' जो भारतीय सिक्कों को चला सकता है। हमने देखा तो हमारे मोहल्ले में मिल गया। नाम रखा था लखपति, लेकिन नोटबंदी के बाद उसके साथ कई सामान्य पतियों ने भी नाम बदल लिए, फिर भी वह आदतन भारतीय सिक्के जैसा हो गया है। डॉलर के मुकाबले जैसे ही रुपया डूबता है, लोग उसमें गिरावट देखने लगते हैं, फिर भी वह पाकिस्तान के मुकाबले टिकाऊ रुपए जैसा व्यवहार करता है। पाकिस्तान का जिक्र आते ही वह अमीर दिखाई देता है। उस दिन पुरानी 800 कार खरीद कर इसलिए खुश था कि पाकिस्तानियों से तो यह भी उनके आठ लाख रुपए छीन लेगी। वह बातों-बातों में पांच चपातियां खाते-खाते यह सोचने लगा कि अभी उसने पाकिस्तान के दाम पर तो एक ही खाई है। पाकिस्तान के कारण उसे भिंडी, तुरैई, घीया व करेला खाना भी इसलिए अच्छा लगता है, क्योंकि खाते-खाते वह पाकिस्तान को इनकी कीमत से हरा देता है। उसने पाकिस्तानी रुपए को मात देने के लिए रिश्वत लेनी शुरू कर दी है। वह इतनी रिश्वत खाना चाहता है कि पाकिस्तानी अपने रुपए में इसका हिसाब भी न लगा पाएं। वह यह सब कुछ राष्ट्र भावना को मजबूत करने के लिए ही कर रहा है। वह राष्ट्र भावना के लिए मंडी में आलू-प्याज की दुर्गति को भी देश का फर्ज बनाता है, क्योंकि पाकिस्तानी तो भारत के सस्ते आलू-प्याज का भी मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। दरअसल देश को आगे बढ़ाने के लिए एक अदद बहाना चाहिए। उसके जैसे कोई 'कोई तो हैं', जो पाकिस्तान को भारत के हर बहाने से पछाड़ सकते हैं। हमें उसके ज्ञान को देख-देख कर बहाने बनाने पड़ते हैं, लेकिन वह खुश है कि इसी बहाने पाकिस्तान से वह तो मुकाबला कर ही रहा है। कल तो कमाल हो गया। उसने पाकिस्तान के बहाने अपनी डिग्री ही दिखा दी। हमें यकीन हो गया कि जो डिग्री हमें थर्ड डिग्री व्यवहार से भी नीचे जाकर डरा सकती है, उसे देखकर पाकिस्तान के न जाने कितने स्कूल-कालेज बर्बाद हो जाएंगे। सुना है उसके बहानों से तो अब यूरोपीय देश और अमरीका तक सकपका रहे हैं। उसने तो सिर्फ यही कहा कि उसके पास तो गुरु बनने के भी हजारों बहाने हैं, लेकिन पश्चिमी देश यह सुनकर सुन्न हो गए। पाकिस्तान को गुरु का मतलब समझ नहीं आया, लेकिन अमरीका व यूरोप के देश समझ गए कि अभी तो यह गुरु बनकर ही कह रहा है, कल अगर महागुरु, गुरु घंटाल बनते-बनते विश्व गुरु बन गया, तो सारी दुनिया शर्म से पानी-पानी हो जाएगी। अब विश्व को चिंता यह नहीं कि हमारी गली में 'विश्व गुरु' घूमे, बल्कि यह है कि तब वे खुद को शर्मिंदा होने से बचाएंगे कैसे। मैंने उसे विश्व का डर बताया तो वह संजीदा हो गया। पहली बार मैं देश को उसके भीतर देखने लगा। मेरी आत्मा चीख उठी, 'भारत यहीं है, यहीं है। वही भारत है और भारत यहीं है।' वर्षों से मेरी तलाश जिस भारत के नैन-नक्श के लिए भटक रही थी, वह अपनी ही गली में मिल गया। मुझे लगा अब तो देश में भारत खोजना एक बहाना है और बहाने बदल-बदल कर हम राष्ट्र भक्ति, देश भक्ति व राष्ट्र भावना ही नहीं, बल्कि देश को विश्व का गुरु तक बना सकते हैं। मैं उसका भरोसेमंद बन चुका था, इसलिए हमारे विचार हमेशा सहमति पैदा कर रहे थे। एक दिन मैंने अति विश्वास से पूछ लिया, 'गुरुदेव आप बहाने सीखते कहां।' वह मंद-मंद मुस्कराया। मेरी डिग्री को अमान्य घोषित करते हुए कहने लगा, 'वत्स! शाम को खबरिया चैनल देखा करो।

पाकिस्तान का जिक्र आते ही वह अमीर दिखाई देता है। उस दिन पुरानी 800 कार खरीद कर इसलिए खुश था कि पाकिस्तानयों से तो यह भी उनके आठ लाख रुपए छीन लेगी। वह बातों-बातों में पांच चपातियां खाते-खाते यह सोनचे लगा कि अभी उनसे पाकिस्तान के दाम पर तो एक ही खाई है।पाकिस्तान के कारण उसे भिंडी, तुरैई, घीया व करेला खाना भी इसलिए अच्छा लगता है, क्योंकि खाते-खाते वह पाकिस्तान को इनकी कीमत से हरा देता है।

भारत के द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा

विदेश व्यापार बढ़ने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी देश के निर्यात और विदेश व्यापार बढने का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। भारत ने वित्त वर्ष 2020-21 में गुड्स एंड सर्विस एक्सपोर्ट में 676 अरब डॉलर मूल्य का रिकार्ड निर्यात किया है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से निर्यात 767 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर है। निःसंदेह देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से निर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर निर्यात किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत के द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों अनाज, गैर बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 में खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 अरब डॉलर था, यह वर्ष 2022-23 से 30 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार के द्वारा कृषि क्षेत्र में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया गया है। गहराई से कृषि निर्यात परिदृश्य का अध्ययन करने के बाद कृषि निर्यात से सुधार के लिए रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कृषि रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। वल्र्ड ट्रेड

ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। देश के कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी। संयुक्त राष्ट्र के कृषि विभाग की रिपोर्ट को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2018-19 में वैश्विक चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 22 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 40 फीसदी हो गई। इसी तरह वित्त वर्ष 2019-20 में वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.3 फीसदी थी जो वर्ष 2021-22 में पांच फीसदी तक पहुँच गई। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई हैं। कोविड-19 के बाद दो साल में कुल आईटी सेवाओं के निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोविड-19 ने अधिकांश उद्योगों को डिजिटल निवेश और मल्टी-चैनल व्यवसाय में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया और कंपनियों के बैक-एंड प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को ज्यादा बेहतर और अनुकूल बनाने के लिए प्रवृत्त किया है। आईटी सेवाओं की कुल सेवा निर्यात में लगभग 70 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसमें कंप्यूटर सेवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। फिर पेशेवर और प्रबंधन परामर्श सेवाएं, तकनीकी और व्यापार से संबंधित सेवाएं और अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में भी सेवा निर्यात में प्रभावी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि जिस तेजी से देश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की संख्या बढ़ी है, उतनी ही तेजी से आईटी सेवाओं के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। ज्ञातव्य है कि भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरजस्त स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक फार्मेसी कंपनियाँ, वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियाँ अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में जीसीसी स्थापित किए हैं। यह संख्या वित्त वर्ष 2015-16 में करीब 1000 से अधिक थी, वहीं यह बढक़र वित्त वर्ष 2022-23 में 1500 से अधिक हो गई है। वास्तव में भारत में लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीसीसी हैं। इसमें कोई दोमत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत के द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है। भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक आरबीआई ने जुलाई 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। 15 मार्च तक रूस, मारीशस व श्रीलंका के द्वारा भारतीय रुपये में विदेश व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपए में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा। हमें विभिन्न उद्योगों से निर्यात बढ़ाने के वैसे ही प्रयत्न करने होंगे जैसे पिछले तीन-चार वर्षों में खिलौना उद्योग के लिए किए गए हैं। देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात करीब 300 करोड़ रुपए से तेजी से बढक़र करीब 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। अब देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा। भारत के द्वारा बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजराइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा डिजिटल रुपए की जो प्रायोगिक शुरुआत हुई है, उसे अब शीघ्रता से विस्तारित करना होगा।

न:संदेह देश नर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते नर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद नर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि प्रमुख परू से नर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर नर्यात किए गए हैं। नर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनकि उत्पाद, इंजीनयिरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की नर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है।साथ ही उच्च इंजीनयिरिंग नर्यातों, परिधान और वस्त्र नर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा नर्यातक है।

यूक्रेन ने कैसे रोका रूसी कहर

रूस यूक्रेन युद्ध के 400 दिन बीत चुके हैं, मगर एक सवाल दुनिया भर के लोगों को मथ रहा है कि शक्तिशाली रूसी सेना को यूक्रेन ने कैसे इतना कड़ा जवाब दिया? यह तो सब जानते हैं कि यूक्रेन को यूरोप-अमेरिका से मदद मिल रही है, चाहे हथियार हों या गोला-बारूद। लेकिन अगर हथियार और गोला-बारूद के दम पर ही युद्ध जीतना होता, तो रूस कब का जीत गया होता। दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर के सामरिक-रणनीतिक विशेषज्ञों को युद्ध की रणनीति को नए सिरे से परिभाषित करने को मजबूर किया है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानवता के सामने कई ऐसे सच उजागर किए, जिनकी किसी ने कल्पना भी न की थी। रूस-यूक्रेन युद्ध भी नए उदाहरण गढ़ रहा है। पहली नजर में देखें, तो यह साफ नजर आता है कि यूक्रेन ने रूसी सेना की मोबिलिटी, यानी गतिशीलता को बुरी तरह बाधित किया, जो खास तौर से राजधानी कीव की लड़ाई में खुलकर सामने आई। यूक्रेनी सेना ने अपनी गतिशीलता को सबसे बड़ा हथियार बनाया। चाहे सामरिक घेराबंदी हो या साजो-सामान की कमी, रूसी सेना विशेषकर उसके टैंक एक ही जगह या एक छोटे से इलाके में सिमटने को मजबूर हो गए थे। नतीजतन, वे यूक्रेनी सेना, उसकी मिसाइलों और उसके ड्रोन हमलों के आसान निशाना बन गए। यहां रूसी रणनीति की कई खामियां उभरकर सामने आईं। रूस ने शुरुआत से ही यह लक्ष्य रखा कि उसे पूरे यूक्रेन पर कब्जा करना है, यानी उसके कोने-कोने तक अपनी सेना को पहुंचाना है, जिसके लिए शायद रूसी सेना तैयार नहीं थी और वह बिखर गई। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ प्रो फिलिप्स ओब्रायन ने दूसरे विश्वयुद्ध की सैन्य रणनीतियों का गंभीरता से अध्ययन किया है। यूक्रेन युद्ध के बारे में उनका कहना है कि एयर सुपरमेसी, यानी युद्ध क्षेत्र पर रूसी हवाई दबदबे को नाकाम करना यूक्रेन के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। रूस की विशाल वायुसेना के लिए यूक्रेन में अंदर तक हमला करना कोई मुश्किल काम नहीं होना चाहिए था, पर यूक्रेन की तैयारी ने रूसी वायुसेना को कभी खुलकर आसमान में उड़ने ही नहीं दिया। इसके कई कारणों में सबसे बड़ा कारण था, कई तरह की सैन्य प्रणालियां। जैसे, 'फिक्स्ड विंग' मिग विमानों का इस्तेमाल, जो यूक्रेन के पास संख्या में तो कम थे, लेकिन वे बेहद प्रभावी साबित हुए। यूक्रेन की रणनीति में उन्नत एंटी-एयर सिस्टम के साथ कंधे पर रखकर चलाई जा सकने वाली 'स्टिंगर मिसाइलों' की बड़ी भूमिका रही, जो काफी संख्या में उसके पास मौजूद हैं। ये वही 'स्टिंगर मिसाइल' हैं, जिसने 1980 के दशक में तत्कालीन सोवियत सेना को अफगानिस्तान छोड़ने के लिए बाध्य कर दिया था। ऐसी परिस्थितियों में रूसी लड़ाकू विमान कुछ शुरुआती हमले करने में सफल तो हो पाए, लेकिन यह भी आसान नहीं रहा। जमीनी लड़ाई की बात करें, तो इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि रूस की सेना यूक्रेन के शहरों पर पूरी तरह कब्जा नहीं कर पाई, जिसके कारण उसकी सेना की संचार और रसद की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई। रूसी सेना की बड़ी रणनीतिक विफलताओं में से एक है, उसका मुख्य सड़कों पर आकर फंस जाना। रूसी सैनिक सड़कों के जरिये यूक्रेन पहुंचे तो जरूर, लेकिन वे अपने लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं ढूंढ़ सके। इन पर हर दिशा से हमला किया जा सकता था। सामरिक मामलों के अमेरिकी विशेषज्ञ प्रोफेसर बेंजामिन जेन्सेन के अध्ययन के अनुसार, मौजूदा यूक्रेन-रूस संघर्ष में दुश्मन की सटीक स्थिति जानना काफी अहम साबित हुआ है। यूक्रेनी सैनिकों को अमेरिकी खुफिया उपग्रहों से सूचनाएं मिलती रही हैं, जो सीधे जमीन पर हमला करने वाले यूक्रेनी सैनिकों तक 'रियल टाइम' में पहुंचती हैं। ऐसे में, यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी सेना को गलती करने पर मजबूर किया और कई मौकों पर उन्हें घेरकर हमला किया। प्रो जेन्सेन के मुताबिक, यूक्रेन के जनरलों ने 19वीं सदी के उस सैन्य पैंतरे का इस्तेमाल किया, जो नेपोलियन अपने दुश्मनों के खिलाफ करता था। इस पैंतरे में दुश्मन को इकट्ठा होने का मौका नहीं दिया जाता। नतीजतन, रूसी सैनिकों व हथियारों की संख्या ज्यादा होने के बाद भी वे एक साथ हमला कर ही नहीं पाए। यूक्रेन के सैनिकों ने उन्हें 'स्ट्रीट-फाइट' में उलझा दिया, जो रूस के लिए बेहद घातक साबित हो रहा है। युद्ध में सड़कों पर उतरना बेहद खतरनाक माना जाता रहा है, मगर मुख्य शहरों तक पहुंचने की रणनीति के कारण रूसी सैनिक कई इलाकों में यूक्रेनी सैनिकों से बिना मोर्चा लिए ही यूक्रेन के अंदरूनी इलाकों में पहुंच गए। इसका सीधा फायदा उन छोड़ दिए गए इलाकों में मौजूद यूक्रेनी लड़ाकों को मिला, जिन्होंने रूसी सैनिकों पर पीछे से हमला कर दिया। ऐसे हालात, विशेषकर कीव की लड़ाई में सामने आए थे, जहां रूसी सैनिक कीव में घुस तो नहीं ही पाए, पीछे से हो रहे हमले को भी नहीं झेल पाए। यूक्रेनी सैनिकों ने दुनिया भर से मिले उच्च तकनीक वाले हथियारों से सटीक हमले किए। इन हथियारों ने रूसी राडार, कमांड पोस्ट और आपूर्ति डिपो को बड़े पैमाने पर ध्वस्त कर दिया, जिससे रूसी हमले की घातकता काफी कम रह गई। यूक्रेन की सैन्य रणनीति ने इस धारणा को भी तोड़ा है कि दुनिया के सैन्य बल उस तकनीकी ऊंचाई पर पहुंच गए हैं, जिसमें 'नॉन कांटेक्ट्स' यानी 'रिमोट युद्ध' निर्णायक होगा, बल्कि दुनिया ने यह भी देखा कि कैसे गुरिल्ला युद्ध के पैंतरे आज भी उतने ही कारगर हैं और घातक हमला करने के लिए दुश्मन के नजदीक जाना ही पड़ेगा। यूक्रेन की सेना ने हमलावर दल पर छोटे-छोटे समूहों में हमले किए और बड़ी सेना को उसी के बोझ से दब जाने दिया। हालांकि, यूक्रेन ने अभी तक यह युद्ध जीता नहीं है, मगर इतना तो स्पष्ट दिख रहा है कि रूसी सैनिकों ने अब यूक्रेन के पूर्व और दक्षिणी इलाकों पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है और वे एक रक्षात्मक परिधि में अपने को समेटने लगे हैं। यूक्रेन के लिए यह यकीनन राहत भरी खबर हो सकती है, लेकिन इसका बुरा पहलू यह है कि अपने हाथ से निकल गए क्षेत्रों को हासिल करने के लिए उसे अब आगे बढ़कर हमला करना होगा और अगर ऐसा होगा, तो यह लड़ाई अभी और लंबी चलेगी।

सरू-यूक्रेन युद्ध ने दुनयि भर के सामरिक-रणनीतिक विशेषज्ञों को युद्ध की रणनीति को नए सिरे से परिभाषित करने को मजबूर किया है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानवता के सानमे कई ऐसे सच उजागर किए, निजकी किसी ने कनल्पा भी न की थी। सरू-यूक्रेन युद्ध भी नए उदाहरण गढ़ रहा है। पहली नजर में देखें, तो यह साफ न जर आता है कि यूक्रेन ने सीरू सेना की मोबिलिटी, यानी गतिशीलता को बुरी तरह बाधित किया, जो खास तौर से राजधानी कीव की लड़ाई में खुलकर सानमे आई। यूक्रेनी सेना ने अनपी गतिशीलता को सबसे बड़ा हथियार बनाया। चाहे सामरिक घेराबंदी हो या साजो-सामान की कमी, सीरू सेना विशेषकर उसके टैंक एक ही जगह या एक छोटे से इलाके में सिमटने को मजबूर हो गए थे। न तीजनत, वे यूक्रेनी सेना, उसकी मिसाइलों और उसके ड्रोन हमलों के आसान नशिाना बन गए। यहां सीरू रणनीति की कई खामियां उभरकर सानमे आईं। सरू ने शुरुआत से ही यह लक्ष्य रखा कि उसे पूरे यूक्रेन पर कब्जा करना है, यानी उसके कोने-कोने तक अनपी सेना को पहुंचाना है, जिसके लिए शायद सीरू सेना तैयार नहीं थी और वह बिखर गई। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ प्रो फिलिप्स ओब्रानय ने दूसरे विश्वयुद्ध की सैन्य रणनीतियों का गंभीरता से अध्यनय किया है। यूक्रेन युद्ध के बारे में उनका कनहा है कि एयर सुपरमेसी, यानी युद्ध क्षेत्र पर सीरू हवाई दबदबे को न ाकाम करना यूक्रेन के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा।

नागरिक बोध

राजस्थान के विधानसभा चुनाव के रंग में रंगी राजनैतिक पार्टियां

राजस्थान विधानसभा चुनाव के पहले कर्नाटक चुनाव का बिगुल बज चुका है। राजस्थान में चुनाव को लेकर दोनों दलो की उठापटक शुरू कर दी है। सियासी दावपेंच में उलझी कांग्रेस और भाजपा दोनों दल अपनी अपनी जोड़तोड़ में लग गए है। भाजपा के पास जनमत है तो कांग्रेस बहुमत का दावा कर रही है। इस बार टर्म के अनुसार भाजपा आस लगाए बैठी है तो कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की गणित और समीकरण दूसरी बार सरकार बनाने के मूड में है। कांग्रेस ने राजस्थान में नवीन योजनाओं और गरीब-मध्यम वर्ग को लुभाने के लिए सरकारी खजाने को खोलकर रख दिया है। राजस्थान में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ चुनाव के बाद मिलना शुरू होगा। विगत एक महीने के भीतर अशोक गहलोत ने लोगो को राहत देने अनेक योजनाएं अमल में रखी है। आशावादी भाजपा को इस बार भारी उम्मीद है तो कांग्रेस हर स्तर पर मतदाताओं को लुभाने के भरचक प्रयास कर रही है। केंद्र में सियासी घमासान और भाजपा को घेरने में विफल रही कांग्रेस के तेवर ढीले हुए है। सूरत में राहुल को दो वर्ष की सजा और लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। भाजपा ने कुछ दिन पूर्व कांग्रेस के कार्यालय में खरबो के भ्रष्टाचार की रिपोर्ट मीडिया में सार्वजनिक की थी। उसके बाद कांग्रेस के मिजाज ठंडे हुए है। भाजपा भ्रष्टाचार के इस महायज्ञ में किसी को छोड़ने के मूड में नही है। जिसका अंदाजा कांग्रेस को लगते ही राजस्थान की सियासत में वसुंधरा राजे के समक्ष अंगुली निर्देश करते हुए सचिन पायलट ने सीबीआई से जांच कराने की मीडिया के समक्ष अपील की है। अशोक गहलोत को फूटी आंख नही सुहाने वाले सचिन की हमदर्दी बढ़ती देखकर यह तो समझ मे आ गया है कि अशोक गहलोत का सचिन पर दांव भारी पड़ता लग रहा है। राहुल को दी गई नसियत के अनुरूप कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ कोई बयानबाजी नही करने का फैसला लिया है।

देश दुनीया से

शौर्य का स्वर्णिम अध्याय : राम सिंह पठानिया

जो व्यक्ति इतिहास का निर्माण करते हैं, उनके पास इतिहास लिखने के लिए समय नहीं होता है। यह विचार हिमाचल प्रदेश के इतिहास और ऐतिहासिक नायकों के संदर्भ में भी बार-बार चरितार्थ होता रहा है। लंबे अरसे तक मुगल घुसपैठ के शक्तिशाली प्रतिरोध के बाद क्रूर ब्रिटिश सत्ता उखाडऩे के लिए छेड़े गए स्वतंत्रता संग्राम में हिमाचली नायकों का एक भरा पूरा इतिहास रहा है। उस गौरवशाली इतिहास के उपलब्ध अंश हर हिमाचली को बार-बार रोमांचित करते हैं। दुर्भाग्य भी यही है कि उस स्वर्णिम इतिहास के आज कुछ ही अंश हमारे समक्ष बचे हुए हैं। उनका भी कभी न्यायसंगत मूल्यांकन नहीं हो सका है। ऐसा ही एक अध्याय हिमाचल प्रदेश की नूरपुर रियासत के वीर राम सिंह पठानिया की वीरता और शौर्य को समर्पित है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा 20-22 वर्ष की छोटी सी उम्र में ही उन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा अभियान अंग्रेजों के खिलाफ छेड़ते हुए अंततः वीरगति प्राप्त की थी। उन्हीं पुण्य आत्मा वीर राम सिंह पठानिया जी की आज जयंती मनाई जा रही है। वीर राम सिंह पठानिया का जन्म नूरपुर रियासत के मंत्री श्याम सिंह के घर आज यानी 10 अप्रैल के ही दिन 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के मंत्री थे। राष्ट्र के प्रति भक्ति और निष्ठा के गुण वीर राम सिंह पठानिया ने उन्हीं से प्राप्त किए थे। इसके अलावा वीर राम सिंह पठानिया की रणनीतिक समझ भी अपने पिता को राजकीय दायित्वों को निभाते देख-देखकर ही परिपक्व हुई। इसी रणनीतिक समझ के साथ उन्हें अंग्रेजों से निपटने में मदद मिली थी। समय के साथ कदमताल करते हुए इतिहास स्वयं को नया आकार दे रहा था। 1846 में अंग्रेज-सिख संधि के कारण हिमाचल प्रदेश की अधिकांश रियासतें अंग्रेज साम्राज्य के आधीन हो गई थीं। उसी समय राजा वीर सिंह की मृत्यु हो गई। उसके बाद उनके बेटे जवसंत सिंह राजगद्दी के उत्तराधिकारी थे। उसी समय अंग्रेज अपनी कुटिल नीतियों के साथ भारत की विभिन्न रियासतों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अपने अधीन लेने के लिए षड्यंत्र रच रहे थे। नूरपुर रियासत के संदर्भ में भी उन्होंने एक ऐसी ही चाल चली। अंग्रेजों ने जसवंत सिंह के सारे अधिकार महज पांच हजार रुपए में ले लिए और रियासत में अपने शासन से मिलाने की घोषणा कर दी, जो वीर सिंह पठानिया को मंजूर नहीं था। वीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों की इस धूर्तता के विरोध की ठान ली। उन्होंने कटोच राजपूतों के साथ मिलकर सेना बनाई और अंग्रेजों पर धावा बोल दिया। इस आक्रमण से अंग्रेज भाग खड़े हुए और राम सिंह ने रियासत में एक बार फिर से नूरपुर रियासत के अधीन आ गई। वीर राम सिंह पठानिया ने शाही ध्वज फहराकर विजय का उद्घोष किया। इससे खुश होकर जसवंत सिंह ने खुद को राजा नियुक्त करते हुए राम सिंह को अपना मंत्री बना लिया। इसके पश्चात उन्होंने हिमाचल से सारे अंग्रेजों को उखाड़ फेंकने की योजना बनायी और विजय प्राप्त की। अब तक अंग्रेज भी वीर राम सिंह पठानिया के सामथ्र्य और राष्ट्र के प्रति निष्ठाओं से परिचित हो चुके थे। अंग्रेजों को अच्छी तरह से मालूम था कि वे राम सिंह को आमने-सामने के युद्ध में पराजित नहीं कर सकते। महज 20-22 साल के एक युवा ने अंग्रेजों का जीना मुश्किल कर रखा था। वीर राम सिंह पठानिया के नेतृत्व कौशल और उन्नत रणनीतिक समझ के आगे अंग्रेजों के सारे दाव-पेंच बेकार जा रहे थे। अब अपने धूर्तता भरे चरित्र के अनुसार फिर अंग्रेजों ने वीर राम सिंह को पकडऩे के लिए एक नई चाल चली।

दुर्भाग्य भी यही है कि उस स्वर्णिम इतिहास के आज कुछ ही अंश हमारे समक्ष बचे हुए हैं। उनका भी कभी न्यायसंगत मूल्यांकन नहीं हो सका है। ऐसा ही एक अध्याय हिमाचल प्रदेश की नूरपुर रियासत के वीर राम सिंह पठानिया की वीरता और शौर्य को समर्पित है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा 20-22 वर्ष की छोटी सी उम्र में ही उन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा अभियान अंग्रेजों के खिलाफ छेड़ते हुए अंतत: वीरगति प्राप्त की थी। उन्हीं पुण्य आत्मा वीर राम सिंह पठानिया जी की आज जयंती मनाई जा रही है। वीर राम सिंह पठानिया का जन्म नूरपुर रियासत के मंत्री श्याम सिंह के घर आज यानी 10 अप्रैल के ही दिन 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के मंत्री थे। राष्ट्र के प्रति भक्ति और निष्ठा के गुण वीर राम सिंह पठानिया ने उन्हीं से प्राप्त किए थे।

यमन में 9 साल बाद खत्म होगी जंग: सऊदी ने हूती विद्रोहियों से की बात, जो काम अमेरिका नहीं कर पाया चीन ने कर दिखाया

साना।
यमन में 2014 से जारी गृह युद्ध खत्म हो सकता है। इसके लिए सऊदी अरब और ओमान के एक डेलीगेशन ने यमन में हूती विद्रोहियों से बातचीत की है। अलजजीरा के मुताबिक दोनों पक्ष सीज फायर को लेकर समझौता कर सकते हैं। ये बातचीत पिछले महीने सऊदी अरब और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का नतीजा मानी जा रही है। सऊदी और ओमान के डेलीगेशन ने यमन के सबसे ज्यादा हिस्से में कब्जा करने वाले हूती विद्रोहियों के हेड मेहदी अल मशत से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने यमन में शांति स्थापित करने पर जोर दिया।

डील में क्या-क्या तय हुआ – सउदी डेलीगेशन और हूती विद्रोहियों के बीच हुई डील को सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि, इससे जुड़ी कई बातें सूत्रों के हवाले से बाहर आई हैं। 9 साल तक चली जंग के बाद मिलकर देश को नए सिरे से खड़ा किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों को वेतन दिया जाएगा। सारे एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों को खोल दिया जाएगा। देश से सारी बाहरी ताकतों को निकाला जाएगा। राजनीतिक स्थिरता के लिए बदलाव किए जाएंगे।

जो काम अमेरिका नहीं कर पाया चीन ने कर दिखाया – यमन में 9 सालों से चल रही जंग को जारी रखने में सऊदी अरब और ईरान दो महत्वपूर्ण ताकतें हैं। यमन की सरकार को जहां सऊदी का समर्थन है वहीं हूती विद्रोहियों को ईरान का। ऐसे में अगर ईरान और सऊदी के बीच बातचीत होती है और उनके रिश्ते सुधरते हैं तो यकीनन इसका असर यमन की जंग पर पड़ना तय माना जा रहा था। 11 मार्च को चीन की राजधानी बीजिंग में ईरान और सऊदी अरब के बीच अहम समझौता हुआ। जो चीन ने करवाया। 2016 के बाद दोनों ने एक-दूसरे के मुल्क में अपनी-अपनी एम्बेसी फिर खोलने के लिए राजी हो गए थे। इससे दोनों देशों के बीच सात साल से जारी टकराव कम हुआ। दरअसल, सात साल पहले सऊदी अरब ने ईरान के लिए जासूसी के आरोप में 32 शिया मुसलमानों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया था। इसमें 30 सऊदी अरब के ही नागरिक थे। ईरान ने बदला लेने की धमकी दी थी। ये सभी जेल में हैं।

न्यूज ब्रीफ

फ्रांस की इमारतों में धमाके की वजह आई सामने, मलबे में दो लोगों के शव बरामद

पेरिस । फ्रांस मार्सेली में हुए एक जबरदस्त धमाके में दो इमारतें ढह गईं। इमारतों के मलबे में राहत और बचाव कार्य जारी हैं। हालांकि धमाके की वजह से इमारतों के मलबे के भीतर आग धधक रही है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य में देरी हो रही है। मलबे में अभी तक दो लोगों के शव बरामद हुए हैं। वहीं छह लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य में कई मुश्किलों की वजह से मलबे में फंसे लोगों को निकालने में समय लगेगा। इसके बाद उनकी पहचान की जाएगी। बता दें कि मार्सेली शहर की एक इमारत में तेज विस्फोट हुआ, जिससे वह इमारत और उसके पास की एक अन्य इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। विस्फोट की वजह अभी तक साफ नहीं है लेकिन जांच अधिकारियों का मानना है कि विस्फोट गैस लीक की वजह से हुआ। आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि विस्फोट के बाद से ही वह गैस की तेज गंध महसूस कर रहे हैं।

बैसाखी मनाने 2500 भारतीय सिख तीर्थयात्री पहुंचे पाकिस्तान, मुख्य कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

लाहौर । पाकिस्तान में वैसाखी मेला में शामिल होने के लिए करीब 2,500 सिख श्रद्धालु भारत से वाघा सीमा के रास्ते यहां पहुंचे। यहां वह 12 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब हसन अब्दाल पहुंचेंगे और वह 14 अप्रैल को मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि सिख त्योहार बैसाखी केसमारोह में भारत से 2,470 तीर्थयात्री प्रबंधक समिति शिरोमणि गुरुद्वारा के सरदार अमरजीत सिंह के नेतृत्व में यहां पहुंचे हैं। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। ईटीपीबी के अध्यक्ष हबीबुर रहमान गिलानी और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा बंधन समिति के प्रधान सरदार अमीर सिंह ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों की अगवानी की। हाशमी ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच ननकाना साहिब भेजा गया जहां वे बाबा गुरु नानक की जन्मस्थली पर धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम 14 अप्रैल को गुरुद्वारा पंजा साहिब हसन अब्दल में होगा, जिसमें विभिन्न राजनीतिक, धार्मिक और सिख नेता भाग लेंगे। आगे कहा कि तीर्थयात्री 18 अप्रैल को भारत रवाना होने से पहले फारूकाबाद, करतारपुर, रोहरी साहिब, अमीनाबाद भी जाएंगे। ईटीपीबी के अध्यक्ष गिलानी ने कहा कि सिख यात्रियों के लिए सभी प्रबंध बेहतरीन तरीके से किए गए हैं और उन्हें सुरक्षा, चिकित्सा और यात्रा व्यवस्था के साथ अन्य सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं मुहैया कराई जाएंगी। एसजीपीसी नेता अमरजीत सिंह भलीपुर ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों ने खुशी जाहिर की है।

अब एक टीके से खात्म होगी कैंसर और हार्ट की बीमारी

लंदन । कैंसर और हार्ट के मरीजों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। अब एक टीके से इन बीमारियों का इलाज किया जा सकेगा। विशेषज्ञों की मानें तो इस दशक के अंत तक इन बीमारियों से निजात पाने के लिए वैक्सीन का ईजाद हो सकता है। उनका कहना है कि कैंसर सहित कई रोगों के लिए नए टीकों के आने से लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सभी शर्तो को पूर्ण कर 2030 तक वैक्सीन को तैयार कर लिया जाएगा। दवा कंपनी मॉडर्ना के मुख्य चिकित्सा अधिकारी पॉल बर्टन ने कहा कि उनका मानना है कि फर्म सभी प्रकार के रोग क्षेत्रों के लिए कम से कम पांच साल में इस तरह के उपचार की पेशकश करने में सक्षम होगी। रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस को मात देने के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनी का दावा है कि वो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर को लक्षित करने वाले कैंसर के टीके जल्द विकसित कर लेगी। पॉल बर्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि हम दुनिया भर के लोगों को कई अलग-अलग ट्यूमर प्रकारों के खिलाफ कैंसर के टीके देने में सक्षम होंगे।

ताइवान के पास चीन की वार ड्रिल

असली गोला-बारूद दागा; रॉकेट-मिसाइलें, वॉरशिप तैनात किए...172 फाइटर जेट्स उड़े

बीजिंग/ताइपे।
चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने ताइवान के ईदगिर्द इलाकों में सैन्य अभ्यास के तीसरे दिन लाइव गोला-बारूद का इस्तेमाल किया। ईस्टर्न थिएटर कमांड ने एक बयान में कहा- हमारे फाइटर जेट्स ने ताइवान के सलेक्टेड टारगेट्स पर गोला-बारूद से हमला किया है। इस मिलिट्री एक्सरसाइज में शेनडोंग वॉरशिप भी शामिल है। चीन ने वॉरशिप के साथ रॉकेट-मिसाइलों की भी तैनात की। चीन ने 8 अप्रैल को फुजियान प्रांत के पिंगटन आईलैंड के पास 4 इलाकों में मिलिट्री ड्रिल शुरू की थी। ये इलाका ताइवान के काफी करीब है। ड्रिल के तीसरे दिन ताइवान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा कि पिंगटन आईलैंड के इलाके में चीन के 11 वॉरशिप और 59 फाइटर जेट्स दिखाई दिए हैं। तीन दिन की ड्रिल में कुल 172 चीनी फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी। 64 वॉरशिप भी शामिल हुए। चीन ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका विजिट के बाद ये सैन्य अभ्यास किया है।

साउथ चाइना सी में दिखाई दिया अमेरिकी युद्धपोत – इसी बीच साउथ चाइना सी में अमेरिकी नेवी का पोत दिखाई दिया। साउथ चाइना सी के जिस इलाके में ये पोत दिखा है उस पर चीन अपना दावा करता है। यूएस नेवी ने बताया कि मीलियस वहां रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहा है। पोत फ्रीडम ऑफ नेविगेशन ऑपरेशन के तहत विवादित स्प्रैटली आईलैंड के पास से गुजरा है। वहीं, चीन का कहना है कि स्स्मीलियस ने अवैध रूप से साउथ चाइना सी में घुसपैठ की है।

अमेरिका बोला चीन की हरकतों पर हमारी नजर – चीन के इस तरह से ताइवान के पास युद्धाभ्यास करने पर अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने कहा था कि वो चीन की हरकतों पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिका के पास इलाके में शांति बनाए रखने के लिए उचित संसाधन हैं। हम अपने नेशनल सिक्योरिटी के वादों को पूरा करने में सक्षम हैं।

पूरे ऑपरेशन को यूनाइटेड शार्प सोर्ड नाम दिया गया – चीन ने इस अभ्यास को यूनाइटेड शार्प सोर्ड नाम दिया है। ये मिलिट्री ड्रिल ताइवानी तट से सिर्फ 50 किमी दूर की जा रही है। चीन पहले यह ड्रिल ताइवान से करीब 100 किमी दूर करता था, लेकिन साई इंग वेन के अमेरिका दौरे के बाद अब बेहद नजदीक पहुंच गया है। ताइवान के मुताबिक, ड्रिल के पहले दिन (8 अप्रैल को) पिंगटन आईलैंड के इलाके में चीन के 8 वॉरशिप और 42 फाइटर जेट्स दिखाई दिए थे। दूसरे दिन (9 अप्रैल को) चीन ने 71 फाइटर जेट्स और 45 वॉर प्लेन से घेर लिया था। वहीं, अभ्यास शुरू होने से पहले यानी 7 अप्रैल को ही चीन ने अपने 2 लड़ाकू विमान और शेनडोंग समेत 3 वॉरशिप ताइवान के पास तैनात कर दिए थे।

ग्लोबल सप्लाई चेन पर होगा असर – चीन ताइवान के आस-पास समुद्र में मिलिट्री ड्रिल कर रहा है। ये इलाका काफी बिजी शिपिंग रूट है। इसी रास्ते से सेमीकंडक्टर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स दुनियाभर में भेजे जाते हैं। नैचुरल गैस सप्लाई के लिए भी ये सी-रूट महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग आधे कंटेनर शिप इसी रास्ते से निकलते हैं। ऐसे में चीन के यहां मिलिट्री एक्सरसाइज करने से शिप्स को आने-जाने से रोका जा सकता है।

नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट के बाद भी चीन ने मिलिट्री ड्रिल की थी – 2 अगस्त को पूर्व अमेरिकी संसद स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इससे नाराज चीन ने 4 अगस्त को ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में मिलिट्री ड्रिल की थी। नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट को लेकर यूएस और चीन के बीच तनाव बना हुआ था। चीन अमेरिका को धमकी दे रहा था। वो नहीं चाहता था कि पेलोसी ताइवान का दौरा करें। चीन ने कहा था कि अगर पेलोसी का प्लेन ताइवान की तरफ गया तो वो उस पर हमला कर देगा। इस धमकी के बाद अमेरिकी नेवी और एयरफोर्स के 24 एडवांस्ड फाइटर जेट्स ने नैंसी के प्लेन को एस्कॉर्ट किया था।

अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश पॉइंट – अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि चीन के ऐतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर अस्पष्ट नीति अपनाता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा। बाइडेन ने हथियारों की बिक्री जारी रखते हुए अमेरिकी अधिकारियों का ताइवान से मेल-जोल बढ़ा दिया। इसका असर ये हुआ कि चीन ने ताइवान के हवाई और जलीय क्षेत्र में अपनी घुसपैठ आक्रामक कर दी है।

अफ्रीकी देश रवांडा की संसद में 55प्रतिशत महिलाएं

यहां महिला पर्यटक अकेले घूमने में सुरक्षित, ऐसे 5 देशों में यूएई भी शामिल

लंदन।
दुनिया में हर 3 में से 1 यात्री अकेले यात्रा पसंद करता है। 65 या अधिक उम्र की महिलाएं इस रुझान को आगे ले जा रही हैं। 2019 में अकेले यात्रा करने वालों में 4प्रतिशत बुजुर्ग महिलाएं थीं। ये आंकड़ा 2022 में बढ़कर 18प्रतिशत हो गया। नॉर्वेजियन क्रूज लाइन की रिसर्च के मुताबिक अकेले यात्रा का चलन बढ़ा है। ऐसे में इन महिलाओं की सुरक्षा अहम है। एक रिसर्च में जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वूमंस पीस एंड सिक्योरिटी इंडेक्स, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट और पीस ग्लोबल पीस इंडेक्स के आधार पर अकेली महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित पांच देशों की चुनाव किया गया है। इसमें दूसरे नंबर पर रवांडा है। यहां संसद में 55प्रतिशत महिलाएं हैं। संसद में जेंडर समानता को लेकर दुनिया मे रवांडा पहले नंबर पर है। महिला यात्रियों का अनुभव है कि यहां पूरे समय सुरक्षा तैनाती रहती है। शुरू में यह डराता है लेकिन बाद में इनका दोस्ताना व्यवहार सुरक्षा का अहसास देता है। स्लोवेनिया : रात में भी यहां महिला पर्यटक निडर होकर घूम सकती हैं इंडेक्स में स्लोवेनिया शीर्ष पर है और 85प्रतिशत महिलाएं यहां यात्रा में सुरक्षित महसूस करती हैं। महिलाएं रात में भी यहां फोटो खींचती हुई निडर घूम सकती हैं। भाषा की दृष्टि से कोई दिक्कत नहीं है पब्लिक ट्रांसपोर्ट भरोसेमंद है। जंगल में सैर करते हुए भी इमरजेंसी में शहर नजदीक होते हैं।

98प्रतिशत ने सुरक्षित बताया – कम्युनिटी सेफ्टी के मामले में 15 साल या उससे ज्यादा की 98 महिलाओं ने रिसर्च में बताया कि रात में भी शहर सुरक्षित महसूस कराता है। माय ट्रिप इंडेक्स में दुबई को अकेली महिला पर्यटकों के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में से एक पाया गया है। पर्यटक सैंडी का कहना है कि महिलाएं डेजर्ट सफारी का भी आनंद ले सकती हैं। ग्लोबल पीस इंडेक्स के सबसे सुरक्षित 10 देशों में शुमार जापान में हिंसक अपराधों की दर कम है। महिलाओं के लिए सबवे कार और रेस्ट हाउस का कल्चर है। युवाओं में अकेले रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां अकेले पर्यटकों के लिए कई गतिविधियां करने को हैं।

पोप के ईस्टर संदेश में रूस-यूक्रेन जंग का जिक्र: कहा- दोनों देशों के लोगों के लिए दुआ करें; दुनिया से संघर्ष खत्म करने की अपील

वैटिकन सिटी।
ईस्टर के त्योहार पर दिए मैसेज में ईसाईयों के सबसे बड़े धर्म गुरू पोप फ्रांसिस ने रूस और यूक्रेन के लोगों के लिए दुआ करने की अपील की है। अपने संदेश में पोप ने उन देशों की भी सरहाना की जिन्होंने शरणार्थियों को पनाह दी। ईस्टर पर दिए मैसेज में पोप ने दुनिया में लड़ी जा रही सभी जंग खत्म करने की अपील की। व्हील चेयर पर बैठकर दी गई स्पीच में पोप ने कहा, शांति हासिल करने की राह पर यूक्रेन के लोगों की मदद करें और रूस के लोगों पर भी दुआएं बनीं रहें।

सीरिया-तुर्किये भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी – पोप ने कहा, मैं उन लोगों के लिए दुआ करता हैं जिन्होंने जंग में अपने लोगों को खोया है, उम्मीद करता हूं कि जंग के कैदी जल्द अपने घर अपने परिवारों के पास लौट पाएंगे। पोप फ्रांसिस ने सीरिया और तुर्किये में आए भूकंप में जान गंवाने वाले और उनके परिवार के लिए अमन की कामना की।

वेटिकन में 8 हजार लोगों के सामने हुआ पोप का भाषण – पोप ने वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बैसिलिका चर्च में अपना भाषण दिया।

इससे पहले पोप ने चर्च की सालों पुरानी परंपरा के मुताबिक एक बड़ी कैंडल जलाई। इसके बाद उन्हें व्हील चेयर पर भाषण के लिए वहां मौजूद लोगों के सामने लाया गया।

ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में मनाते हैं ईस्टर – ईस्टर ईसाई धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में ईस्टर पर्व मनाया जाता है। ईसाई धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुड फ्राइडे के तीसरे दिन ईसा मसीह दोबारा जीवित हो गए थे, जिसे ईसाई धर्म के लोग ईस्टर संडे के नाम से मनाते हैं।

श्रीलंका में महाबोधि पेड़ को जहरीली गैस से खतरा: चीन के पावर प्लांट से निकल रहा एसिड, कई बच्चों को हो चुकी है स्किन डिसीज

कोलंबो।
चीन की फंडिंग वाले नोरोचचोलाई कोल पावर प्लांट से निकलने वाला जहरीला एसिड दुनिया के सबसे पुराने श्री महाबोधि पेड़ के लिए खतरनाक हो सकता है। इलाके में सर्वे करने के बाद इकोलॉजिस्ट ने बताया कि पावर प्लांट से निकलने वाले एसिडिक क्लाउड अनुराधापुरा की तरफ बढ़ सकते हैं, जहां महाबोधि पेड़ स्थित है। पावर प्लांट के आसपास मौजूद पेड़ों में पहले ही इसके लक्षण नजर आने लगे हैं। जहरीली गैस के चलते कुछ ऊंचे पेड़ों के पत्ते पीले पड़ चुके हैं। इलाके में रहने वाले कई बच्चों को स्किन डिसीज भी हो चुकी हैं।

पावर प्लांट के बाय-प्रोडक्ट्स पर्यावरण के लिए खतरा – नोरोचचोलाई प्लांट श्रीलंका का सबसे बड़ा थर्मल पावर प्लांट है। इस प्लांट से तय मानक से ज्यादा इमिशन दर्ज किया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्लांट में अक्सर ब्रेकडाउन की दिक्कत रहती है। वहीं प्लांट से निकलने वाले अवशेष फ्लाई ऐश और बॉटम ऐश को एक खुले गड्ढे में स्टोर किया जाता है। ये पावर प्लांट से निकलने वाले बाय-प्रोडक्ट्स हैं।

खुले गड्ढों में रखे जाने के चलते ये हवा के साथ आसपास के इलाकों में पहुंच जाते हैं जिससे कई बच्चों में स्किन संबंधी बीमारियां हो चुकी हैं। इसके अलावा पावर प्लांट से निकलने वाले गर्म पानी के चलते बड़ी मात्रा में सॉलिड, हीट और वॉटर वेस्ट भी बढ़ता है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। ये एसिडिक कंडीशन धीरे-धीरे समुद्री क्षेत्र की तरफ भी बढ़ रही है।

हंबनटोटा में निवेश करेगी चीनी कंपनी सिनोपेक – रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की सिनोपेक कंपनी ने श्रीलंका के हंबनटोटा में निवेश करने की बात कही है। कंपनी के अधिकारियों और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच एक मीटिंग के बाद देश के मीडिया डिविजन ने इसकी घोषणा की। कोलंबो गजट के अनुसार, पहले भी चीनी प्रोजेक्ट्स के चलते कई बार महाबोधि पेड़ के लिए खतरा पैदा हो चुका है। वहीं श्रीलंका को कर्ज देने की शर्तों को मंजूरी देने के बाद चीन जल्द ही यहां वापसी करने वाला है।

श्रीलंका में मिलिट्री बेस बनाना चाहता है चीन – चीन श्रीलंका के पोर्ट्स और एनर्जी सेक्टर में अपने निवेश को बढ़ाना चाहता है। श्रीलंका की पिछली सरकार ने चीन के बनाए गए 1.5 अरब डॉलर के हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर राज्य के स्वामित्व वाली फर्मों को पट्टे पर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने पोर्ट के चारों तरफ 15 हजार एकड़ का इंडस्ट्रियल जोन बनाने का भी वादा किया था जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। आशंका ये भी है कि श्रीलंका को अरबों डॉलर के कर्ज और निवेश के जरिए चीन हंबनटोटा में एक मिलिट्री बेस बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

इमरान ने इंडियन पॉलिसी की तारीफ की

बोले- हम भी भारत की तरह रूस से तेल खरीदना चाहते थे, अफसोस...सरकार ही गिर गई

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है। उन्होंने देश के नाम एक संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि रूस-यूक्रेन जंग के बीच पाकिस्तान भी रूस से सस्ता तेल खरीद सकता है। भारत की फॉरेन पॉलिसी को लेकर खान ने कहा- हम भी भारत की तरह रूस से तेल खरीदना चाहते थे लेकिन हम नहीं खरीद पाए। अफसोस... हमारी सरकार गिर गई थी। इसके पहले मई 2022 में खान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस से तेल खरीदने के फैसले की सराहना की थी। उन्होंने कहा था- भारत क्वॉड का मेंबर है। उस पर अमेरिकी दबाव है। इसके बावजूद वो रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है और इसके जरिए अपने नागरिकों को राहत दे रहा है। मेरी सरकार भी भारत की तर्ज पर इंडिपेंडेंट फॉरेन पॉलिसी चाहती थी और उस पर काम कर रही थी।

24 फरवरी को रूस में थे खान, इसी दिन जंग शुरू हुई थी – इमरान खान 22 फरवरी से 24 फरवरी तक रूस के दौरे पर थे। 24 फरवरी को ही

रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। ये 23 साल में पहली बार था जब पाकिस्तान का कोई प्रधानमंत्री रूस के दौरे पर गया हो। इससे पहले मार्च 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ रूस गए थे। 2022 में तेल की कीमतों में भारी इजाफे की वजह से पाकिस्तान की आवाम मुसीबतों का सामना कर रही थी। इमरान दूसरे देशों से कर्ज लेकर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे हुए थे।

पाक मंत्री का दावा- पाकिस्तान-रूस के बीच ऑयल डील हुई – पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने दावा किया है कि रूस से सस्ते तेल की पहली खेप अप्रैल 2023 के अंत तक पाकिस्तान पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा था- पाकिस्तान और रूस के बीच एक डील हुई है। इसके तहत सस्ते तेल की पहली खेप जल्द इस्लामाबाद पहुंच जाएगी।

एक साल में 4 बार पीएम मोदी और भारत की तारीफ कर चुके हैं खान – सितंबर 2022 में इमरान खान ने भारत के पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा था- नरेंद्र मोदी की देश के बाहर कोई प्रॉपर्टी नहीं है, लेकिन हमारे यहां के नेताओं की दूसरे देशों में करोड़ों की संपत्ति है। इमरान ने अपने ही देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कोसते हुए कहा कि हमारे यहां के पीएम की विदेशों में अरबों रुपए की प्रॉपर्टी और करोड़ों का कारोबार है। अगस्त 2022 में लाहौर में एक रैली के दौरान खान ने कहा था- भारत एक आजाद मुल्क है। उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का एक वीडियो दिखाया था, जिसमें जयशंकर रूस से सस्ता तेल खरीदने के सवाल पर जवाब दे रहे हैं। वीडियो दिखाते हुए इमरान ने कहा था- यह होता है एक आजाद मुल्क। भारत जिसे पाकिस्तान के साथ आजादी मिली थी। अगर नई दिल्ली अपने लोगों की जरूरत के हिसाब से अपनी विदेश नीति बना सकता है तो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार क्यों नहीं। अप्रैल 2022 में भारत की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा था- भारत हमारे साथ आजाद हुआ। उसे मैं बहुत बेहतर जानता हूं।

फ्रांसीसी आल्प्स पर्वत में हुआ हिमस्खलन, चार लोगों की मौत, कई घायल, गृह मंत्री ने दी जानकारी

पेरिस । फ्रांस के आल्प्स में मोंट ब्लांक के दक्षिण-पश्चिम में हिमस्खलन से चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। इसकी जानकारी फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने ट्विटर पर दी। उन्होंने बताया कि यह प्रारंभिक मृतक संख्या है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हिमस्खलन दिन के समय आया और इसमें फंसे ज्यादातर लोग पर्वतारोहण कर रहे थे। शैमॉनिक्स से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में हाउते-सावोई क्षेत्र के कॉन्टैमाइन्स-मोंटजोई में हिमनद में हिमस्खलन हुआ। गृह मंत्री गेराल्ड डारमानिन ने ट्वीट करके यह जानकारी दी, लेकिन उन्होंने मृतकों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। फ्रांस में ईस्टर के मौके पर अवकाश के दौरान बड़ी संख्या में लोग आल्प्स जाते है। स्थानीय फ्रांस-ब्लेयू रेडियो स्टेशन ने बताया कि हिमस्खलन का आकार 1,000 मीटर लंबा और 100 मीटर चौड़ा था। स्टेशन ने बताया कि तलाश अभियान में मदद के लिए दो हेलीकॉप्टर भेजे गए थे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने ट्विटर पर लिखा कि बचाव सेवाएं और हताहतों की तलाश जारी रख रही हैं और उनकी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

प्रदेश में 20 हजार 542 बदमाशों को किया गिरफ्तार : डीजीपी मिश्रा

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में हार्डकोर अपराधियों, माफियाओं और आपराधिक गैंग्स के खिलाफ नियोजित तरीके से चलाए जा रहे व्यापक अभियान में पुलिस की 5 हजार 137 टीमों ने अपराधियों के लगभग 13 हजार 600 ठिकानों पर दबिश देकर 20 हजार 542 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से गत वर्ष की अपेक्षा इस माह मार्च महीने तक आपराधिक मामलों में 9 प्रतिशत की कमी आई है। पुलिस महानिदेशक राजस्थान उमेश मिश्रा ने बताया कि सोमवार को अपराधियों का गुणगान करने वालों, फॉलो करने वालों एवं प्रश्रय देने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में विशेष रूप से आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन करने वालों और फायरिंग की घटनाओं में भी शामिल गैंग्स को टारगेट किया गया। पुलिस द्वारा अपराधियों को जुड़ से समूल नष्ट करने के लिए ऑपरेशन वज्रप्रहार शुरू किया जिसके अंतर्गत न सिर्फ अपराधियों की गिरफ्तारी की गई बल्कि सर्च के दौरान अवैध कृत्यों से अर्जित की गई उनकी संपत्ति एवं वाहन इत्यादि पर भी कार्रवाई हेतु होमवर्क किया जा रहा है, इसके अंतर्गत अब तक कुल 11, 512 हिस्ट्रीशीटर में से 2, 471 की संपत्ति का रिकॉर्ड संधारण किया गया है एवं 35 अपराधियों की संपत्ति पर कार्रवाही हेतु आईटी विभाग व स्थानीय निकायों को कार्रवाही हेतु सूचित किया गया है। सोशल मीडिया पर अपराधियों को फॉलो करने वालों के विरुद्ध कुल 36 प्रकरण दर्ज कर इन प्रकरणों में 56 लोगों को गिरफ्तार किया एवं प्रिवेन्टिव सेक्शनों में 1027 लोगों को गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया के फॉलोवर्स एवं गैंगस्टर के ऊपर प्रभावी कार्रवाई के परिणाम स्वरूप इन अपराधियों से युवाओं का मोहभंग हुआ है।अभियान से पूर्व बीकानेर में मोनू ग्रुप के सोशल मीडिया पर कुल 36, 537 फॉलोवर्स थे जो अब घटकर 9189 रह गए हैं। इसी प्रकार रोहित गोदारा के फॉलोवर्स 38, 862 से घटकर अब 6558 रह गए है और नए फॉलोवर्स बनने बंद हो गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि मार्च 2023 में एरिया डोमिनेशन के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के परिणामस्वरूप जघन्य अपराध में वाछित 433 अपराधी सहित विभिन्न अपराधों में वांछित 12 हजार 895 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। अभियान के अंतर्गत 151 सीआरपीसी में 7 हजार 683 गिरफ्तारी सहित समग्र रूप से 20 हजार 542 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

पंजाब की कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं : डीजीपी

वैसाखी से पहले पुलिस महानिदेशक ने अमृतसर में ली बैठक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने वैसाखी के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के मद्देनजर आज अमृतसर में बैठक करके सुरक्षा समीक्षा की। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी को भी पंजाब की कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ की इजाजत नहीं दी जाएगी। खालिस्तानी अमृतपाल के मुद्दे पर उन्होंने साफ किया है कि कानून के अनुसार जो भी वांछित होगा उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव सोमवार को दरबार साहिब में माथा टेकने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वैसाखी के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के मद्देनजर आज अमृतसर पहुंचे थे। इससे पहले अमृतसर में कई सिख संगठनों के आगमन को देखते हुए पंजाब पुलिस कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द की गई थी। यहां अधिकारियों की बैठक के बाद उन्होंने दरबार साहिब परिसर का दौरा किया। डीजीपी ने कहा कि धार्मिक स्थानों का प्रयोग अपने निजी कारणों के लिए नहीं करना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों व धार्मिक स्थानों का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। हम पंजाब में शांति को बनाए रखेंगे। शरारती लोगों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। पंजाब की शांति भंग नहीं होने दी जाएगी। डीजीपी ने पंजाब वासियों से अमन शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब का माहौल पूरी तरह से शांत है। विदेशों में बसे एनआरआई बिना किसी खौफ के पंजाब घूमने आ सकते हैं।

नाराज किसानों ने किया हिसार और चंडीगढ़ नेशनल हाइवे जाम

कैथल (हिंस)। गेहूं की खरीद न होने से गुस्साए किसानों ने सोमवार को हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर जाम लगाया। नाराज किसानों ने सड़क के बीचों-बीच ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी करके व उनके आगे बैठ कर सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का आरोप था कि कागजों में तो गेहूं की खरीद एक अप्रैल से शुरू हो चुकी है, लेकिन हकीकत यह है कि गेहूं की खरीद शुरू करवाने की मांग को लेकर किसानों को सड़कों पर बैठना पड़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन धन्ना भगत हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष होशियार गिल ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है, तभी से किसान सड़कों पर हैं। होशियार गिल के अनुसार किसानों को गन्ने की फसल की पेमेंट लेने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है। सूरजमुखी की फसल की पेमेंट लेने के लिए प्रदर्शन करना पड़ता है। हर फसल बेचने के लिए उन्हें सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। एक अप्रैल से किसान मंडियों में अपनी फसल को लेकर बैठा है। मंडियों में बारदाने की भी कमी है। उन्होंने कहा कि जब तक गेहूं की खरीद शुरू नहीं होती है, वह सड़कों पर ही डटे रहेंगे। करीब एक घंटे तक चले जाम में हजारों यात्री व सैकड़ों वाहन चालक फंसे रहे। जाम के कारण लोगों को अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिए रास्ते बदल बदलकर जाना पड़ा। सुबह का समय होने के कारण खासकर सरकारी कार्यालयों में जाने वाले कर्मचारियों को भारी परेशानी हुई। जाम की सूचना पाकर सबसे पहले अनाज मंडी पुलिस चौकी के एएसआई कुलदीप सिंह मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया।

कोरोना की तैयारियों को परखने के लिए कई स्थानों पर हुई मॉक ड्रिल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में कोविड संक्रमण से निपटने के लिए तैयारियों के संबंध में सोमवार को विभिन्न स्थानों पर मॉक ड्रिल की जा रही है। मंत्री विज ने कहा कि कोविड के मद्देनजर हमने बकायदा आइसोलेटेड कमरे, ऑक्सीजन तथा दवाइयां इत्यादि की तैयारी पूरी रखनी है, जबकि ऐसे मरीजों का इलाज सिमटोमैटिक होना है, क्योंकि जिन मरीजों को कोविड के लक्षण हैं, उनको वहीं संबंधित दवाइयां दी जाएंगी। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सोमवार को प्रदेशभर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अंबाला के नागरिक अस्पताल में कोविड की तैयारियों का मुआयना किया। विज ने कहा कि राज्य के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग की जा रही है कि कोविड अगर पूरी ताकत से आए तो उसके लिए हम कितने तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आज ऑक्सीजन की उपलब्धता, आइसोलेशन बैड, ऑक्सीजन का फलो, ऑक्सीजन प्लांट को चलाकर देखा गया है। इसके अलावा, डायल 108 से एंबुलेंस बुलाकर भी चेक किया जा रहा है, कि एंबुलेंस कितने मिनट में पहुंच रही हैं। इसी प्रकार, डायल 112 से पुलिस की गाड़ी भी बुलाई गई है।

विश्व में श्रेष्ठ भूमि भारत, भारत में श्रेष्ठ भूमि उत्कल : संबित पात्रा

गुरुग्राम (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान की श्रृंखला में यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में ओडिशा उत्कल दिवस भव्यता से मनाया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर भारतीय राजनीति में बड़ा चेहरा बन चुके भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। संबित पात्रा ने हिंदी और ओड़िशी भाषा में अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने ओडिशा के धार्मिक स्थलों का बारी-बारी से उल्लेख करते हुए लोगों का ज्ञान बढ़ाया। संबित पात्रा ने कहा यह इतिहास में दर्ज है कि पूरे विश्व में श्रेष्ठ भूमि भारत है और भारत में श्रेष्ठ भूमि उत्कल है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रभावों के चलते भारतीय शिक्षण संस्थानों की पुस्तकों में मुगलों को तो पढ़ाया गया, लेकिन उत्कल, कलिंग, जगन्नाथ के विषय को पुस्तकों में स्थान नहीं दिया गया। आज का सच यह है कि हमारा भारत बदल रहा है। हमारी संस्कृति जागृत हो रही है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और भारतीयता को एक सूत्र में पिरोने का परिणाम है। संबित पात्रा ने कहा कि यह मोदी के प्रयासों से ही संभव हो पाया है कि आज हरियाणा और उड़ीसा एक साथ बैठा है। पुराने समय में जब लोग दूसरे देशों में व्यापार के लिए जाते थे, उससे पहले उत्कल में कई दिन तक उत्सव आयोजित किया जाता था। पात्रा ने कहा कि 56 भोग की परम्परा जगन्नाथ से ही शुरू हुई। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में गुरु द्रोण रहते हैं और ओडिशा में हमारे पास भगवान जगन्नाथ रहते हैं। ओडिशा की धार्मिकता का जिक्र करते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ओडिशा मंदिरों की भूमि है। ओडिशा जैसा भव्य सूर्य मंदिर विश्वभर में अन्य कहीं नहीं है। ऐसा कोई संत नहीं जिन्होंने भगवान जगन्नाथ से आशीर्वाद ना लिया हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि 80 के दशक से गुरुग्राम और फरीदाबाद अस्तित्व में आया। यह दोनों जिले जिस रफ्तार से विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसमें ओडिशा का भी योगदान है। उन्होंने कहा कि दोनों जिलों में 25 फीसदी स्थानीय और 75 फीसदी आबादी बाहरी है। उनके विधानसभा क्षेत्र में ही जेएंडके, कर्नाटक, कटक, आंध्रा, उत्तराखंड, ओडिशा के लोग अधिक रहते हैं। कार्यक्रम के सह-संयोजक नवीन गोयल ने कहा कि गुरुग्राम की तरक्की में ओडिशा के प्लंबर से लेकर कंपनियों के सीईओ तक की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी स्पीकर एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा गोपीचंद गहलोत, प्रदेश सचिव ओबीसी मोर्चा उषा प्रियदर्शी और रेलवे बोर्ड पीएसी सदस्य हरविंद कोहली विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे और उत्कल दिवस की बधाई दी।

सरकार ने नए-नए टैक्स लगा कर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया : बजरंग गर्ग

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव बजरंग गर्ग ने सोमवार को फतेहाबाद व्यापारी प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से लगातार व्यापार तथा उद्योग पिछड़ता जा रहा है, जिस कारण प्रदेश में लगातार बेरोजगारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बयान दिया था कि हमने उद्योगों के माध्यम से 12 लाख 60 हजार युवाओं को नौकरी दिलाने का काम किया है, यह बयान पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रोजगार देने की बजाय नौकरी छीनने का काम किया है। बजरंग गर्ग ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने अपने साढ़े 8 साल के कार्यकाल में व्यापार व उद्योगों पर अंकुश लगाने के लिए जनता पर नए-नए प्रकार के टैक्स लगाकर व टैक्सों में बढ़ोतरी करके आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। जब से देश आजाद हुआ है तब से अब तक कपड़ा, चीनी, दूध, दही, आटा, लस्सी आदि खाद्य वस्तुओं पर कोई टैक्स नहीं था, मगर इस सरकार ने इन खाद्य वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाकर गरीबों के मुंह का निवाला छीनने का काम किया है। जिन जरूरत की वस्तुओं पर 5 प्रतिशत वेट कर होता था, इस सरकार ने उस पर 18 व 28 प्रतिशत जीएसटी लगाकर देश में महंगाई को बढ़ाने का काम किया है। गर्ग ने कहा कि एक तरफ सरकार व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने की बात कर रही है दूसरी तरफ सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक रुपए तक की सुविधा नहीं दी। जब तक सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बिजली के बिलों में सब्सिडी, उद्योग लगाने के लिए सस्ती जमीन व कम ब्याज पर लोन नहीं देगी तब तक प्रदेश में उद्योगों को कैसे बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस सरकार में अफसरशाही पूरी तरह से हावी है। प्रदेश में ऐसा कोई भी सरकारी विभाग नहीं, जिसमें बिना रिश्वत दिए काम होता हो।

अमृतपाल का सहयोगी पप्पलप्रीत गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के करीबी साथी पप्पलप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पप्पलप्रीत पर एनएसए लगाया है। उसके खिलाफ छह अन्य केस भी दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पप्पलप्रीत अमृतसर में अपने गांव आकर सरेंडर करना चाहता था, लेकिन उससे पहले ही पंजाब पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस ने ज्वाइंट ऑपरेशन कर उसे दबोच लिया। पंजाब पुलिस के आईजी मुख्यालय सुखचैन सिंह गिल ने सोमवार को पप्पलप्रीत की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी पप्पलप्रीत अमृतपाल का बेहद करीबी रहा है और 18 को फरारी के बाद कई दिन तक एक साथ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी को अमृतसर पुलिस और काउंटर इंटेलीजेंस की एक टीम ने कत्थूनंगल इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। गिल ने बताया कि पप्पलप्रीत की गिरफ्तारी से अमृतपाल के बारे में कई अहम सुराग मिलेंगे।

संविदाकर्मियों ने प्रदर्शन कर सरकार को याद दिलाया चुनावी वादा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एक बार फिर से संविदा कर्मियों ने सरकार द्वारा किए गए वादाखिलाफी के खिलाफ आंदोलन का आगाज कर दिया है। सोमवार को राजस्थान के विभिन्न संभागों में लगभग एक लाख से संविदा कर्मचारियों ने रैली निकालकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने लंबित नियमितीकरण की मांग को पूरा करने की मांग की। संविदा कर्मियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि सरकार अपने जन घोषणा पत्र के अनुसार समस्त संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा पूरा करें अगर सरकार वादा पूरा नहीं करती है तो सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा। संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी ने बताया कि राजस्थान में वर्ष 2018 में कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा किया था इस पर संविदा कर्मियों ने सूबे में कांग्रेस पार्टी को खूब वोट दिये वह दिलवाए और राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनाने में योगदान दिया। गहलोत सरकार बनने के 1 वर्ष बाद श्री बीडी कल्ला की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई किंतु 4 साल तक यह कमेटी कोई रिपोर्ट संविदा कर्मियों के पक्ष में प्रस्तुत नहीं कर सकी तथा कमेटी कमेटी का खेल चलता रहा। इस दौरान संविदा कर्मियों ने समय-समय पर खूब आंदोलन किए, प्रदर्शन किए, रैली निकाली लेकिन सरकार तक टस से मस नहीं हुई। सरकार की इस वादाखिलाफी के शोक में कई संविदा कर्मियों ने आत्महत्या जैसे कदम भी उठाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा राजस्थान के महासचिव रामस्वरूप टॉक ने बताया कि राजस्थान सरकार ने राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022लागू किया जिसमें संविदा कर्मियों को संविदा पर ही मानकर पुरानी सेवा शून्य कर कुछ उठापटक करके अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन दिलवा कर राहुल गांधी से सोशल मीडिया पर पोस्ट दिलवाकर अपना उल्लू सीधा कर लिया। इस नियम में संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारी की कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई ना ही कोई मानदेय में बढ़ोतरी हुई और ना ही कर्मचारी नियमित हुए। गहलोत सरकार ने बजट घोषणा 2023-24 मे संविदा कर्मियों के लिए पूर्व के अनुभव को अकाउंट करने के लिए अन्य सेवा से आईएएस चयन के समय की जाने वाली सेवा अवधि की गणना की तर्ज पर नियम बनाने की घोषणा की है। इस संबंध में राजस्थान सरकार के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि आईएएस पैटर्न के आधार पर इन नियमों में 3 वर्ष का 1 वर्ष अर्थात 15 वर्ष के 5 वर्ष से माने जाने हेतु अभिशंषा की जाती है।

35 करोड़ की हेरोइन जैसलमेर में बरामद, चार गिरफ्तार

जयपुर/जैसलमेर (हिंस)। पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी क्राइम ब्रांच) की टीम ने भारत-पाकिस्तान सीमा स्थित जैसलमेर में सीमा पार से आई नौ किलो हेरोइन बरामद की है। सीआईडी के अनुसार इस उच्च क्वालिटी हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35 करोड़ रुपए है। सीआईडी ने चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक बोलेरो गाड़ी भी जब्त की है। सोमवार को पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि पिछले एक महीने से सीआईडी जयपुर की टीम उनपर नजर रखे थी। मुखबिर से मिली सूचना पर टीम को जैसलमेर भेजा गया था। वहां टीम को पता चला कि जैसलमेर के रास्ते सीमा पार से हेरोइन की डिलीवरी प्राप्त कर स्थानीय तस्कर राजस्थान के अन्य जिलों और पंजाब, हिमाचल प्रदेश व दिल्ली तक इसकी सप्लाई की जा रही है।

तलवंडी साबो में कालेज की दीवार पर लिखे गए खालिस्तानी नारे

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर से दहशत फैलाने के उद्देश्य से बठिंडा के तलवंडी साबो में खालिस्तानी नारे लिखवाए हैं। सोमवार की सुबह पुलिस ने यह नारे साफ करवा दिए हैं। वैसाखी के मद्देनजर तलवंडी साबो में पहले से ही भारी पुलिस बल तैनात है। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों ने इस घटना को अंजाम दे दिया, जिसकी जिम्मेदारी पन्नू ने ली है। तलवंडी साबो में वैसाखी के अवसर पर खालसा साजना दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पन्नू ने यह नारे तलवंडी साबो के माता साहिब कौर गर्ल्स कॉलेज के बाहर लिखवाए हैं। पन्नू ने इसका वीडियो भी बनाकर वायरल किया है, जिसमें वह साफ तौर पर बोल रहा है कि पंजाब का हल खालिस्तान ही है। तलवंडी साबो में श्री दमदमा साहिब में खालसा साजना दिवस और बैसाखी के अवसर पर 12 से 14 अप्रैल तक विशेष धार्मिक समागम का आयोजन किया जा रहा है।

घरों में हैप्पीनेस चार्ट से आधी आबादी की मुस्कान पर होगा सर्वे

गुरुग्राम। आधी आबादी कब खुश होती है। कब मुस्कुराती है। क्या उनकी खुशी की राज होता है। वे कब और किस तरह से खुद को खुश व सुखी मानती हैं, यह सब एक सर्वे के माध्यम से पता चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जी-20 में शुरू हुए हैप्पीनेस इंडेक्स से प्रेरित होकर सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन ने हरियाणा में महिलाओं के हैप्पीनेस इंडेक्स पर सर्वे शुरू किया है। यह सर्वे प्रदेश के 3 जिलों गुरुग्राम, नूंह व हिसार में होगा। गुरुग्राम, नूंह से इसकी शुरुआत कर दी गई है। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के संस्थापक सुनील जागलान के मुताबिक आधी आबादी की मुस्कान पर आज तक कोई काम नहीं हुआ है। यह बात सर्वमान्य है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में सामाजिक हित के काम करने और अच्छे परिणाम लेने के लिए अधिक एकजुटता रखती हैं। दूसरों की जरूरतों के बारे में अधिक जागरूक होती हैं। यह बात यूएन के हैप्पीनेस इंडेक्स के शीर्ष देशों के अध्ययन से भी स्पष्ट होती है। दुनिया के शीर्ष 10 सबसे खुशहाल देशों में से आठ में संसदीय पदों पर 40 फीसदी से अधिक महिलाएं हैं। न्यूजीलैंड में तो महिलाओं की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। हेप्पीनेस इंडेक्स में इजराइल भी टॉप-10 में पिछली पायदान पर है। वहां भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व 30 प्रतिशत के लगभग है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि जिन देशों में महिलाएं कामकाजी ज्यादा हैं, वहां खुशहाली भी ज्यादा है। भारत का इसमें 136वां स्थान है और यहां की संसद में महिलाओं की भागीदारी 15 प्रतिशत से भी कम है। अब वूमेन हैप्पीनेस चार्ट घरों में लगाया जाएगा और महिलाओं की खुशी पर काम होगा। एक माह तक सर्वे करके यह पता लगाया जाएगा कि घर में महिलाओं की खुशी कितनी देर रहती हैं। इस विषय पर महिलाओं के लिए आज तक कोई अलग सर्वे नहीं हुआ हैं। फाउंडेशन द्वारा सेंपलिंग के तौर पर काम किया जाएगा। यह पता लगाया जाएगा कि महिलाएं किस दिन अधिक खुश रहती हैं, किस दिन नार्मल रहती हैं और किस दिन मायूस या दुखी रहती हैं। दूसरे वर्जन में यह पता लगाया जाएगा कि महिलाओं की खुशी किन-किन कारणों से प्रभावित होती है। ऐसे ही एक दिन का सर्वे करके इन सभी कारणों व अवसरों के बारे में पता लगाया जाएगा। एक माह के इस सर्वे में महिलाओं के हेप्पीनेस का पैमाना सैट किया जाएगा। इस सर्वे की रिपोर्ट महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को दी जाएगी। हरियाणा के बाद महिलाओं पर आधारित इस सर्वे को पूरे देश में किया जाएगा।

जैसलमेर से नौ किलो हेरोइन बरामद चार गिरफ्तार

जैसलमेर (हिंस)। राजस्थान के सीमांत जिले जैसलमेर में विशेष पुलिस टीम तथा जैसलमेर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रविवार देर रात करीब नौ किलो हेरोइन के साथ चार तस्करों को पकड़ है। इनमें से दो तस्करों को जैसलमेर के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र से पकड़ा है। जैसलमेर पुलिस के अनुसार नहरी क्षेत्र मोहनगढ से दो तस्करों को एक किलो हेरोइन के साथ रविवार देर रात अलग अलग जगह दबिश देकर पकड़ा है। वहीं आठ किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर माधो सिंह व जोगेन्द्र सिंह को जैसलमेर के अन्य इलाकों से पकड़ा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक क्राइम एम एन दिनेश और डीआईजी क्राइम ब्रांच राहुल प्रकाश की मॉनिटरिंग में ड्रग तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जैसलमेर की अन्य लोकेशन पर भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

सांबा डिस्ट्रिक्ट और बड़ी ब्राह्मणा इकाई का गठन

जम्मू। प्रेस रिलीज शिव सेना हिंदुस्तान पार्टी माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता तीन दिन दौरे के दौरान बड़ी ब्राह्मण सिरको चौक राष्ट्रीय पवन गुप्ता को युवा प्रदेश अध्यक्ष गणेश चौधरी और उनके कार्यकर्ताओं महिलाओं ने हार पहना कर राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता का स्वागत किया। धूलिया में प्रोग्राम के दौरान पवन गुप्ता के आदेश के अनुसार गणेश चौधरी ने सांबा डिस्ट्रिक्ट और बड़ी ब्राह्मणा इकाई का गठन किया। सांबा डिस्टिक प्रेसिडेंट नेक राज को बनाया गया। बड़ी ब्रह्मा प्रेसिडेंट संजीव कुमार, वाइस प्रेसिडेंट मोतीलाल, चेयरमैन सुरेंद्र चौधरी, जनरल सलाहकार तुषार भगत, राहुल कुमार को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, अजय चौधरी और बलवीर कुमार को मेंबर बनाया गया। लेडीस विंग बड़ी ब्राह्मणा ब्लॉक प्रेसिडेंट मधुबाला को विंग वाइस प्रेसिडेंट सुनीत गारो, जनरल सेक्रेटरी किरण देवी को बनाया गया।

स्प्रेड के जरिये घटा सकते हैं होम लोन की ईएमआई

नई दिल्ली।
अपना मकान खरीदना भारतीयों की सबसे पसंदीदा ख्वाब रहा है। एस्पिरेशन इंडेक्स सर्वे में भी इसका खुलासा हुआ है। ब्याज दरों में वृद्धि के इस दौर में भी आमतौर पर लोग मकान खरीदने के लिए होम लोन ही लेते हैं। इस पर उन्हें ईएमआई (मासिक किस्त) के साथ भारी-भरकम ब्याज चुकाना पड़ता है। हालांकि, अगर आप चाहें तो स्प्रेड दर के जरिये अपने होम लोन की ईएमआई घटा सकते हैं। दरअसल, खुदरा कर्ज (होम लोन भी इसी दायरे में आता है) के दो महत्वपूर्ण हिस्से होते हैं। बेंचमार्क दर और स्प्रेड दर।

ऐसे समझें बचत का गणित - आपने न्यूनतम 1.90 फीसदी स्पेड दर पर होम लोन लिया है। अब रेपो दर में गिरावट आती है और आपके होम लोन की दर 4 फीसदी पर आ जाती है। ऐसे में आपके होम लोन पर ब्याज की दर 5.90प्रतिशत होगी। किसी दूसरे व्यक्ति ने 2.65 फीसदी स्प्रेड दर से होम लोन लिया है तो पूरी कर्ज अवधि के लिए उसकी अनुमानित ब्याज दर 6.65प्रतिशत हो जाएगी।

पूरी कर्ज अवधि के दौरान स्थिर रहती है स्प्रेड दर - बेंचमार्क वह कम-से-कम दर होती है, जिस पर कर्ज मिलता है। यह दर कर्जदाताओं की नीतियों, महंगाई दर और रेपो दर में बदलावों के आधार पर तय होती है। इसलिए, रेपो दर में वृद्धि पर होम लोन की ईएमआई बढ़ जाती है। वहीं, स्प्रेड दर की गणना उधारकर्ता के क्रेडिट स्कोर, आय के स्रोत और कर्ज के आकार जैसे पैमानों के आधार पर की जाती है। यह विभिन्न उधारकर्ताओं के लिए अलग-अलग होता है। इस पर रेपो दर में बढ़ोतरी का असर नहीं होता है। यह पूरी लोन अवधि में स्थिर रहता है और होम लोन की दर के साथ जुड़ा होता है। मार्च, 2020 में स्प्रेड दर करीब 3.50 फीसदी थी, जो मार्च, 2023 में घटकर 1.90 फीसदी रह गई है।

इन चार तरीकों से भी घटा सकते हैं बोझ - मौजूदा उधारदाता से रिफाइनेंस कराएं : मौजूदा उधारदाता से न्यूनतम दर पर लोन को रिफाइनेंस कराएं। प्रोसेसिंग शुल्क की जांच कर लें। बैलेंस ट्रांसफर कराएं : किसी दूसरे उधारदाता के साथ बचे कर्ज को ट्रांसफर कराएं। रिफाइनेंसिंग शुल्क, लीगल शुल्क आदि की जांच कर लें। ईएमआई बढ़ाएं : वित्तीय स्थिति का आकलन कर कर्ज का बोझ घटाने के लिए ईएमआई बढ़ा दें। हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई भरें : वित्तीय स्थिति अच्छी है तो हर साल की शुरुआत में अपने होम लोन की एक ईएमआई अतिरिक्त भरें। इससे कर्ज अवधि घट जाएगी।

क्रेडिट स्कोर और आय अच्छी तो ही लाभ - अनुमान है कि 2023 की पहली तिमाही में होम लोन की दर का बढ़ना जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी ग्रुप के ब्रांड कस्टोडियन ने एनडीटीवी से दिया इस्तीफाः अमन कुमार सिंह ने एनडीटीवी के नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पद से किया रिजाइन

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के ब्रांड कस्टोडियन और कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख अमन कुमार सिंह ने एनडीटीवी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। ग्रुप ने इस इस्तीफे की वजह अमन कुमार की व्यस्तताओं को बताया है। हालांकि उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है। नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड ने पिछले हफ्ते स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि अमन कुमार सिंह ने कंपनी के नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया है, जो 1 अप्रैल से प्रभावी हो गया है। अमन कुमार सिंह पूर्व रेवेन्यू ऑफिसर हैं, जो छत्तीसगढ़ की रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में पॉवरफुल ब्यूरोक्रेट थे। साथ ही, वह मुख्यमंत्री रमन सिंह के प्रिंसिपल सेक्रेटरी भी थे। नवंबर 2022 में वह नौकरी छोड़ अडाणी में ब्रांड कस्टोडियन और कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख बने। वहीं जब अडाणी ग्रुप ने एनडीटीवी का अधिग्रहण किया, तब ग्रुप ने उन्हें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल किया। फरवरी 2020 में इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने अमन कुमार सिंह और उनकी पप्रतिशती यासमीन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले दर्ज किया, जिसे हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया कि जांच के स्तर पर हाईकोर्ट एफआईआर को रद्द न करें। भले ही यह मामला नई सरकार ने पिछली सरकार के खिलाफ किया हो। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद अमन कुमार 6 मार्च को पेश हुए। वहीं इसके एक हफ्ते बाद रायपुर के एडिशनल और डिस्टिक कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया है। एनडीटीवी बोर्ड से इस्तीफा देने वाले अडाणी ग्रुप के दूसरे शख्स अमन कुमार सिंह एनडीटीवी बोर्ड से इस्तीफा देने वाले अडाणी ग्रुप के दूसरे शख्स हैं।

एपल ने बेंगलुरु में लीज पर लिया कॉमर्शियल स्पेसः इस बिल्डिंग के लिए हर महीने 2.43 करोड़ रुपए किराया देगी कंपनी

नई दिल्ली। टेक कंपनी एपल ने बेंगलुरु में 10 साल के लिए 1.16 लाख स्क्वायर फीट कॉमर्शियल स्पेस को लीज पर लिया है, जिसका किराया हर महीने 2.43 करोड़ रुपए है। साथ ही, कंपनी 16.56 लाख रुपए हर महीने पार्किंग के लिए किराया देगी। कंपनी इस स्पेस को भारत में अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए यूज करेगी। इस कॉमर्शियल बिल्डिंग को प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स ने कब्बन रोड पर बनाया है। डेटा एनालिटिक्स फर्म प्रॉपस्टैक के अनुसार, एपल ने प्रेस्टीज मिन्स्क स्क्वायर में सातवीं से नौवीं मंजिल तक के पूरे फ्लोर और चौथी व छठी मंजिल के कुछ भाग को लीज में लिया है। यह लीज एग्रीमेंट एपल इंडिया और प्राइवेट मूसा सैत वक्फ के बीच साइन हुआ है, जिसका किराया इस साल एक जुलाई से शुरू होगा। लीज एग्रीमेंट शर्तों के अनुसार, एपल के लिए 5 साल लॉकइन पीरियड है और हर तीन साल में इस कॉमर्शियल बिल्डिंग का 15प्रतिशत किराया बढ़ेगा। साथ ही, कंपनी हर 5 साल में 3 एडिशन शर्तों के आधार पर लीज की रिन्यू कर सकती है। लीज एग्रीमेंट में यह भी कहा गया है कि इस बिल्डिंग में एपल के किसी भी प्रतिस्पर्धी कंपनी को स्पेस नहीं दिया जाएगा।

इसी साल हो सकता है 16वें वित्त आयोग का गठन, कवायद शुरू

नई दिल्ली। सरकार इस साल 16वें वित्त आयोग का गठन कर सकती है। इसके लिए तैयारियां शुरू की गई हैं। एक अधिकारी ने कहा, एक अप्रैल, 2026 से अगले पांच साल तक के लिए केंद्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे से जुड़े प्रावधान तय करने के लिहाज से 16वें वित्त आयोग के गठन की कवायद शुरू हो चुकी है। आयोग के सदस्यों एवं उसके क्रियाकलाप के प्रावधानों को तय करने का काम चल रहा है। वित्त आयोग एक सांविधानिक संस्था है। इसकी कर विभाजन संबंधी सिफारिशें पांच साल के लिए लागू रहती हैं। पूर्व नौकरशाह एनके सिंह की अध्यक्षता वाले 15वें वित्त आयोग ने कर हस्तांतरण अनुपात को 42 फीसदी पर रखने की बात कही थी। केंद्र एवं राज्यों के कर्ज की स्थिति के बारे में सिफारिशें दी थीं।

ट्विटर ने बीबीसी को दिया गवर्मेंट फंडेड मीडिया का लेबल

ब्रिटिश कंपनी ने कहा– इसे फौरन हटाओ, मस्क बोले– बीबीसी का मतलब क्या है

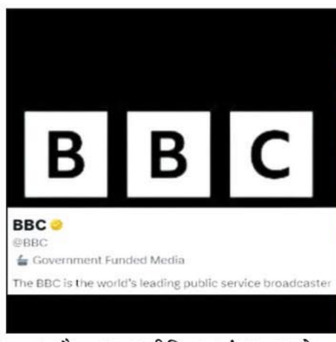

नई दिल्ली।
माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन को गवर्मेंट फंडेड मीडिया का लेबल देकर एक नया ववाद खड़ा कर दयिा है। ट्विटर ने बीबीसी के वेरिफाइड अकाउंट पर गवर्मेंट फंडेड मीडिया का टैग (गोल्ड टिक) लगाया है, जिसे देखकर बीबीसी ने ट्विटर मैनेजमेंट के सामने आपत्ति जताई है और इस मामले को जल्द सुलझाने का दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बीबीसी ने कहा कि ट्विटर को हम पर से ये लेबल फौरन हटाना चाहिए। बीबीसी ने कहा कि वो गोल्ड टिक को लेकर ट्विटर से बात कर रही है और इसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा। मीडिया कंपनी ने कहा कि हम स्वतंत्र है और हमेशा से रहे हैं। हमें लाइसेंस फीस के जरिए सिर्फ ब्रिटेन की पब्लिक फंड देती है।

ट्विटर ने नहीं बताया कोई कारण - बीबीसी ट्विटर एकाउंट के 2.2 मिलियन (22 लाख) फॉलोअर्स हैं। जिस पर बीबीसी टेलीविजन कार्यक्रम, रेडियो शो, पोडकास्ट, ब्रेकिंग, न्यूज स्टोरी आदि की अपडेट को शेयर करता है। ब्रेकिंग न्यूज सहित अन्य अकाउंट्स को यह लेबल नहीं दिया गया है। ट्विटर ने बीबीसी को गवर्मेंट फंडेड मीडिया का लेबल देने का कोई कारण नहीं बताया है।

मस्क ने पूछा बीबीसी का मतलब क्या है - मस्क ने ट्वीट किया, बीबीसी का फिर से क्या मतलब है मैं भूलता रहता हूं। इन मीडिया संस्थानों पर दिख रहा गोल्ड टिक बता दें कि गवर्नमेंट फंडेड मीडिया का मतलब ये होता है कि उस न्यूज चैनल या मीडिया संस्थान को सरकार सहयोग दे रही है और कभी भी उस संस्था की पॉलिसी को प्रभावित कर सकती है। ट्विटर का गोल्ड टिक अब उन आउटलेट्स पर दिखाई दे रहा है जो सरकारी फंडिंग से चलते हैं। इनमें पीबीएस एनपीआर वॉयस ऑफ अमेरिका और बीबीसी भी शामिल हैं। हालांकि कनाडा या कतर के अल जजीरा जैसे अन्य सरकार समर्थित आउटलेट्स पर ऐसा लेबल दिखाई नहीं दे रहा है। मस्क ने ब्लू टिक को सब्सक्रिप्शन बेस्ड प्लान में बदला पिछले साल अक्टूबर महीने में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने ट्विटर को खरीद लिया। मस्क ने ट्विटर को टेकओवर करने के बाद ब्लू टिक को सब्सक्रिप्शन बेस्ड प्लान में बदल दिया। वहीं अब ट्विटर अकाउंट को ब्लू टिक के साथ गोल्ड और ग्रे टिक दिया जा रहा है। यहां हम आपको ट्विटर के ब्लू, गोल्ड और ग्रे टिक के बारे में विस्तार से बता रहे हैं...

ब्लू टिक - पहले ब्लू टिक से पता चलता था कि ये ट्विटर अकाउंट एक्टिव, नोटेबल और ऑथेंटिक है। जिसे ट्विटर पब्लिक इंटरेस्ट बेस पर स्वतंत्र रूप से वैरिफाई करता था। अब, न्यू वेरिफिकेशन सिस्टम के जरिए ट्विटर उन अकाउंट को ब्लू टिक दे रहा है जो इसके लिए सब्सक्रिप्शन ले रहे हैं। हाल ही में ट्विटर ने कहा गया था कि वह 1 अप्रैल से अपने लिगेसी वेरिफिकेशन प्रोग्राम को खत्म करना शुरू कर देगा। इसके तहत कंपनी उन यूजर्स के अकाउंट से ब्लू टिक हटाना शुरू कर देगी, जिन्होंने सब्सक्रिप्शन नहीं लिया है। हालांकि अभी तक ट्विटर की ओर से पहले से वैरिफाई अकाउंट्स से ब्लू टिक नहीं हटाया गया है।

भारत में ट्विटर के ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 900 रुपए महीना - भारत में एंड्रॉइड स्मार्टफोन यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 900 रुपए प्रति महीने है। वहीं वेब यूजर्स के लिए ये सर्विस का मंथली सब्सक्रिप्शन 650 रुपए का है। सब्सक्रिप्शन लेने वाले यूजर्स को ट्विटर कई स्पेशल फीचर्स दे रहा है, जिसमें 4000 कैरेक्टर्स वाले लंबे ट्वीट शामिल है।

गोल्ड टिक - यदि आप अडाणी ग्रुप के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट को देखेंगे तो आपको उसमें गोल्ड टिक दिखाई देगा। साथ ही, इस अकाउंट में प्रोफाइल पिक्चर राउंड की बजाय स्क्वेयर में दिखाई दे रही है। ट्विटर के अनुसार, गोल्ड टिक से पता चलता है कि ये ऑफिशियल बिजनेस ट्विटर अकाउंट है। ब्लू टिक की तरह गोल्ड टिक भी फ्री नहीं मिलता है।

गोल्ड टिक के लिए ऑर्गनाइजेशन को हर महीने 1000 डॉलर (लगभग 81 हजार 842 रुपए) देना होता है। यही नहीं, गोल्ड टिक वाले ऑर्गनाइजेशन को अपने ट्विटर अकाउंट से जुड़े दूसरे अकाउंट के लिए भी हर महीने 50 डॉलर यानी करीब 4 हजार रुपए एक्स्ट्रा चार्ज देना पड़ता है।

ग्रे टिक - अगर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑफिशियल अकाउंट को देखेंगे तो उसमें आपको नाम के आने ग्रे टिक दिखाई देगा। साथ ही, ग्रे टिक वाले ट्विटर अकाउंट में एक फ्लैग लेबल भी दिखाई देता है, जिसमें अकाउंट के डेसिगनेशन के बारे में बताया जाता है। हालांकि कई ग्रे टिक अकाउंट में फ्लैग लेबल नहीं भी होता है। जैसे राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को ग्रे टिक मिला हुआ है, लेकिन उसमें फ्लैग लेबल नहीं है।

ग्रे टिक सरकार, मल्टीलैटरल ऑर्गेनाइजेशन, मल्टीलैटरल ऑफिसर्स और कुछ बड़े नेताओं को दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ के ट्विटर अकाउंट पर भी ग्रे टिक है, जो मल्टीलैटरल ऑर्गेनाइजेशन हैं अभी तक ट्विटर की ओर से ग्रे टिक के बारे में कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं है कि इसके लिए भी क्या गोल्ड व ब्लू टिक के लिए पेमेंट करना होता है

रूस से भारत का क्रूड-ऑयल इंपोर्ट इराक से दोगुना हुआ

मार्च में बढ़कर 16.4 लाख बैरल पर डे के नए हाई पर पहुंचा इंपोर्ट

नई दिल्ली।
रूस से भारत का क्रूड ऑयल का इंपोर्ट मार्च में बढ़कर 16.4 लाख बैरल पर डे के नए हाई पर पहुंच गया है। इस तरह रूस से भारत का ऑयल इंपोर्ट इराक की तुलना में दोगुना हो गया है। एनर्जी कार्गो ट्रैकर वॉर्टेक्सा के मुताबिक, रूस लगातार छठे महीने भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बना हुआ है।

भारत के क्रूड ऑयल इंपोर्ट में रूस की हिस्सेदारी 34प्रतिशत हुई

भारत के क्रूड ऑयल के इंपोर्ट में रूस का हिस्सा एक-तिहाई से ज्यादा है। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले भारत के क्रूड ऑयल के इंपोर्ट में रूस की बाजार हिस्सेदारी 1प्रतिशत से भी कम थी। मार्च में रूस से भारत का क्रूड ऑयल इंपोर्ट बढ़कर 16.4 लाख बैरल पर डे हो गया। भारत के इंपोर्ट में रूस की हिस्सेदारी 34प्रतिशत हो गई है। मार्च में भारत की रूस से क्रूड ऑयल की खरीद इराक से दोगुना रही मार्च में भारत की रूस से क्रूड ऑयल की खरीद इराक से दोगुना रही है। इस दौरान इराक से क्रूड ऑयल का इंपोर्ट 8.1 लाख बैरल पर डे से ज्यादा रहा है। इराक 2017-18 से भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर था। चीन-अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल इंपोर्टर चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल इंपोर्टर है। यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिम ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। ऐसे में रूसी क्रूड ऑयल डिस्काउंटेड प्राइस पर अवेलेबल है और भारत इसकी जमकर खरीद कर रहा है। मार्च में सऊदी अरब 9.86 लाख केबीसी के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर वॉर्टेक्सा के मुताबिक, मार्च में सऊदी अरब 9.86 लाख बैरल पर डे के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर था। वहीं इराक 8.21 लाख बैरल पर डे की सप्लाई के साथ तीसरे नंबर पर था। मार्च में यूएई 3.13 लाख बैरल पर डे के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया, इसने अमेरिका को पीछे छोड़ा दिया था। अमेरिका ने मार्च में भारत को 1.36 लाख बैरल पर डे क्रूड ऑयल की सप्लाई की थी। फरवरी में अमेरिका से भारत का इंपोर्ट 2.48 लाख बैरल पर डे रहा था। क्रूड ऑयल को रिफाइनरी यूनिट्स से पेट्रोल और डीजल में बदला जाता है।

बैंकों, बीमा कंपनियों व विभागों को एक महीने में सौंपनी होगी तथ्यात्मक रिपोर्ट

नई दिल्ली।
केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने एक महीने के भीतर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और सरकारी विभागों से भ्रष्टाचार की शिकायतों पर तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने को कहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य भ्रष्टाचार की शिकायतों पर समय से कार्रवाई सुनिश्चित करना और अत्यधिक देरी को रोकना है। सीवीसी ने अपने ताजा आदेश में कहा, मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) को संबंधित रिकॉर्ड व दस्तावेजों की जांच के आधार पर आयोग से शिकायत/पत्र मिलने के 30 दिनों की अवधि के भीतर तथ्यात्मक रिपोर्ट आयोग को सौंपनी होगी। सीवीओ भ्रष्टाचार की जांच के लिए आयोग के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं।

तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ सिफारिश और विचार भी मांगे गए - केंद्र सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीवीओ को जारी आदेश में कहा गया, तथ्यात्मक रिपोर्ट को अग्रेषित करते समय सीवीओ को स्पष्ट शब्दों में अपनी सिफारिशें और विचार भी देने चाहिए। सीवीसी ने अगस्त 2020 में जारी अपने पहले के निर्देश में संशोधन किया है और कहा है कि आयोग ने आवश्यक होने पर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए संबंधित सीवीओ को शिकायतें भेजने का फैसला किया है। सीवीसी ने अपने 2020 के आदेश में सीवीओ से कहा था कि वे सीवीसी से शिकायतें प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के भीतर भ्रष्टाचार की शिकायतों पर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

जांच और रिपोर्ट की अवधि घटाने के लिए सीवीसी ने की पहल - सीवीसी की 2021 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, आयोग की ओर से सीवीओ को भेजी गई 231 शिकायतें 31 दिसंबर, 2021 तक जांच और रिपोर्ट के लिए लंबित थीं।

सोने का आयात 30प्रतिशत घटा चांदी में 66 फीसदी उछाल, उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात में आई कमी

नई दिल्ली।
देश का सोना आयात 2022-23 के पहले 11 महीने यानी अप्रैल-फरवरी में करीब 30 फीसदी घटकर 31.8 अरब डॉलर रह गया। सीमा शुल्क की ऊंची दरों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने के आयात में कमी आई है। हालांकि, इस अवधि में चांदी का आयात 66 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर पहुंच गया। सोने का आयात देश के चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 की अप्रैल-फरवरी अवधि में 45.2 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था। अगस्त, 2022 से पीली धातु के आयात में लगातार गिरावट देखी जा रही है। चालू खाते के घाटे पर काबू पाने के लिए सरकार ने पिछले साल सोने पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था।

रप्रतिशत व आभूषण निर्यात में मामूली गिरावट

आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अप्रैल-जनवरी, 2023 के दौरान करीब 600 टन सोने का आयात किया है। इस दौरान रप्रतिशत एवं आभूषण निर्यात 0.3प्रतिशत घटकर 35.2 अरब डॉलर रह गया। मात्रा के लिहाज से देखा जाए तो देश सालाना 800-900 टन सोने का आयात करता है।

आयात में गिरावट के बाद भी व्यापार घाटे में कमी नहीं

सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। 2022-23 के पहले 11 महीने में व्यापार घाटा बढ़कर 247.52 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। 2021-22 की समान अवधि में यह 172.53 अरब डॉलर रहा था।

निर्यात बढ़ाने के लिए शुल्क पर विचार करे सरकार

रप्रतिशत एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के पूर्व चेयरमैन एवं एमडी कोलिन शाह ने कहा, ऊंचे आयात शुल्क की वजह से इसमें गिरावट आई है। सरकार को घरेलू उद्योग की मदद करने और निर्यात बढ़ाने के लिए शुल्क के मोर्चे पर विचार करना चाहिए।

शेयर बाजार में धीरे-धीरे करते रहें निवेश, प्रमुख कारकों में दिख रही स्थिरता

नई दिल्ली।
शेयर बाजार में जब भी भारी गिरावट का दौर शुरू होता है तो उसमें सुधार भी होता है। सुधार की यह प्रक्रिया लंबी अवधि में आपको अच्छा रिटर्न दिला सकती है।सेंसेक्स पिछले सप्ताह 2,100 अंकों से ज्यादा उछलकर 60,000 के करीब बंद होने में सफल रहा। इस दौरान बाजार पूंजीकरण भी 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ा।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 57,000 तक पहुंचे सेंसेक्स में अब सुधार दिख रहा है। आने वाले समय में यह फिर से अपने पुराने रिकॉर्ड तक पहुंच सकता है, खासकर इस साल के अंत तक। ऐसे में निवेशकों को धीरे-धीरे लंबी अवधि के लिए निवेश बढ़ाना चाहिए।

प्रमुख कारकों में दिख रही है स्थिरता - दुनियाभर में उच्च महंगाई को थामने के लिए केंद्रीय बैंकों की ब्याज दरें बढ़ाने की रफ्तार कम हो रही है या फिर थम गई है। आरबीआई ने भी पिछले सप्ताह अपनी मौद्रिक नीति की रफ्तार को रोक दिया है। पिछले साल मई से लेकर फरवरी, 2023 तक 2.50 फीसदी की वृद्धि करने के बाद इस बार रेपो दर नहीं बढ़ाने का फैसला यह बता रहा है कि आगे भी दरों में कोई बहुत ज्यादा वृद्धि का अनुमान नहीं है।

तिमाही नतीजे पर नजर - इस सप्ताह से आने वाले कंपनियों के तिमाही नतीजे पर भी बाजार की नजर रहेगी। बाजार की चाल विशेष शेयरों पर ही निर्भर होगी। जैसे-जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे, उनके मूल्यों पर इसका असर दिखेगा।

भारी शेयरों में ऐसी उम्मीद है कि इनमें ज्यादा और जल्द सुधार दिखेगा। ऐसे में निवेशकों को इस तरह के शेयरों में निवेश मुनाफा दे सकता है।

इस सप्ताह भारत के साथ अमेरिका में भी महंगाई के आंकड़े जारी होने हैं। इसका असर बाजार पर दिखेगा।

ब्याज दरें नहीं बढ़ाने का दिख रहा असर - केंद्रीय बैंकों की दरें नहीं बढ़ाने का असर अब शेयर बाजारों में दिख रहा है। पिछले सप्ताह भारत सहित दुनियाभर के बाजारों में तेजी रही। साथ ही, देश में 2023-24 के बजट में हुए बदलाव भी लागू हो चुके हैं। आगे कोई ऐसे कारक नहीं हैं, जिसका बाजार पर बुरा असर दिखे। हालिया गिरावट में जो शेयर 50 से 70प्रतिशत तक गिरे थे, उनमें भी सुधार दिख रहा है।

ऐसे में इन शेयरों में आगे चलकर अच्छा सुधार दिख सकता है। अगर ये शेयर अपने स्तर तक पहुंचते हैं तो भी इसमें निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिल सकता है।

निवेशकों के लिए नई खरीदारी का भी अवसर - निफ्टी में 16,800 के स्तर से सुधार दिखा है। यह 200 दिनों के मूविंग औसत के ऊपर बंद हुआ है। आगे 17,800 के पार हो सकता है। निवेशकों को इस समय बाजार में बने रहने के साथ नई खरीदारी भी करने का अवसर है। हालांकि, अध्ययन के बाद ही निवेश करना चाहिए।

पान मसाला और तम्बाकू उत्पादों पर लगेगा जीएसटी उपकर

नई दिल्ली। सरकार ने पान मसाला एवं तंबाकू उत्पाद विनिर्माताओं पर एक अप्रैल से प्रभावी खुदरा बिक्री मूल्य पर आधारित जीएसटी उपकर को निर्धारित कर दिया है। पान मसाला एवं तंबाकू उत्पादों पर पहले 28 प्रतिशत की दर से लगने वाले माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अलावा उस पर मूल्य के अनुपात में उपकर लगता था लेकिन अब इस व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, जीएसटी उपकर के तौर पर पान मसाला पाउच के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) का 0.32 गुना वसूला जाएगा। तंबाकू गुटखा वाले पान मसाला पर जीएसटी उपकर आरएसपी का 0.61 गुना लगेगा जबकि सिगरेट एवं पाइप वाली तंबाकू सामग्री के लिए यह दर 0.69 गुना है। तंबाकू चबाना, फिल्टर वाली खैनी और जर्दा पर आरएसपी का 0.56 गुना उपकर लगेगा जबकि हुक्का एवं ब्रांडेड कच्चे तंबाकू के लिए यह दर 0.36 गुना है। खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर जीएसटी उपकर लगाने से तंबाकू विनिर्माताओं को अब पान मसाला एवं तंबाकू उत्पादों के कारखाने से बाहर निकलते समय अंतिम खुदरा मूल्य पर उपकर चुकाना होगा।

पुष्पाः द रूल पहले ही पार्ट की तरह होगी धमाकेदार

मुंबई (ईएमएस)। सिने अभिनेता अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पिछले एक वर्ष से पुष्पाः द रूल का शूटिंग शुरू होने से पूर्व ही जबरदस्त बज बना हुआ है। इन दिनों यह फिल्म शूटिंग फेज में है। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं, जिन्होंने पुष्पाः द राइज का निर्देशन किया था। पैन इंडिया प्रदर्शित हुई इस फिल्म के बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि यह हिन्दी भाषी क्षेत्रों में ब्लॉकबस्टर होगी। फिल्म को उत्तर भारत में दक्षिण से ज्यादा लोकप्रियता मिली, जिसके चलते अब इसके दूसरे भाग को इसके निमार्ता और निर्देशक और बड़ा व रोमांचक बनाने जा रहे हैं। फिल्म के निमार्ताओं ने अभी दो दिन पहले ही रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर निमार्ताओं ने इस फिल्म की एक झलक वीडियो के जरिये दर्शकों के साथ साझा की थी और अब अल्लू अर्जुन के जन्मदिन से एक दिन पहले फिल्म के निमार्ताओं ने एक टीजर जारी किया है, जिसमें अल्लू अर्जुन का स्वैग देखते ही बनता है। फिल्म मेकर्स ने 2 दिन पहले अदाकारा रश्मिका मंदाना के बर्थडे पर फिल्म पुष्पा-2 की पहली झलक एक वीडियो के जरिए दिखाई थी। इस वीडियो में पुष्पाराज की तलाश में पूरा सिस्टम जुटा दिखा था। अब सामने आए लेटेस्ट वीडियो में निमार्ताओं ने पुष्पाराज के ठिकाने का पता बता दिया है। रिलीज हुए टीजर में पुष्पा राज की तलाश में भटकती पुलिस को करीब 1 महीने बाद उसका पता एक वीडियो के जरिए मिलता है। सामने आया ये वीडियो जंगल का है, जिसमें 8 गोलियां खाने के बाद भी पुष्पाराज जिंदा दिखा है। यही नहीं, पुष्पाराज को कैमरे में कैद करने वाला ये कैमरा वाइल्ड लाइफ की तस्वीरें क्लिक करने के लिए था, जिसमें चीते के साथ ही पुष्पाराज नजर आता है। दिलचस्प बात ये है कि सामने आए इस वीडियो में चीता भी पुष्पाराज को देख अपने पांव पीछे करता दिखा है। पुष्पा-2 का ये टीजर बयां करता है कि अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म पुष्पा-2 पहले ही पार्ट की तरह काफी धमाकेदार होने वाली है। अभी तक मेकर्स ने फिल्म पुष्पा-2 की रिलीज डेट पर से पर्दा नहीं हटाया है। फिल्म को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि ये फिल्म इसी साल दिसंबर महीने तक रिलीज हो जाएगी। हालांकि, अब सामने आ रहीं ताजा अपडेट्स के मुताबिक फिल्म अगले साल अप्रैल महीने तक ही रिलीज हो सकेगी। इसकी वजह फिल्म की शूटिंग का अभी तक पूरा न होना बताया जा रहा है।

स्नेहा व अल्लू अपनी जिंदगी में बेहद खुश, पहली नजर में हुआ था प्यार

-शादी के लिए आसानी से नहीं मना पाए थे स्नेहा के परिवार को अल्लू

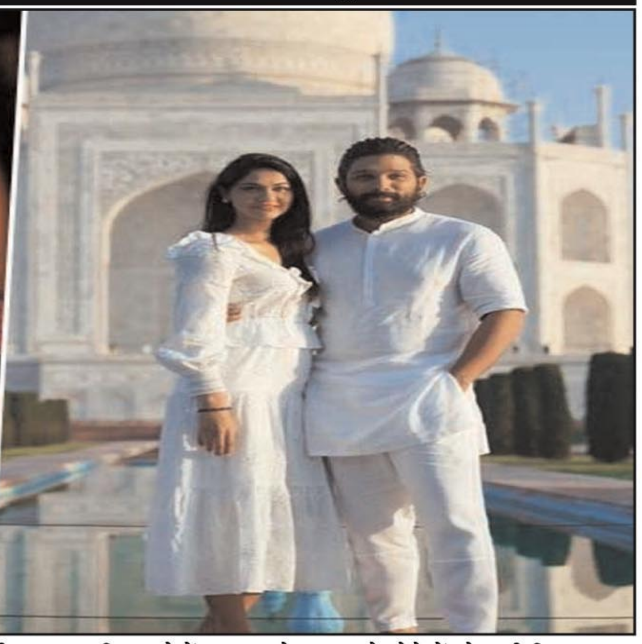

मुंबई (ईएमएस)। साउथ फिल्मों के स्टाइलिश सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज दुनिया भर में जाने और पहचाने जाते हैं। एक्टर की डांसिंग स्किल्स के लाखों लोग दीवाने हैं। अल्लू की फिल्म पुष्पा ने उनके रुतबे को और बड़ा कर दिया है। पैन इंडिया लेवल पर निर्मित यह फिल्म भारत ही नहीं, दुनियाभर में जबरदस्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई। लोगों में इस फिल्म के गाने से लेकर डॉयलॉग्स तक एक अलग ही क्रेज देखने को मिला था। पुष्पा के आने के बाद अल्लू अर्जुन की फैन फोलोइंग में भी काफी तेजी से बढ़ोत्तरी देखी गई है। आज एक्टर अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर हम आपको अल्लू अर्जुन की लव लाइफ के बारे में बताने जा रहे हैं। पुष्पा भाऊ ने अब तक अपनी कई फिल्मों से लोगों को एंटरटेन किया है, लेकिन एक्टर की पर्सनल लाइफ भी कम दिलचस्प नहीं है। उल्लेखनीय है कि एक्टर ने करीब 12 साल पहले ही स्नेहा रेड्डी से लव मैरिज कर ली थी। दोनों की लव स्टोरी बेहद दिलचस्प है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक नामी परिवार से होने के बाद भी अल्लू अर्जुन स्नेहा की फैमिली को इस शादी के लिए आसानी से राजी नहीं कर पाए थे। स्नेहा और अल्लू अर्जुन की पहली मुलाकात एक शादी में हुई थी। स्नेहा को पहली नजर देखते ही एक्टर अपना दिल हार बैठे थे और उनके प्यार में पड़ गए थे, लेकिन वह स्नेहा से अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं कर पाए। खैर जैसे-तैसे दोनों के नंबर्स एक्सचेंज हुए और बात आगे बढ़ी। इसके बाद स्नेहा अपनी मास्टर्स की पढ़ाई पूरी करने अमेरिका चली गईं। जब तक साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अल्लू अर्जुन भी नाम और काम साबित करने में कामयाब हो गए थे। स्नेहा के आगे अल्लू अर्जुन भी कम नहीं थे। सुपरस्टार चिरंजीवी उनके अंकल हैं, वहीं रामचरण एक्टर के कजिन लगते हैं, लेकिन फिर भी स्नेहा की फैमिली यह नहीं चाहती थी कि उनकी बेटी किसी एक्टर से शादी करे। ऐसे में स्नेहा भी जिद पर अड़ गई थी, जिसके आगे उनकी फैमिली को शादी के लिए मानना ही पड़ा। आज कपल अपनी जिंदगी में बेहद खुश है और दोनों के बेहद प्यारे से दो बच्चे भी हैं, जिनका नाम अयान और अरहा है।

करण जौहर की पोस्ट पर कंगना का रिएक्शन

करण जौहर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अनुष्का शर्मा का करियर खत्म करने की बात वाले करण जौहर के वायरल वीडियो को देखकर कंगना रनौत के भड़कने के बाद करण ने एक क्रिप्टिक पोस्ट कर कंगना को जवाब दिया। कंगना रनौत ने अब इस पर प्रतिक्रिया दी है। करण ने एक वायरल वीडियो में कहा था, मैं अनुष्का शर्मा के करियर को पूरी तरह से समाप्त करना चाहता था। इसके पीछे वजह यह है कि जब आदित्य चोपड़ा ने मुझे उनकी तस्वीरें दिखाईं, तो मैंने कहा कि अनुष्का को फिल्म में साइन करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं चाहता था कि आदित्य एक ऐसी एक्ट्रेस को साइन करें जिसे मैं तब जानता था।

कंगना का रिएक्शन - कंगना ने करण के इस वीडियो को स्टोरी पर शेयर करते हुए कहा, "हां चाचा चौधरी का एक ही काम है।" कंगना ने कहा "एक समय था जब चाचा चौधरी नेपो माफिया के साथ नेशनल टीवी पर मेरा अपमान कर रहे थे, क्योंकि मुझे अंग्रेजी नहीं आती थी। आज ये हिंदी देखकर मुझे लगा कि अब सिर्फ तुम्हारी हिंदी ही सुधरी है, देखते हैं, आगे क्या होता है।" इस स्टोरी को उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। यह पहली बार नहीं है, जब कंगना ने करण जौहर की आलोचना की है। कुछ दिन पहले प्रियंका चोपड़ा ने भी कहा था कि बॉलीवुड में उन्हें किनारे कर दिया गया है। तब भी कंगना ने करण पर निशाना साधा था।

हैले बीबर ने मचाया तहलका

पॉप स्टार जस्टिन बीबर की वाइफ और एक्ट्रेस हैले बीबर इन दिलों बोल्ड तस्वीरों में तहलका मचा रहा हैं। हैले हॉलीवुड की जानी मानी दिवा हैं। वह सोशल मीडिया की दुनिया में भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड तस्वीरें से अक्सर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब कहर बरपा रही हैं। दरअसल, यह फोटोशूट हैले ने पेशन फ्रुट जैली को प्रोमोट करते हुए फोटो शूट करवाया है और इस प्रोडक्ट के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में हैले का बेहद ही बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। बिकिनी में वह अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट कर रही हैं और कैमरे के सामने कातिलाना पोज दे रही हैं। हैले की ये तस्वीरें देख फैंस काफी इम्प्रेस हो रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी करते नजर आ रहे हैं।

शर्टलेस डांस करना अक्षय कुमार को पड़ा भारी, प्रशंसक नाराज

बॉलीवुड के बड़े अभिनेताओं में से एक अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ अपनी निजी जिंदगी, अपने व्यवहार के कारण भी हमेशा चर्चा में रहते हैं। फिल्मों के अलावा वह कई शो में भी नजर आते रहते हैं। अब ऐसे ही एक कार्यक्रम के उनके एक वायरल वीडियो के कारण नेटिजन्स अक्षय से नाराज हैं। पिछले कुछ महीनों में अक्षय कुमार की लगभग सभी फिल्में फ्लॉप रही हैं। अपनी फ्लॉप फिल्मों की वजह से उन्हें काफी नुकसान हुआ।

ऐसे में वे अपने शो 'द एंटरटेनर्स टूर' में हिस्सा लेते नजर आए। इस टूर के दौरान अक्षय ने मौनी रॉय, दिशा पटानी, सोनम बाजवा और नोरा फतेही के साथ स्टेज पर डांस परफॉर्मेंस भी दी, लेकिन इस डांस की वजह से उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। इस टूर के दौरान का उनका एक वीडियो काफी चर्चित रहा है। इस वीडियो में अक्षय मौनी रॉय और सोनम बाजवा के साथ 'बलमा' गाने पर शर्टलेस होकर रॉक करते नजर आ रहे हैं। उनके शर्टलेस डांस से कई लोग हैरान रह गए। इसलिए अब नेटिजन्स अक्षय की जमकर आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप 59 साल के अंकल 23-24 साल की लड़कियों के साथ इस तरह डांस कर रहे हैं...शर्म आनी चाहिए।' दूसरे यूजर ने कहा, 'कोई इसे वापस कनाडा भेज दे।' एक अन्य ने लिखा, 'आप कितने साल के हैं और क्या करते हैं!' अब अक्षय का यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

आइए जानते हैं अभिनेत्री आयशा टाकिया के जीवन की कुछ खास बातें

फिल्म 'वॉन्टेड' में सलमान खान की हीरोइन बनीं आयशा टाकिया ने दर्शकों का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस आज अपना 37वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। आयशा टाकिया ने अपने करियर में 'वांटेड', 'शादी से पहले', 'दिल मांगे मोर' जैसी सफल फिल्में की हैं। जायशा का 10 अप्रैल 1985 को जन्म हुआ था। आयशा ने 'सोचा ना था', 'डोर', 'नो स्मोकिंग' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन इन फिल्मों से उन्हें ज्यादा पहचान नहीं मिल पाई। अब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली है और बॉलीवुड में उनका करियर लगभग खत्म हो चुका है। आयशा ने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था। मॉडलिंग से उन्हें फेमस सिंगर फाल्गुनी पाठक के एल्बम सॉन्ग 'मेरी चुनार उड़ी जाए' से ब्रेक मिला। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2004 में फिल्म 'टार्जनः द वंडर कार' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद आयशा ने अपने करियर में कई फिल्में कीं, लेकिन वह कोई खास जादू नहीं दिखा पाईं। 2009 में, उन्होंने फिल्म 'वांटेड' में सलमान खान की सह-कलाकार के रूप में काम किया। ये फिल्म सुपरहिट हुई थी। 'वांटेड' की सफलता के बाद आयशा टाकिया ने शादी कर ली। आयशा ने टॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने टॉलीवुड फिल्म 'सुपर' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवार्ड भी जीता। सफलता हासिल करने के बाद आयशा टाकिया ने अपना करियर बनाने के बजाय वर्ष 2009 में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बेटे फरहान आजमी से शादी कर ली। शादी के बाद वह फिल्म 'पाठशाला' और 'मोड़' में नजर आई थीं। आयशा ने बताया कि उन्हें कई फिल्मों में काम इसलिए नहीं मिला क्योंकि उन्होंने इंटिमेट और किसिंग सीन को रिजेक्ट कर दिया था। वह फिल्म में सिर्फ एक अच्छा किरदार निभाना चाहती थीं। इसलिए फिल्म 'डोर' के बाद उन्हें बहुत कम फिल्में मिलीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने धीरे-धीरे बॉलीवुड से अपना रिश्ता खत्म कर लिया। शादी के चार साल बाद आयशा ने एक बेटे को जन्म दिया। फिलहाल आयशा अपने पति के साथ बिजनेस संभाल रही हैं। वह गोवा में अपना कारोबार भी देख रही हैं।

बालिका वधू फेम नेहा मर्दा बनी मां

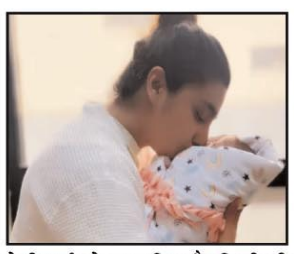

टीवी सीरियल बालिका वधू फेम एक्ट्रेस नेहा मर्दा मां बन गई हैं। उन्होंने बिटिया को जन्म दिया है। खबर यह भी है कि बीते दिनों अचानक प्रेग्नेंसी में कुछ दिक्कतें सामने आई थीं, जिसके बात उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी बिगड़ी तबीयत को लेकर फैंस काफी चिंतित थे, लेकिन अब वे चैन की सांस ले सकते हैं। नेहा मर्दा ने नन्ही परी को जन्म दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेहा मर्दा की बेटी की डिलीवरी प्रीमैच्योर हुई है, जिसकी वजह से बेबी को अभी कुछ दिन हॉस्पिटल में रखा जाएगा। नेहा मर्दा ने बीती शाम बेबी गर्ल को जन्म दिया है। डिलीवरी से पहले एक्ट्रेस ने अस्पताल के बेड से अपनी दो तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें वह अपना ट्रीटमेंट करवाते हुए नजर आ रही थीं। लेकिन वह अब पूरी तरह से ठीक हैं और उनकी नवजात शिशु भी ठीक है।

वर्कआउट के लिए ऑक्सीजन मास्क लगाए अनिल कपूर का वीडियो वायरल

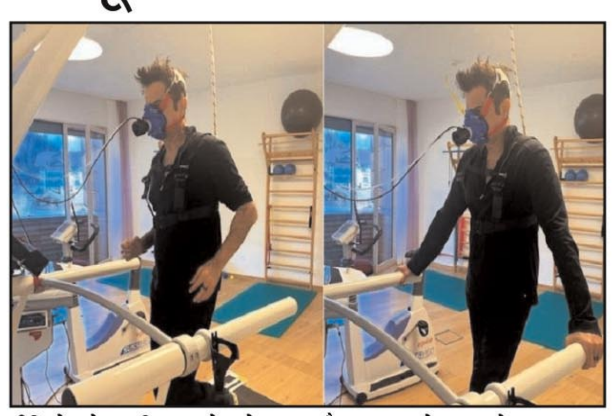

बॉलीवुड में सदाबहार अभिनेता के रूप में जाने वाले अनिल कपूर हमेशा अपनी फिटनेस और लाइफस्टाइल को लेकर चर्चा में रहते हैं। आज के युवाओं को अभिनेता अपनी व्यायाम की आदतों से कड़ी टक्कर देते नजर आते हैं। अनिल कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने जीवन में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं को शेयर करके अपने प्रशंसकों के संपर्क में रहते हैं। उन्होंने जिम करते हुए अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। अभिनेता अनिल कपूर फिटनेस फ्रीक हैं। वे हमेशा एक्सरसाइज करते हैं और खुद को फिट रखते हैं। अब हाल ही में उन्होंने ऑक्सीजन मास्क पहनकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने यह वीडियो पोस्ट किया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। अनिल कपूर के इस वीडियो पर उनके फैंस ने कमेंट करते हुए उनकी तारीफ की लेकिन कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी कर दिया। एक ने लिखा, 'इतनी ऑक्सीजन की क्या जरूरत है।' तब दूसरे यूजर ने कहा, 'यह सब करने की क्या आवश्यकता है।' एक ने लिखा, 'मैं बिना ऑक्सीजन के 13 किलोमीटर दौड़ सकता हूं।' अनिल कपूर के इस वीडियो से एक बार फिर उनकी एक्सरसाइज हैबिट्स चचाएं हो रही हैं।

सलमान के साथ डांस करके खुश हुए राम चरण

सलमान खान की मोस्ट अवेटिड फिल्म किसी का भाई किसी की जान में उनके साथ थिरकने वाले राम चरण की खुशी जाहिर होने लगी है। सलमन की यह मूवी जल्द ही सिनेमाघरो में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर दर्शकों का क्रेज भी देखने को मिल रहा है। फिल्म के कई गाने रिलीज हो चुके हैं, जिनमें हाल ही में रिलीज हुआ गाना येंतम्मा को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में सुपरस्टार राम चरण सलमान खान के साथ थिरकते नजर आएं है। जिसके बाद उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की है। रामचरण ने येंतम्मा के बीटीएस वीडियो में सलमान खान संग डांस करने अपनी फीलिंग्स शेयर की है। उन्होंने इसे अपना सपना पूरा होने जैसा बताते हुए कहा है कि- यह गाना एक ब्लास्ट है, यह सबसे अच्छे गानों में से एक है। आप लोग गाने का जश्न मना रहे हैं। एक छोटे बच्चे का सपना सच हो गया। इस गाने को करने में मजा आया। बहुत बहुत धन्यवाद सलमान भाई।

सूडोकु नवताल- 6397

★★★✯☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6396 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 7144

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद.

शब्दजाल - 7143 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	वी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6097

	3		4	1		2
4	28		25		36	
	5			6	7	4
	28	5	35	3	39	
3	2		6		5	
	32	3	42	5	32	
1	5			4		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6096 का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	28	3	40	5	31	7
2	1	7	6	3	5	4
7	34	6	31	2	30	3
3	6	2	4	1	7	5
5	30	4	28	6	35	1
4	5	1	3	7	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

गुकेश वर्ल्ड शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना के चैंपियन बने : फाइनल में पूर्व वर्ल्ड रैपिड चैंपियन अब्दुसतारोव को हराया

नई दिल्ली ।
भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने फाइनल में पूर्व वर्ल्ड रैपिड चैंपियन उज्बेकिस्तान के नादिरबेक अब्दुसतारोव को हराकर वर्ल्ड शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना इवेंट का खिताब जीत लिया। इस जीत के बाद गुकेश और अब्दुसतारोव दोनों को सितंबर में होने वाले आर्मेगेडोन ग्रैंड फिनाले में जगह मिली।

सोलह साल के गुकेश ने खेले गए उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत दर्ज की। पहली बाजी में चूकने के बाद गुकेश को दूसरी बाजी में हार मिली। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त मौके का इस्तेमाल करते हुए अब्दुसतारोव के खिलाफ मुकाबले को दोबारा शुरू कराया। नए मुकाबले की पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश अगली बाजी में अब्दुसतारोव को हरा कर चैंपियन बने।

कई दिग्गजों ने लिया था हिस्सा

इस टूर्नामेंट में गुकेश और अब्दुसतारोव के अलावा पूर्व वर्ल्ड क्लासिकल चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक, डेनिल डुबोव, चीन के यांगयी यू, भारत के विदित गुजराती, कार्तिकेयन मुरली और ईरान के परम माघसोदलो जैसे खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने किया ट्वीट

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने युवा ग्रैंडमास्टर गुकेश की उपलब्धि की सराहना की है। आनंद ने ट्वीट किया, डी गुकेश को बधाई। शानदार उपलब्धि। गर्व है कि गुकेश ने हमें एक बार फिर गौरवांवित किया। गुकेश ने जीत के बाद ट्वीट किया, वर्ल्ड शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना इवेंट जीतने की खुशी है।

पिछले साल गुकेश ने रचा था इतिहास

इससे पहले, पिछले साल गुकेश ने एमचेस ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हरा कर इतिहास रच दिया था। वह विश्व चैंपियन को हराने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

न्यूज ब्रीफ

प्रियांशु ने जोहांसन को हराकर जीता खिताब, पहली बार सुपर 300 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया

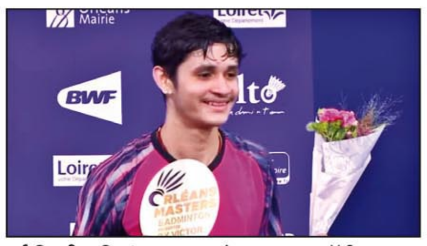

नई दिल्ली । प्रियांशु राजावत ने जबरदस्त फॉर्म का परिचय देते हुए ओरलिआंस मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया। उन्होंने फाइनल में विश्व नंबर 49 डेनमार्क के मैग्नस जोहांसन को तीन गेमों के संघर्ष में 21-15, 19-21, 21-16 से पराजित किया। विश्व नंबर 58 प्रियांशु ने 68 मिनट में यह मुकाबला जीता। यह उनका पहला सुपर 300 अंतरराष्ट्रीय खिताब है। आक्रामक खेल ने दिलाई जीत 21 वर्षीय धार (मध्य प्रदेश) के राजावत ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत कर 9-7 की बढ़त बनाई। जल्द ही उन्होंने स्कोर 18-11 कर गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे गेम में मैग्नस ने वापसी की 8-5 और 14-9 की बढ़त बनाई। अंत में उन्होंने यह गेम जीतक बराबरी कर ली। तीसरी गेम में राजावत ने 5-0 की बढ़त बनाई, लेकिन मैग्नस ने 9-9 की बराबरी हासिल कर ली। यहां से राजावत ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए सात चैंपियनशिप अंक अपने नाम कर लिए। तीन मैच प्वाइंट तो मैग्नस ने बताए, लेकिन चौथी बार वह ऐसा नहीं कर सके। दोनों के बीच यह पहली भिड़ंत थी। बड़े भाई के खेल में निकाली कमी तो प्रियांशु को शुरू कराया बैडमिंटन प्रियांशु ने छह साल की उम्र में बैडमिंटन शुरू किया। प्रियांशु की बहन तानिया बताती हैं कि पिता भूपेंदर राजावत प्रियांशु से बड़े भाई कुणाल को धार बैडमिंटन अकादमी में ले जाते थे। प्रियांशु भी पिता के साथ जाता था। एक दिन अकादमी में प्रियांशु ने पिता से कहा भाई ठीक से नहीं खेल रहा है। उसने गलत स्ट्रोक लगाए हैं। उसे इस तरह से स्ट्रोक लगाने चाहिए, तो पिता ने कहा कि अगर तुम्हें लगता है कि भाई गलत खेल रहा तो तुम भी खेलो। उसके बाद से प्रियांशु की बैडमिंटन में एंट्री हो गई। आठ साल की उम्र में भेज दिया हैदराबाद इसके बाद ग्वालियर स्थित गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में ट्रायल थे। कुणाल और प्रियांशु दोनों यहां चयनित हो गए। प्रियांशु की उम्र आठ या नौ साल रही होगी जब माता-पिता ने उन्हें हैदराबाद की गोपीचंद अकादमी भेजने का फैसला लिया। यह फैसला कठिन था। प्रियांशु छोटा था और उसकी मां के हाथ से ही खाना खाने की आदत थी, लेकिन मां प्रेरणा और पिता ने प्रियांशु को हैदराबाद भेजा। प्रियांशु आज भी कहीं से घर आता है तो मां के ही हाथ से खाना खाता है। ओलंपिक क्वालिफाई करने के बनेंगे अवसर गोपीचंद अकादमी में प्रियांशु के कोच सियादतुल्लाह हैं। सियादत बताते हैं कि गोपी को प्रियांशु का कोर्ट पर अपनाया जाने वाला रवैया काफी पसंद है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल चयन में अजिंक्य रहाणे ने हार नहीं मानी

मुंबई। मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने भले ही जनवरी 2022 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला हो,

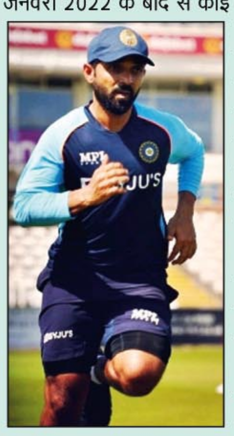

लेकिन आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी से वह इनकार नहीं कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी भी इसके लिए एक लंबा रास्ता तय करना है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 19 गेंदों में एक शानदार अर्धशतक ने रहाणे को जून में इंग्लैंड में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले टेस्ट रिकॉल के लिए फ्रेम में वापस ला दिया है। रहाणे, जिन्हें टेस्ट टीम से हटा दिया गया था, और बाद में बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंधों से हटा दिया गया था, ने आखिरी बार जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका में एक टेस्ट खेला था। मध्य क्रम के बल्लेबाज, जिन्होंने पिछले चक्र का फाइनल खेला था, उनके पिछले 15 टेस्ट मैचों में औसत 20.25 है, जिसमें कोई शतक नहीं है और सिर्फ तीन अर्धशतक हैं। टेस्ट टीम में रहाणे की जगह मुंबई के साथी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने ली थी, जो पीठ की चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर होने के बाद जून में डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए संदिग्ध हैं। इस बीच, 34 वर्षीय रहाणे ने नंबर 3 पर 27 गेंदों में 61 रन बनाकर वानखेड़े में मस्ती की, लेकिन उन्होंने कहा कि वह एक समय में एक गेम ले रहे थे। रहाणे ने आईपीएल खेल के बाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभी भी (डब्ल्यूटीसी फाइनल) जाने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है। मैं ग्यारह में अपनी जगह के बारे में निश्चित नहीं था, (और) टॉस से ठीक पहले पता चला। मेरे लिए, यह एक समय में एक खेल खेलने और पल में रहने के बारे में है। उन्होंने कहा, कुछ भी हो सकता है। मैं कभी हार नहीं मानूंगा। मेरे लिए यह आनंद और जुनून के साथ खेलने के बारे में है। भारत जून की शुरुआत में द ओवल में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

अब गांव की प्रतिभाओं को भी निखरने का मिलेगा मौका, सभी गांवों में गठित किए जाएंगे सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब

रांची।
राज्य में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने, ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रत्येक गांवों में सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब की स्थापना होगी। यह क्लब अपने क्षेत्र की संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन का भी कार्य करेगा।

पिछली सरकार ने गठित किया था कमल क्लब

पिछली सरकार ने इस उद्देश्य से कमल क्लब के गठन का निर्णय लिया था। अब कमल क्लब की जगह राज्य सरकार ने प्रत्येक गांव, प्रखंड और जिला स्तर पर सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन का निर्णय लिया है। 18 से 40 वर्ष के युवा इन क्लब के सदस्य होंगे। राज्य सरकार ने क्लब के गठन और इसके संचालन को लेकर नियमावली लागू कर दी है।

आम सभा करेगी क्लब का गठन

प्रत्येक गांव में सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन के लिए आम सभा बुलाई जाएगी। यह आम सभा क्लब के गठन हेतु एक स्थायी समिति का गठन करेगी जो गांव के 40 वर्ष तक आयु वर्ग के सारे युवाओं को इस क्लब का सदस्य बनाएगी। इसके सदस्य निर्वाचन द्वारा क्लब के पदाधिकारियों औ कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन करेंगे।

गांव खेल क्लब के पदाधिकारी करेंगे प्रखंड स्तरीय क्लब का गठन

प्रखंड के सभी गांवों के सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य बैठक कर प्रखंड स्तरीय सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन करेंगे और इसमें भी निर्वाचन के आधार पर पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया जाएगा।

प्रखंड के अधिकारी करेंगे जिला स्तरीय खेल क्लब का गठन

इसी तरह एक जिले के सभी प्रखंड स्तरीय सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य जिला स्तर पर बैठक जिला स्तरीय सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन करेंगे। इसमें भी निर्वाचन द्वारा पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का चयन होगा।

सोसायटी के रूप में होगा सभी क्लबों का रजिस्ट्रेशन

सभी स्तर के क्लब का रजिस्ट्रेशन सोसाइटी के रूप में कराया जाएगा। झारखंड खेल प्राधिकरण राज्य स्तरीय सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब की भूमिका निभाएगा। प्रत्येक गांवों में क्लब के अंतर्गत बिरसा पुस्तकालय तथा दिशोम जिम्नाजियम की भी स्थापना होगी।

सिद्धो कान्हू क्लब के ये होंगे मुख्य कार्य

सिद्धो कान्हू युवा खेल क्लब खेलकूद, सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्य, कला, विकास कार्य, कौशल विकास एवं अन्य लोक कल्याणकारी गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपने क्षेत्र की प्रत्येक सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेगा तथा स्थानीय त्योहारों की विशिष्ट परंपराओं को संजोए रखने का प्रयास करेगा।

क्षेत्र की विशिष्ट नृत्य कला, गायन वादन कला, चित्रकला आदि के अनुरक्षण एवं संवर्द्धन का प्रयास करेगा और अपने क्षेत्र के ऐतिहासिक या पुरातात्विक महत्व के धरोहरों के संरक्षण एवं विकास का काम करेगा। विभिन्न खेल एवं कला में विशिष्ट युवा प्रतिभा को तराशने, निखारने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कराने का प्रयास करेगा।

शराबखोरी, डायन प्रथा, भ्रूण हत्या पर भी लगाएगा रोक

सिद्धो कान्हू युवा क्लब समाज में व्याप्त शराबखोरी, नशापान, डायन प्रथा, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, बाल विवाह आदि के खिलाफ अभियान भी चलाएगा। साथ ही जाति, धर्म, लिंग, नस्ल आदि के भेदभाव को दूर करने का प्रयास करेगा।

गांव स्तर पर क्लब को 25 हजार रुपये अनुदान

गांव स्तर पर प्रत्येक क्लब को उपायुक्त द्वारा 25 हजार रुपये अनुदान दिया जाएगा। क्लब को दान, भेंट एवं अन्य स्त्रोत से भी आय प्राप्त होगा। बिरसा पुस्तकालय एवं दिशोम जिम्नाजियम के भवनों का निर्माण सांसद एवं विधायक मद से होगा, जबकि इसके संचालन के लिए पांच लाख रुपये का अनुदान मिलेगा। स्टेडियम, जिम्नाजियम, खेल सुविधाओं के पट्टा, टिकट बिक्री, विज्ञापनों से भी क्लब को आय प्राप्त होगा।

हरियाणा के बॉक्सरों के आगे झुका एसएआई

भिवानी का ट्रेनिंग सेंटर नहीं होगा बंद; ओलंपिक विजेता विजेंदर कुमार ने यहीं से सीखी बॉक्सिंग

चंडीगढ़।
हरियाणा के बॉक्सरों के आगे भारतीय खेल प्राधिकरण झुक गया। प्राधिकरण ने विरोध को देखते हुए भिवानी में बॉक्सिंग ट्रेनिंग सेंटर बंद करने का फैसला वापस ले लिया है। एसएआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से यह घोषणा की है।

ट्वीट कर लिखा है कि बॉक्सिंग का खेल भिवानी के एसएआई प्रशिक्षण केंद्र का हिस्सा बना रहेगा। प्राधिकरण के इस फैसले का हरियाणा सरकार के साथ ही सभी खेल प्रेमियों ने स्वागत किया है।

ओलंपिक विजेता विजेंदर ने यही से सीखी बॉक्सिंग

हरियाणा के भिवानी जिले का यह बॉक्सिंग ट्रेनिंग सेंटर भारत के क्यूबा के रूप में जाना जाता है। यहां से लगभग 15 ओलंपियन मुक्केबाजों और सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने बॉक्सिंग के गुर सीख कर पूरे विश्व में देश का नाम रोशन किया है। भिवानी ने देश को ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर कुमार और अखिल कुमार, दिनेश कुमार और जितेंद्र सहित कई अन्य ओलंपियन मुक्केबाज दिए हैं। ट्रेनिंग सेंटर बंद किए जाने से ये खिलाड़ी और अन्य खेल प्रेमी नाखुश थे।

5 अप्रैल को जारी किया नोटिस

भारतीय खेल प्राधिकरण की ऑपरेशन डिवीजन ने 5 अप्रैल को एक पत्र जारी किया था, जिसमें भिवानी स्थित एसएआई केंद्र से मुक्केबाजी को ट्रांसफर करने की सूचना दी गई थी। इसके बाद से लगातार हरियाणा के बॉक्सर और राजनीतिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया जा रहा था। विरोध को देखते हुए प्राधिकरण ने अपना यह फैसला वापस ले लिया है।

गर्ल्स हॉस्टल की मांग

यहां ट्रेनिंग ले रहे खिलाड़ियों ने साई और राज्य और केंद्र सरकार को भिवानी में मुक्केबाजी जैसे खेल के लिए और अधिक सुविधाएं देन की मांग की है। क्योंकि बड़ी संख्या में खिलाड़ी शहर में साई केंद्र और अन्य अकादमियों में कोचिंग लेते रहे हैं। भिवानी में कोचिंग ले रहीं महिला मुक्केबाजों ने मांग की है कि एसएआई को लड़कियों के लिए एक हॉस्टल का निर्माण करना चाहिए।

पठान के एडिटेड पोस्टर के बाद रिंकू सिंह ने शाहरुख को कहा लव यू

मुंबई।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत के बाद बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने पठान के पोस्टर पर क्रिकेटर रिंकू सिंह का चेहरा लगाकर एक तस्वीर साझा की। शाहरुख ने ट्विटर पर एडिटेड पोस्टर को शेयर करते हुए लिखाः झूमे जो रिंकू!!! मेरे बच्चे रिंकू सिंह और नितीश राणा और वेंकटेश अय्यर! और याद रखना, भरोसा ही सब कुछ है। केकेआर को बधाई और वेंकी, अपने दिल का ख्याल रखिएगा सर।

रिंकू सिंह ने अपने ट्वीट के जरिए शाहरुख को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्वीट किया, शाहरुख सर, लव यू सर और आपके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद।

मैच के दिन, सिंह ने अंतिम ओवर में नाटकीय अंदाज में लगातार पांच छक्के लगाए और 21 गेंदों में 48 रन बनाकर ना केवल नाबाद पारी खेली, बल्कि अपनी नाइट राइडर्स को एक असंभव सी जीत दिलाई।

इस जीत के बाद केकेआर एक अच्छ नेट रन रेट के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर आ गई है। वे अगली बार 14 अप्रैल को ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ भिड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप में जीत दिला सकते हैं मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा : पोंटिंग

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा जीत दिला सकते हैं। पोंटिंग के अनुसार आगामी 2023 एकदिवसीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी अहम होंगे ।

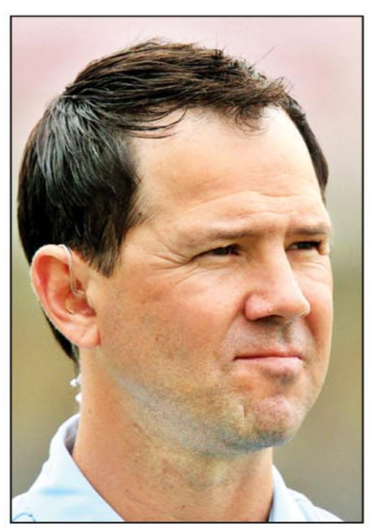

और ऐसे में इन दोनो को टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्टार्क ने हाल ही में भारत में हुई एकदिवसीय सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। स्टार्क ने इस दौरान आठ विकेट लिए थे। उनकी गेंदबाजी को खेलने में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम भी विफल रहा था।

पोंटिंग ने कहा, यह मिचेल स्टार्क 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, वह बाएं हाथ का गेंदबाज है और वह नई गेंद को वापस स्विंग कराता है, जिससे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहता। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वह विशेष रुप से प्रभावी रहा है।

वहीं स्पिनर एडम जम्पा तीन एकदिवसीय मैचों में गेंद के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बेहतर रहे हैं। उन्होंने चार विकेट लिए और केवल 4.88 रन प्रति ओवर दिए उनकी गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये थे। लेग स्पिनर अब क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग में विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गया है जिसने 18 मैचों में 19.73 की औसत से 41 विकेट लिए हैं। पोंटिंग ने कहा, मिचेल स्टार्क के साथ वह लंबे समय तक सभी सफेद गेंद क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख गेंदबाज रहे हैं। स्टार्क महान रहे हैं पर चार या पांच साल के अंदर ज़म्पा भी तेजी से आगे बढ़े हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन की राजनीति

स्वीटी बूरा बोलीं- अबकी बार, हुड्डा सरकार; पूर्व सीएम बोले- हमारी सरकार होती तो सीएम बनकर घर आती

हिसार।
हरियाणा की इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा के वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने पर हिसार में अभिनंदन समारोह किया गया। इसमें पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा भी पहुंचे। इस दौरान स्वीटी बूरा और उनके पति कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा ने पूर्व सीएम की तारीफ में कसीदे पढ़े। स्वीटी बूरा ने कहा कि हरियाणा का खेल डाउन जा रहा है। जब सर मुख्यमंत्री बनेंगे, तभी यह ऊपर जाएगा। मैं आप लोगों से प्रार्थना करूंगी कि कुछ समय से बदलाव हुआ, इसमें हर आदमी दुखी है। अब तो 10 साल हो गए। आपने परिणाम देख लिया होगा। अब वोट ढंग से और सोच समझकर देना। अपनी वोट का मिसयूज मत करना। ढंग से वोट डालना और अबकी बार हुड्डा सरकार। वहीं पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि अगर आज हमारी खेल नीति और सरकार होती तो हमारी बेटी स्वीटी बूरा घर में डीएसपी का फीता लगाकर आती। भगवान ने चाहा तो ऐसा मौका भी आ जाएगा।

खिलाड़ियों के इंस्पेक्टर बनने की बात से मोटिवेट हुए - मंच पर बैठे पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में स्वीटी बूरा ने कहा कि जब हम छोटे- छोटे थे, तब हम सुनते थे कि आज फलां खिलाड़ी इंस्पेक्टर लग गया, या फिर डीएसपी लग गया। इन्होंने बड़े पैसे दिए। इनसे हम मोटिवेट हुए। उनकी नीतियों की बदौलत ही आज आपके सामने वर्ल्ड चैंपियन खड़ी है। हुड्डा जब सीएम थे, अच्छी नीतियां लेकर आए थे। आज सब कुछ लोगों के सामने दिख रहा है।

मुझे अर्जुन अवार्ड दिलवाया - भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में खुशहाली इनकी वजह से आई है। पूरे हरियाणा की उम्मीद भूपेंद्र सिंह हुड्डा है। यदि अब भी हम अपनी आंखें बंद रखेंगे तो फिर हरियाणा का कुछ नहीं हो सकता। हमने खेल ये सोचकर स्टार्ट किया था कि इंस्पेक्टर और डीएसपी लगेंगे। मंच पर आज भी तीन डीएसपी है, तीनों हुड्डा सरकार के लगवाए हुए है। दीपक हुड्डा ने कहा कि मुझे अर्जुन अवार्ड दिलवाने में भी हुड्डा साहिब का योगदान है। पीछे बैठे मंजीत छिल्लर को भी अर्जुन अवार्ड भी इन्होंने ही दिलवाया। इन्होंने 19 खिलाड़ी एक साथ डीएसपी लगाए थे। हरियाणा का खेल मंत्री भी इन्होंने लगाया था। योगेश्वर दत्त की बात हो या 42 से 43 इंस्पेक्टर, सभी को इन्होंने ही लगाया। दीपक हुड्डा ने पुराने मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बार हरियाणा और पंजाब का फ्रेंडली कबड्डी मैच था। उसमें बड़े- बड़े खिलाड़ी थी, जिनकी उम्र निकल चुकी थी। हुड्डा साहब ने उन्हें भी नौकरी पर लगाया था। टूर्नामेंट भी सरकारी नहीं था।

हरियाणा में कांग्रेस ही हुड्डा है - दीपक ने कहा कि मैं कभी राजनीति का हिस्सा नहीं रहा। खिलाड़ियों का मान सम्मान भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही करते हैं। हमारे हरियाणा में यदि कांग्रेस है तो वह हुड्डा साहब ही है। इसमें कोई दोराय नहीं है। मेरा राजनीति से कोई संबंध नहीं है।

स्टेडियम का रख रखाव नहीं हो रहा - भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हमारी बेटी दुनिया में गोल्ड मेडल लेकर आई है। पूरे देश को गर्व है। मुझे याद है कि स्वीटी 2012 में जब मैडल लेकर आई थी, तब इसे सम्मानित किया था। तब मैने सोचा था कि यह बेटी बहुत आगे जाएगी। हमारी सरकार ने खेल नीति बनाई थी। जब मैं मुख्यमंत्री बना तो देखा कि पड़ोसी राज्य पंजाब में युवा नशे से ग्रस्त था। हमने खिलाड़ियों के लिए बड़े- बड़े स्टेडियम बनाए थे। लेकिन आज अफसोस से कहना पड़ रहा है कि उन स्टेडियम का रख रखाव नहीं हो रहा। जितने कोच लगाए थे, उतने भी नहीं रह गए।

पूर्वजों की याद में लगाए 2 हजार पेड़

बिहार के भागलपुर में जहां बेटी होने पर वृक्ष लगाने की परंपरा है वही बिहटा में एक ऐसा गांव है जहां किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर एक पेड़ लगाने की परंपरा है और ये परम्परा मीठापुर गांव के एक व्यक्ति बुटाई सिंह पिछले पंद्रह वर्षो से चला रहे हैं उन्होंने ये बीड़ा उठाया है कि गांव के किसी व्यक्ति के निधन पर वो उनकी याद में एक पेड़ जरूर लगाएंगे बुटाई सिंह बिहटा के मीठापुर गांव के रहने वाले हैं. पिछले 15 वर्षों से अपने गांव स्थित मनेर रजवाहा नहर के दोनों तरफ 2 हजार से ज्यादा पेड़ लगा चुके हैं खास तौर पर बुटाई पीपल और बरगद का पेड़ लगाते है और उनकी सेवा में भी लगे रहते हैं दरअसल पर्यावरण की रक्षा और नयी पीढ़ी को अपने पूर्वजों को याद रखने के उद्देश्य से मीठापुर गांव के बुटाई सिंह ने सन 2001 से ही पेड़ लगाने की ठान ली थी सबसे पहले जब उनके पिता की मृत्यु हुई तो मर्माहत बुटाई ने अपने पिता रामजी सिंह के नाम पर पहला पीपल का पेड़ लगाया और उसके बाद यह कारवां आगे बड़ता गया और अब तक जारी है।

यह जानने के बाद कभी नहीं चटकाएंगे उंगलियां

हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और जहां दो हड्डियां आपस में जुड़ती हैं उसे जोड़ कहते हैं जब हम उंगलियां चटकाते हैं और इस तरह हड्डियों को एक दूसरे से दूर खींचते हैं। तो उंगलियों के जोड़ों में एक विशेष प्रकार का द्रव पाया जाता है, ऐसे में द्रव में बुलबुले बन जाते हैं। जब हम जोड़ों को काफी अधिक खींचते हैं तो यह बुलबुले फूट जाते हैं और हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक नष्ट भी हो सकते हैं।

हैरान रह जाएंगे संगीत के सुरों के ये गजब फायदे जानकर

ब्राजील निवासी बैंकर एंथनी कुलकैंप ने हाल ही पूरे विश्व को उस समय अचंभे में डाल दिया जब वह अपनी दिमाग की सर्जरी के दौरान पूरे समय गिटार बजाता रहा। डॉक्टरों ने उसके सिर के केवल उस हिस्से को सुन्न किया, जहां ऑपरेशन करना था। नौ घंटे की सर्जरी के दौरान एंथेनी ने संगीत से अपनी पीड़ा पर विजय पा ली। इसी तरह संगीत कई प्रकार से इलाज करने में मददगार साबित हुआ है।

वाइब्रोएकोस्टिक थैरेपी

पार्किंसन और अवसाद के मरीजों में भी वाद्य यंत्रों से उत्पन्न वाइब्रेशन का जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला है इसे वाइब्रोएकोस्टिक थैरेपी कहते हैं। इसमें अलग-अलग आवृत्ति पर संगीत ध्वनि से वाइब्रेशन उत्पन्न किया जाता है और इसे सीधे मरीज को सुनाया व महसूस कराया जाता है। वर्ष 2009 में एक शोध में इस थैरेपी के गुण सामने आए थे। इस अध्ययन में पार्किंसन के 40 मरीजों को 30 हट्‌र्ज वाइब्रेशन हर एक मिनट के अंतराल से एक-एक मिनट तक महसूस करवाया गया और इसके बेहद सुखद परिणाम सामने आए। अब विशेषज्ञ अल्जाइमर के मरीजों पर भी इसके प्रयोग के बारे में विचार कर रहे हैं।

दर्द में कमी

अलबर्टा यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने 3-11 साल की उम्र के 42 बच्चों पर अध्ययन में पाया कि जिन बच्चों को अच्छा संगीत सुनाया गया, उन्हें इंजेक्शन लगाने के दौरान कम दर्द हुआ।

इम्युनिटी में इजाफा

म्यूजिक-न्यूरोसाइंस का अध्ययन कर रहे साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के मामले में संगीत चिकित्सा के नतीजे बेहद रोचक और सुखद हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। तनाव देने वाले हार्मोन का स्राव कम होता है। इसके अलावा मां की लोरी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। लोरी सुनने से बच्चा शांत व सजग रहता है। वह बार-बार रोता नहीं। इससे बच्चे के सोने और भोजन के समय में सुधार होकर मां बनने वाली महिलाओं के तनाव में कमी देखी गई।

फायदे हैं कई

संगीत सुनने से शरीर में रक्त प्रवाह सामान्य हो जाता है। इससे रक्त संबंधी और हृदय रोगों में राहत मिलती है। एंग्जाइटी में संगीत का असर उतना ही होता है जितना दो घंटे तक मसाज लेने से। संगीत बेहतरीन मूड-एलीवेटर भी है। इससे चिंताएं भी कम होती हैं। सर्जरी के बाद पसंदीदा पॉप, जैज या क्लासिकल म्यूजिक सुनाने से मरीज जल्द ही स्वस्थ होता है। फिनलैंड में एक शोध में यह तथ्य सामने आया है।

कैंसर, डायबिटीज और मोटापे का दुश्मन है यह फल

आलूबुखारे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। कहते हैं कि एक कटोरा भर के फलों में जितने पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं उतने ही एक आलूबुखारे में होते हैं। आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं। आलूबुखारा खाने से कैंसर, डायबिटीज और मोटापे संबंधी कई गंभीर रोगों में आराम मिलता है।

अस्थिभंग की आशंका नहीं

एक शोध के अनुसार रोजाना आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग यानी हड्डियों की क्षति की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढ़ने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि आलूबुखारा हड्डी टूटने से बचा सकता है। अध्ययन के अनुसार यदि महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद इस फल का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस और हड्डी टूटने से बचा सकती हैं। अध्ययन में पता चला है कि प्रतिदिन 10 आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के लिए सूखे अंजीर, सूखे स्ट्रॉबेरी, सूखे सेब और किशमिश से अधिक लाभकारी है।

इन बातों का रखें ध्यान

आलूबुखारे में आयरन होता है जो एनीमिया (रक्त की कमी) के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसके कई तरह के पोषक तत्व शरीर को नियंत्रित करने का काम करते हैं। कोई भी व्यक्ति इसे खा सकता है लेकिन जिन्हें गले में खराश, खांसी और जुकाम की समस्या हो वे इन्हें खाने से परहेज करें। एक दिन में इनकी 100 से 150 ग्राम मात्रा खाई जा सकती है। जहां तक संभव हो इन्हें इनके मौसम में ही खाना चाहिए।

इसके हैं कई लाभ

- आलूबुखारे में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट संबंधी समस्या दूर होकर पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इसके सेवन से पेट में भारीपन नहीं होता है और आंतों को भी आराम मिलता है। आलूबुखारे में फैट की मात्रा कम होती है जिससे मोटापा नहीं बढ़ता और वजन नियंत्रण में रहता है।
- इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता हैं।
- विटामिन-ए, आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- आलूबुखारे में पोषक फाइबर जिया एक्साथिन होता है जो आंखों के रेटिना को मजबूत बनाता है।
- आलूबुखारा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। इसमें घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखता है।
- यह बालों से संबंधित समस्याओं में राहत दिलवाने में मदद करता है।

हेवी लें या हल्की डाइट, ऐसे जरूर बैठें

वज्रासन एक ऐसा आसन है जो किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा लाभ खाना खाने के बाद होता है। यह आसन, पाचनक्रिया के साथ-साथ सांस संबंधी, मोटापे और मानसिक रोगों में उपयोगी होता है। साथ ही इससे कमरदर्द में भी आराम मिलता है। वज्रासन के दौरान शरीर के मध्य भाग पर सबसे अधिक दबाव पड़ता है। इस दौरान पेट और आंतों पर हल्का दबाव पड़ता है जिससे पाचन ठीक रहता है। वज्रासन की मुद्रा में कमर और पैरों की मांसपेशियों का तनाव दूर होता है और ज्वाइंट्स खुलते हैं। अधिक चलने या देर तक खड़े होने के बाद इस आसन की मदद से आराम महसूस होगा।

ऐसे करें यह आसन: घुटनों को मोड़कर पंजों के बल सीधा बैठें। दोनों पैरों के अंगूठे आपस में मिलने चाहिए और एड़ियों में थोड़ी दूरी होनी चाहिए। शरीर का सारा भार पैरों पर रखें और दोनों हाथों को जांघों पर रखें। कमर से ऊपर का हिस्सा बिल्कुल सीधा हो और इस अवस्था में लंबी सांस लें। यह आसन 10 मिनट तक कर सकते हैं।

कौन न करें: खाने के तुरंत बाद वज्रासन की मुद्रा में बैठने से पाचनक्रिया सही रहती है। इससे हृदय पर दबाव नहीं रहता और रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है। लेकिन जिन लोगों को जोड़ों का दर्द, गठिया रोग या पैर का किसी भी प्रकार का ऑपरेशन हुआ हो, वे ये आसन न करें।

पेट्स के साथ रखना होगा इन बातों का ध्यान

पालतू जानवर डॉग, बिल्ली या पक्षी अक्सर घर के सदस्य बन जाते हैं। कई शोधों के मुताबिक जिन घरों में ये होते हैं वहां चहल-पहल रहती है। इनके साथ पलने वाले बच्चे भी ज्यादा सामाजिक और चंचल होते हैं। एक शोध के अनुसार डॉग हृदयरोगों का खतरा घटाता है और शरीर के लिए आवश्यक हार्मोन को तीन गुना बढ़ा देता है। लेकिन पालतू पशु-पक्षी संक्रमण भी फैलाते हैं। इनसे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। जानवरों के चेहरे या लार को छूने के बाद साबुन से हाथ धोएं। यदि जानवर काट ले तो घरेलू समझकर टालें नहीं फौरन विशेषज्ञ की सलाह से इलाज कराएं। पालतू जानवरों के मल-मूत्र की फौरन सफाई करें। जानवर को शयनकक्ष में न आने दें इससे आप एलर्जी से बचें रहेंगे। पेट्स की नियमित रूप से जांच-पड़ताल करवाएं। उसका वेक्सीनेशन विशेषज्ञ की सलाह से करवाते रहें। इसके अलावा जिस भी जानवर को पाल रहे हैं उसकी जानकारी रखें कि उसके बाल कितने समय पर झड़ने लगते हैं। खुजली की बीमारी किस मौसम में होने की आशंका रहती है।

इंडिया की इन 7 गलियों में खाने की खुशबू से ही भर जाता है मुंह में पानी

खाने का शौक लगभग सभी को होता है। इसी शौक को देखते हुए आज तमाम शहरों में खाने की ऐसी जगहें मौजूद हैं, जो अपने खास जायके के साथ ही अपने नाम से जानी जाती हैं। दिल्ली हो या हो मुंबई, वहां कि कुछ खास गलियों में खाने की खुशबू से ही मुंह में पानी आ जाता है। जानते हैं इन जगहों के बारे में....

खाऊ गली, मुंबई (घाटकोपर)

मुंबई में कई जगहों पर खाऊ गलियां मिल जाएंगी। मगर घाटकोपर इनमें सबसे खास है। यहां पानीपूरी, सैंडविच, मसाला कोल्ड ड्रिंक्स, पावभाजी और टिक्का आदि मिल जाएंगे। यहां आपको कई तरह के डोसा मिलेंगे, जिनमें थाउजंड आइलैंड डोसा, चीज बस्ट डोसा और सबसे खास आइसक्रीम डोसा भी परोसा जाता है।

भुक्खड़ गली, अहमदाबाद

यहां शाम 6-7 के बीच रंगत लगना शुरू होती है और देर रात तक चलती है। यहां मेक्सिकन, थाई, चाइनीज, स्पैनिश और लैबनीज खाने की चीजें इंडियन स्टाइल में वाजिब दाम में मिल जाएंगी। यहां का वन स्लाइज पिज्जा, तंदूरी मोमोज, फजीता राइस और फलाफल बहुत फेमस है।

जॉनसन मार्केट, बेंगलुरु

आप बेंगलुरु में हैं तो यहां जरूर जाएं। नॉन-वेज लवर्स के लिए यह एक शानदार जगह है, लेकिन वेजिटेरियन भी यहां से निराश नहीं लौट सकते। सुलेमानी चाय, हरीरा, कोकोनट और फ्रूट नान देश में शायद ही कहीं और मिलें। कबाब के शौकीन हैं तो जॉनसन मार्केट आपके लिए परफेक्ट रहेगा।

कचौड़ी गली, वाराणसी

कचौड़ी गली जैसा नाम से ही ज्ञात हो रहा है कि यह मुहल्ला खाने-पीने की चीजों के लिए मशहूर है। यहां काशी की प्रसिद्ध कचौड़ी, जलेबी की दुकानें बहुतायत संख्या में है। हालांकि, इस मुहल्ले का नाम पहले कूचा अजायब था। कहा जाता है कि मुस्लिम शासन के समय चर्चित धनी अधिकारी अजायब के नाम से ही इस मुहल्ले का नाम था। इस मुहल्ले में अजीब तरह की वस्तुएं बिकती थी। बाद में खाने-पीने की दुकानें अधिक होने से इस मुहल्ले का नाम कचौड़ी गली पड़ा। यह मुहल्ला भी काफी घना और गलियां सकरी हैं। भवन भी पुरानी शैली के बने हुए हैं।

पराठे वाली गली, दिल्ली

दिल्ली की पराठे वाली गली दुनियाभर में मशहूर है। यहां लगभग 35 अलग-अलग तरह के पराठे मिलते हैं। जिन्हें तवे पर कम कड़ाही में ज्यादा बनाया जाता है। आलू, गोभी, मटर, टमाटर, प्याज, लहसुन, मिक्सवेज, पनीर जैसी कई चीजों के पराठे यहां खाए जा सकते हैं जो देसी घी के बने होते हैं। इन पराठों के साथ आलू की सब्जी, केले की चटनी, लस्सी और सलाद भी परोसा जाता है। 40 रुपए से लेकर 55 रुपए तक में आप इन लजीज पराठों का स्वाद ले सकते हैं।

रेसिपी

मसाला चीज टोस्ट

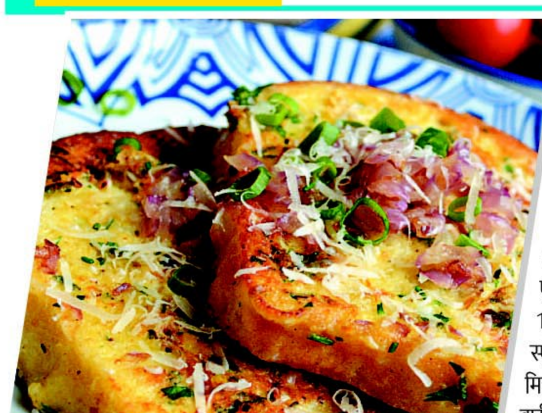

सामग्री

4 गेहूं के ब्रेड स्लाईस, 4 टी-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टी-स्पून तेल, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप बारीक कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जियां (पत्तागोभी , फूलगोभी , हरे मटर , फण्सी और शिमला मिर्च), 1/4 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 चुटकी गरम मसाला, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज डालकर, मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। मिली-जुली सब्जीयां, आलू, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, धनिया और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पका लें। टॉपिंग को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। ब्रेड के स्लाईस को पॉप-अप टोस्टर में उनके करारा होने तक टोस्ट कर लें। टोस्ट की हुई ब्रेड स्लाईस को साफ, सूखी जगह पर रखकर, प्रत्येक ब्रेड स्लाईस पर टॉपिंग के एक भाग को फैला लें। प्रत्येक ब्रेड स्लाईस पर 1 टी-स्पून चीज छिड़के और पहले से गरम अवन में 5 मिनट या चीज के पिघलने तक बेक कर लें। गरमा गरम परोसें।

वेजिटेबल राईस केक

सामग्री

घोल के लिए: 1 कप तैयार इडली का घोल, 1/4 कप कसी हुई पत्तागोभी, 1/4 कप कसा हुआ गाजर, 1/4 कप कसी हुई लौकी, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून फरूट सॉल्ट

अन्य सामग्री: 4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हींग

परोसने के लिए: हरी चटनी

विधि

घोल के लिए: फ्रूट सॉल्ट छोड़कर, सभी समाग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 2 टेबल-स्पून पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** रास केक बनाने से तुरंत पहले, फ्रूट सॉल्ट छिड़कर उपर 2 टी-स्पून पानी डालें। जब बुलबुले बनने लगें, हलके हाथों मिला लें। घोल को 2 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। एक चौड़े 150 मिमी (6) व्यास के चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 2 टी-स्पून तेल गरम करें, 1/2 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून अजवायन, 1/4 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून जीरा और 1/4 टी-स्पून हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, घोल के एक भाग को डालकर पैन को गोल घुमाकर अच्छी तरह फैला लें। ढककर मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट या उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक पका लें। विधी क्रमांक 4 से 6 को दोहराकर 1 और राईस केक बना लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)